जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The Birth Of India Around C P

The verandahs were full of people and walking space was limited as the refugees had opened little stalls with gas lanterns on the covered corridor floor

Artillery Changed History In India

Artillery was adequate for handling Pakistan due to terrain being largely plain except in J&K Sector, but it still needs to address this challenge against China

मोदी सरकार की विदेश नीति सफल रही या असफल?

यह मुद्दा रहेगा, संसद के आगामी सत्र में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं को लेकर बढ़ती आलोचना अब सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद संसद का विशेष सत्र बुलाने से इनकार किए जाने के बाद विपक्ष ने अपना हमला तेज कर दिया है।

विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर घोर लापरवाही और कई कूटनीतिक मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया है। हाल ही में हुए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से कोई ठोस परिणाम न निकलने को लेकर विपक्ष ने सरकार की कड़ी आलोचना की है और 33 देशों का दौरा करने वाले बहुप्रचारित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद में कथित भूमिका को उजागर कर वैश्विक समर्थन जुटाना था, वह भी इस्लामाबाद को अलग-थलग करने की दिशा में कोई ठोस आश्वासन या अंतरराष्ट्रीय सहमति प्राप्त करने में असफल रहा है।

कूटनीतिक शर्मिंदगी को और गहरा करते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति में पाकिस्तान को वाइस चेयरमैन नियुक्त किया जाना, आतंकी नैटवर्क को पनाह एवं संरक्षण देने में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने से सम्बंधित भारत के लम्बे समय से चल रहे प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यह घटनाक्रम भारत की वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लम्बे समय से चली आ रही मुहिम की साख को कमजोर करता है।

स्थिति को और पेचीदा बनाते हुए, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हाल ही में यह नया दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच ''तनावपूर्ण गतिरोध'' के दौरान युद्धिवराम कराने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी और इस प्रक्रिया में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी सहयोग किया था। इस दावे ने भारत की विदेश नीति की स्वायत्तता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप की इन टिप्पणियों ने भारत की बड़ी शक्तियों पर बढ़ती निर्भरता और सुरक्षा मामलों पर सीमित होती जा रही कूटनीतिक स्वतंत्रता को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **विपक्ष का कहना है, बहुप्रचारित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जो 33 राज्यों में भेजा गया, उसे, आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयास में खास सफलता नहीं मिली और न ही कोई ठोस आश्वासन मिला।**
- **दूसरी ओर यूनाइटेड नेशन्स की सुरक्षा परिषद की आतंकवाद विरोधी कमेटी में पाकिस्तान का वाइस चेयरमैन के रूप में मनोनीत होना, भारत के उन प्रयासों के लिए भारी धक्का है, जो भारत काफी समय से कर रहा है, पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी नेटवर्क्स को प्रश्रय देने की सच्चाई को उजागर करने के लिए।**
- **साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने से कि उनकी सक्रिय भूमिका के कारण भारत व पाक के बीच ''सीज़फायर'' हुई, से भारत की विदेश नीति की ''स्वतंत्रता'' पर आघात हुआ है और अब तो ट्रंप यह भी कह रहे हैं कि उनको ''सीज़फायर'' लागू करने के प्रयास में रूस का भी समर्थन प्राप्त था।**
- **सरकार का इस बारे में यह कहना है कि दीर्घकालीन कूटनीतिक रणनीति सही दिशा में अग्रसर है तथा छोटे-मोटे घटनाक्रमों से भारत की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता व प्रतिष्ठा पर कोई फर्क नहीं पड़ता।**

3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

नयी दिल्ली, 06 जून। उच्चतम न्यायालय ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन (एनबीई) को मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025, तीन अगस्त को एक ही पाली में आयोजित करने की शुक्रवार को अनुमति दी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने एनबीई की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

- **सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को नीट पीजी परीक्षा 3 अगस्त को कराने की अनुमति दे दी। परीक्षा एक ही पारी में आयोजित होगी।**

अदालत ने इस संस्था की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने उसकी अर्ज़ी स्वीकार कर ली।

इससे पहले 30 मई को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने अदिति और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनबीई को 15 जून को पूर्व निर्धारित दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने ट्रंप-मस्क की सार्वजनिक छींटाकशी व झगड़े पर कटाक्ष किया

कांग्रेस ने कहा, दोस्ती कैसे निभाई जाती है, यह ट्रंप व मस्क को अडानी व मोदी की ''दोस्ती'' से सीखना चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के बीच के बहुचर्चित मतभेद ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने का एक मौका दे दिया है। पार्टी की केरल इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप व मस्क के मतभेद को लेकर मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर तंज कसा।

कांग्रेस के पोस्ट में कहा गया: ''प्रिय एलन मस्क, रिश्ता कोई भी शुरू कर सकता है, निभा पाना सबके बस की बात नहीं। भारत आइए और मोदी-अडानी से मिलिए और सीखिए कि एक मुख्यमंत्री और एक प्रधानमंत्री को 23 साल तक कैसे वफादार बनाए रखा जा सकता है।''

यह तंज ऐसे समय में आया, जब मस्क ने ट्रंप के ''वन बिग, ब्यूटीफुल बिल'', जो कई अरब डॉलर के टैक्स और खर्च पैकेज से संबंधित है, की आलोचना की। इस बिल को हाल ही में अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने पारित किया है।

इसके बाद मस्क ने एक्स पर धमाका करते हुए लिखा: ''अब असली बम गिराने का वक्त है: असली ट्रंप तो एप्सटीन फाइल्स में हैं। यही असली वजह है कि उन फाइल्स को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। गुडलक डीजेटी।''

हालांकि मस्क ने इसका कोई सबूत पेश नहीं किया, फिर भी यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। आलोचकों ने तुरंत मस्क के घिसलेन मैक्सवेल, जो जेफरी एप्सटीन की करीबी सहयोगी थीं, के साथ संबंधों की याद दिलाई, जिससे यह मामला और गर्मा गया।

भारत में, कांग्रेस ने इस अवसर का उपयोग मोदी और अडानी के कथित घनिष्ठ रिश्तों को फिर से उजागर करने के लिए किया। वर्षों से यह देखा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं अक्सर अडानी समूह की वैश्विक व्यापारिक विस्तार योजनाओं के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **कांग्रेस ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि मोदी-अडानी ''दोस्ती'' पिछले तेईस सालों से चल रही है और कोई बदमज़गी की बात न सुनी और न देखी।**
- **जैसा कि विदित ही है, मस्क ने ट्रम्प के व्यक्तिगत आचरण को भी नहीं बक्शा और कहा कि एप्स्टीन फाइल्स इसलिए सार्वजनिक नहीं हो रहीं, क्योंकि उनमें राष्ट्रपति ट्रंप का नाम है। एप्स्टीन एक अंतर्राष्ट्रीय दलाल थे, जिन पर हाई-सोसायटी की पार्टियों में युवतियों व बच्चियों को सप्लाई करने का आरोप है।**

भगवान सिंह रोलसाबसर का निधन

जयपुर, 6 जून। क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाबसर का गुरुवार देर रात जयपुर में निधन हो गया। वे लगभग 81 वर्ष के थे। उन्होंने एसएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे बीमार चल रहे थे और पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे सहित, कई नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

- **क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक की मृत्यु पर मुख्यमंत्री सहित अनेक नेताओं ने दुख व्यक्त किया।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोलसाहबसर के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ''इमरजैंसी'' पर बहस करने के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत होगा?

कांग्रेस इस अफवाह से विचलित है तथा संभावित सत्र को पहलगाम व ऑपरेशन सिंदूर की कमियों से ध्यान हटाने की साजिश बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। फिलहाल भारत सरकार की ओर से 25 जून 2025 को 1975 की इमरजेंसी पर चर्चा के लिए किसी विशेष संसद सत्र को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इसके बजाय, सरकार ने 21 जुलाई से 12 अगस्त तक मानसून सत्र आयोजित करने की घोषणा की है, ताकि विशेष सत्र की मांगों को रोका जा सके।

तथापि, कांग्रेस पार्टी ने दावा किया है कि सरकार 25 जून 1975 को लगी इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर एक विशेष सत्र आयोजित करने पर विचार कर रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस संभावित कदम की आलोचना करते हुए इसे हाल की पहलगाम आतंकी घटना और उसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसे गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **हालांकि, सरकार की ओर से ऐसे सत्र बुलाने या न बुलाने के बारे में अधिकृत रूप से कुछ भी नहीं कहा गया है, पर, इंडिया गठबंधन, जिसे 16 राजनीतिक दल, जैसे, कांग्रेस, सपा, डीएमके तथा तृणमूल कांग्रेस आदि पार्टियां शामिल हैं, ने प्र.मंत्री से आग्रह किया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए ताकि ऑपरेशन सिंदूर व देश की सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर गहराई से विश्लेषण हो सके।**

अब आर.टी.जी.एस. से पैसा ट्राँसफर लगभग सभी करते हैं

पर, इस रियल टाइम सैटलमैंट व्यवस्था (आर.टी.जी.एस.) की जितनी उपयोगिता आज है, उतनी ही रोचक उसकी ऐतिहासिक कहानी भी है

-अंजन रॉय-

नई दिल्ली, 6 जून। अगर आपने अपने बैंक खाते से किसी अन्य खाते में पैसे ट्रांसफर किए हैं, तो संभवतः आपने आर.टी.जी.एस. प्रणाली का उपयोग किया होगा। यह तो ज्ञात है, लेकिन आर.टी.जी.एस. प्लेटफॉर्म और उसके विकास के बारे में बहुत कम जानकारी है।

रियल टाइम ग्रॉस सैटलमैंट (आर.टी.जी.एस.) प्रणाली को मूल रूप से विभिन्न देशों के बैंकों के बीच बैंक खातों के सैटलमैंट के लिए बैंक फॉर इंटरनेशनल सैटलमैंट्स (बी.आई.एस.) द्वारा विकसित किया गया था। बाद में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा। अब, बी.आई.एस., बैंकिंग से जुड़े खतरों से विवेकपूर्ण तरीके से निपटने के नियम बनाने वाली प्रमुख संस्था है।

बेसल एक, बेसल दो, और बेसल तीन – ये बैंकों के लिए, उनके जोखिम के संदर्भ कैपिटल रिक्वायरमैंट (पूँजी की आवश्यकता) के तीन लैवल हैं, जो यह निर्धारित करते हैं कि बैंक अपने व्यापार के स्तर और आकार के अनुसार कितनी स्वयं की पूंजी बनाए रखें। इन्हें बेसल कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो (पूंजी पर्याप्तता अनुपात) कहा जाता है।

इस प्रकार, बी.आई.एस. (बैंक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के बाद, विजयी देशों ने जर्मनी से ''वॉर डैमेजेज़'' (युद्ध में हुई भारी क्षति) की भरपाई की मांग की।**
- **यह रकम बैंक फॉर इंटरनैशनल सैटलमैंट (बी.आई.एस.) को ट्राँसफर होती थी, उसके बाद बी.आई.एस. विजयी शक्तियों के दावों को ''सैटल'' करता था। पर, 1932 के वरसाय एग्रीमैंट के बाद, यह महसूस किया गया कि जर्मनी इन दावों की रकम देने की सामर्थ्य नहीं रखता। अतः, बी.आई.एस. का रोल खत्म सा मान लिया गया था।**

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा-मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे-बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं।

विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है। एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झड़ी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ-साथ ढलान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

> **संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।**

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ़ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्त्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्त्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं। शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े, पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढ़ेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनःचक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हांलाकि पानी के पुनः चक्रिकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जनहितेषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इसीसे से समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

जन आंदोलन बनाने के लिए जन भागीदारी जरुरी : राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का आग़ाज़

बाल मुकुन्द ओझा

राजस्थान में पेयजल और घरेलू आपूर्ति के लिए 70 फीसदी भूमिगत जल पर ही निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन अब भूमिगत जल भी खतरनाक स्तर तक नीचे चला गया है। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का आग़ाज़ किया है। यह अभियान प्रदेशभर में 5 से 20 जून तक चलाया जायेगा। अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। जल संरक्षण का यह अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान है। राजस्थान को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और हरा-भरा बनाने के लिए बने इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत नए जल संग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। इन कार्यों के साथ ही बारिश में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोकने के लिए बांध, ऐनिकट तथा नहरों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा, जिससे मानसून में बारिश के पानी का संग्रहण तथा भूजल स्तर में वृद्धि हो सके। मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा के मुताबिक अभियान के पहले दिन प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के कम से कम एक कार्य की शुरूआत की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकों में भी इस अभियान को विशेष महत्व देते हुए जल संरक्षण से संबंधित कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच और बारिश के जल की एक-एक बूंद को सहज कर भूमि में समाहित करने की यह परिकल्पना सरकार के साथ नागरिकों और स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से पूर्ण हो सकती है इसीलिए इसे जन आंदोलन के रूप में चलाने की मंशा जाहिर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संग्रहण संरचनाओं एवं जलाशयों की साफ-सफाई के कार्यों में स्वयं सेवी संस्थाओं, राजकीय कर्मचारियों सहित अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर श्रमदान कराया जाए। जिला स्तर पर हर दिन अलग-अलग विभागों द्वारा संयुक्त श्रमदान कराया जाए। साथ ही, सरकारी कार्यालयों में जल संरक्षण के संबंध में संकल्प कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा संस्थाओं का सम्मान भी किया जाए। आजादी के बाद से ही मरुस्थलीय क्षेत्र राजस्थान पेयजल के संकट से जूझता रहा है। पहले लोग कुए, तालाब और बावड़ियों के पानी पर निर्भर थे। आबादी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ने लगी। जलप्रदाय की अनेक योजनाएं बनी मगर पानी का संकट कम होने के बजाय बढ़ता ही गया। परम्परागत श्रोत सूख गए और जल प्रदाय योजनाओं के नए केंद्र बनने शुरू हुए। हर साल करोड़ों अरबों की राशि इन कार्यों पर खर्च होने के बाद भी प्रदेश में पेयजल की किल्लत से हम जूझ रहे है। जल जीवन की पहली प्राथमिकता है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी प्यास बुझाई जा सकेगी।

जल समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहाँ सवाल यह उत्पन्न होता है की भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट सामना क्यों कर कर रहे है। इसका जवाब है हमने अपने परंरागत जल श्रोत समाप्त कर दिए। राजस्थान को कुए, बावड़ी टांकों और तालाबों का प्रदेश कहा जाता है। यहाँ लाखों की संख्या में परंपरागत जल श्रोत थे। नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे है। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। हमारे देश और प्रदेश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जब की केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है।

हमारे देश में सूखा और बाढ़ की अजब गजब स्थिति है। देश के किसी भाग में सूखा तो किसी में बाढ़ अक्सर हम देखते है। भारत सरकार द्वारा कैच द रैन कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन अभियान देश भर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है और इसका नारा है जहां भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें। नीति आयोग के अनुसार, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग को जल संरक्षण और भूजल को रिचार्ज करने का एक सरल, व्यवहारिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीका माना जाता है। ऐसे में देश के कई राज्यों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बना दिया गया है। शहरी विकास मंत्रलय के मुताबिक प्रति 100 स्क्वायर मीटर क्षेत्र की छत से हर साल 55,000 लीटर तक जल का संरक्षण किया जा सकता है।

राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की सफलता आम आदमी के सहयोग पर निर्भर करती है। यह अभियान केवल सरकारी अभियान बनकर नहीं रह जाये, इसके लिए मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। इसके लिए सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। है। आम आदमी को जल संरक्षण एवं समझाइश के माध्यम से पानी की बचत का सन्देश देना होगा। वर्षा की अनियमितता और भूजल दोहन के कारण भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

– बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

प्रधानमंत्री जी का राम-राम : राजस्थानी भाषा की मान्यता का सकारात्मक संकेत हो सकता है

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलने की उम्मीद बढ़ी है। पिछले दिनों देशनोक-पलाना में प्रधानमंत्री जी के आगमन के बाद राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने की उम्मीद की जा सकती है। करणी माता के जय घोष और पलाना की आमसभा का शंखनाद 'था सगळा नैं रामराम' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

वहां उपस्थित सभी श्रोताओं ने उनकी इसका प्रति उत्तर जोश और उत्साह से दिया। इसके मायने स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री जी राजस्थानियों और उनकी भाषा को प्यार करते हैं।

अपनी बात को राजस्थानी भाषा से प्रारंभ करके उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिया की राजस्थान के नेता अगर उनको राजस्थानी भाषा, साहित्य और संस्कृति के उत्थान के लिए सिस्टमैटिक तरीके से बताएं तो वह राजस्थानी भाषा को मान-सम्मान देने के लिए तत्पर है। वे जब भी राजस्थान आते है, हमेशा यहां के स्थानीय देवी-देवताओं की जय जयकार करते हैं। और अपनी बात राजस्थानी भाषा में प्रारंभ करने से कभी भी भूलते नहीं। प्रधानमंत्री जी यह भी जानते हैं कि राजस्थानी और गुजराती बहुत समीप हैं, ऐसे में गुजराती को मान्यता मिली हुई है तो राजस्थानी भाषा को भी मान्यता दी जा सकती हैं। दुख तो तब हुआ जब राजस्थान के एक भी नेता ने प्रधानमंत्री जी को राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु आग्रह भी नहीं किया। प्रधानमंत्री जी राजस्थानी की बात करना चाहते हैं, अपनी बात का प्रारंभ राजस्थानी के महत्वपूर्ण शब्द 'था सगळा ने राम-राम' से किया। प्रधानमंत्री जी की भावना को हमें समझना चाहिए, उन्होंने वैसा ही किया जैसा साहित्य अकादेमी दिल्ली में विभिन्न भाषाओं के साहित्यकार अपनी-अपनी भाषाओं में प्रस्तुति देते हैं, वहां भी सबसे पहले वह एक शब्द या एक लाइन अपनी भाषा में कहते हैं उसके बाद हिंदी अथवा अंग्रेजी में अपनी प्रस्तुति दिया करते हैं। ठीक उसी प्रकार प्रधानमंत्री जी ने राजस्थानी भाषा से अपनी बात प्रारंभ की। अब प्रधानमंत्री जी को स्थानीय नेतागण राजस्थान के लोगों की भावना से अवगत कराए।

राजस्थान के नेताओं का वर्चस्व केंद्र की राजनीति में सर्वाधिक हैं। राजस्थान के नेताओं को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के लोगों पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर राजस्थान के लोगों को बिठाया हुआ हैं। और तो और अब भारतीय रिजर्व बैंक भी राजस्थानी के भरोसे कर दी। इतने भरोसेमंद लोगों की भाषा को मान्यता नहीं होना वहां की संस्कृति के साथ खिलवाड़ है। दिल्ली में बैठे राजस्थान के नेतागण आरबीआई के गवर्नर को साथ लेकर प्रधानमंत्री जी से मुलाकात कर उनसे अपनी प्रदेश की भाषा को मान्यता देने का आग्रह करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सकारात्मक निर्णय लेंगे। प्रधानमंत्री जी को बताना चाहिए कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्थानीय भाषाओं को महत्व दिया गया हैं। और फिर राजस्थान की संस्कृति का समृद्ध भंडार है, जो हजारों वर्षों में विकसित हुई है, यहां की कला, साहित्यिक कृतियां, प्रथाओं, परंपराओं, भाषाई अभिव्यक्तियां, कलाकृतियां, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में विस्तार से प्रधानमंत्री जी को बताना चाहिए। प्रधानमंत्रीजी जानते हैं कि उन्होंने राम-राम केवल उपस्थित लोगों को ही नहीं कर रहे, बल्कि दुनिया भर में बैठे मारवाड़ी मित्रों को भी राम-राम कर रहा हूँ। जब भी विदेश जाते हैं तो वहां उनको हमेशा राजस्थानी लोग जरूर मिलते हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री जी को देशनोक करणी माता जी के आशीर्वाद से राजस्थान की भाषा साहित्य एवं संस्कृति के बारे में विस्तार से परिचित कराएंगे तो निश्चित रूप से उनका दिया हुआ राम-राम राजस्थानी भाषा की मान्यता में तब्दील होगा। पिछले लंबे समय से केंद्र सरकार तक राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए विधिवत रूप से कोई मांग रखी ही नहीं जा रही है, मैं अनेक बार समाचार पत्रों के माध्यम से यह आग्रह करता रहा हूं कि हमारे प्रदेश के 35 सांसद एक साथ प्रधानमंत्री जी को आग्रह करें तो प्रधानमंत्री जी राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का विचार अवश्य करेंगे आखिर यह जिम्मेदारी किसकी है।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

भक्ति संगीत की दुनिया में स्वर साधक पंडित ओम व्यास ने अलग मुकाम बनाया

- **ओम व्यास ने सुप्रसिद्ध गीतकार पंडित भरत व्यास की छत्रछाया में स्वरसाधना की शुरुआत की थी**
- **उम्मीद जताई जा रही है कि संभवतः भारत सरकार भी उन्हें जल्द ही पद्मश्री से पुरस्कृत कर सकती है**

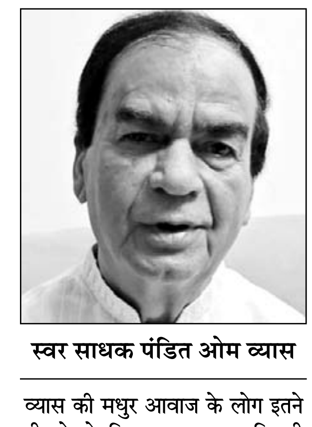

स्वर साधक पंडित ओम व्यास

डीडवाना, (नि.सं.)। कहा जाता है कि संगीत और कला सरहदों के परे होते हैं। संगीत व कला के फनकारों की कला के दीवाने किसी एक स्थान या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं होते, बल्कि वह पूरे जग में फैले होते हैं। ऐसे फनकारों के जब करोड़ों लोगों को दीवाने बनते हैं तो उसके पीछे उनकी वर्षों की मेहनत, लगन और समर्पण होता है, जिसके बदौलत वे बुलंदियों पर पहुंचते हैं। ऐसा ही एक नाम है, स्वर साधक पंडित ओम व्यास का, जिन्होंने अपनी स्वर साधना से भजनों की दुनिया में अपना एक अलग वर्चस्व कायम किया, बल्कि डीडवाना का भी नाम रोशन कर दिया।

गौरतलब है कि भारतीय गीत-संगीत में राजस्थानी स्वर, साधना और समर्पण का एक अनूठा इतिहास रहा है। देश की सांस्कृतिक परम्पराओं में राजस्थानी लोक गीतों का भी अभूतपूर्व योगदान रहा है। राणाकुंभा, हमीर हड़ग और मीरा की गायकी ने भारतीय संगीत को न केवल आध्यात्मिक स्वरुप दिया, बल्कि लोक चेतना की एक सशक्त परम्परा को भी स्थापित किया। उसी परंपरा के स्वरूप में राजस्थानी गीत-संगीत आज भी कायम है। उसी परंपरा में राजस्थान के डीडवाना की थार की धरती से निकले स्वरसाधक ओम व्यास आज भक्ति संगीत की दुनिया में एक जाना पहचाना नाम बन चुके है। बीते जमाने के सुप्रसिद्ध गीतकार पंडित भरत व्यास की छत्रछाया में व उनके पथ-प्रदर्शन में उन्होंने राजस्थानी गीतों के माध्यम से अपनी स्वरसाधना की शुरुआत की। आज यह साधना परवान चढ़ चुकी है। अपनी माता स्व. राधादेवी हरिशंकर व्यास के मुख से सुमधुर भजन सुन-सुन कर बचपन से ही इनमें संगीत गायन की जिज्ञासा जागृत हो गई थी। उस जमाने में जब हर कोई फिल्मों की चकाचौंध में अपना रुख फिल्मों की तरफ कर रहा था, तब इन्होंने अपनी अलग राह बनाई। भक्ति संगीत व लोक गीतों को अपनी एक अलग शैली और विशेष अंदाज में अपनाकर उसे जनमानस तक पहुंचाया। पंडित ओम व्यास की मधुर आवाज के लोग इतने दीवाने थे कि उनका प्रभाव फिल्मी दुनिया तक पहुंच गया। इसी कारण उन्हें फिल्मों में गाने और संगीत का मौका मिला। मगर एक-दो फिल्मों में काम और गीत गाने का मौका मिलने के बावजूद इनका मन और झुकाव भक्ति संगीत और भजनों पर ही रहा और फिर वे कभी फिल्मों के लिए गीत नहीं गा सके।

प्रख्यात संगीत कंपनी एच.एम.वी. (सारेगामा) द्वारा प्रस्तुत एल्बम "अर्चना" हिन्दी भजनों का कैसेट एवं पहला एल.पी. रिकॉर्ड है, जिसे ओम व्यास ने अपने सुरों से सजाया। यह एल्बम भक्ति गीतों में एक मील का पत्थर साबित हुआ। अर्चना इनका पहला एल.पी. रिकार्ड है, जो आज तक की ओम व्यास की गीत-संगीत यात्रा की ऐतिहासिक धरोहर है। यह संयोग है कि अर्चना भजन श्रृंखला के गीत स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज ने लिखे हैं, जिन्हें भारत सरकार ने पद्मभूषण से अलंकृत किया था। इसके अलावा दर्जनों भजन व भक्ति एल्बम से ओम व्यास ने जन जन में भक्ति भाव को जागृत किया। डीडवाना के बेटे ओम व्यास की इन उपलब्धियों और कामयाबी से उनके पैतृक शहर डीडवाना के लोग भी बेहद खुश और उत्साहित है। वहीं ओम व्यास भी संगीत की दुनिया में व्यस्त होने के बावजूद आज तक अपनी मिट्टी को नहीं भूले हैं। वे आज भी डीडवाना को याद करते हैं। उनका कहना है कि वह आज जिस मुकाम पर है उसके पीछे डीडवाना की धरती का ही कमाल है। आज भी ओम व्यास का डीडवाना से जुड़ाव है और वह समय-समय पर डीडवाना आते जाते हैं। पंडित ओम व्यास को भक्ति संगीत में विशेष योगदान और राजस्थानी लोक कला को बढ़ावा देने के उपलक्ष में अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। इसके अलावा कई संस्थाएं भी उन्हें पुरस्कृत कर चुकी है। अब उम्मीद जताई जा रही है कि संभवतः भारत सरकार भी उन्हें जल्द ही पद्मश्री से पुरस्कृत कर सकती है।

राशिफल

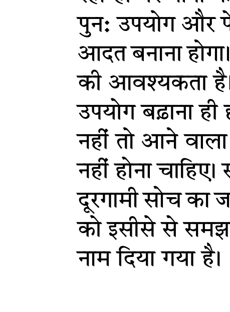

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 7 जून, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र प्रातः 9:40 तक, वारियान योग दिन 11:17 तक, बवकरण सायं 6:03 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

द्विपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 9:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 9:40 से सूर्योदय तक है। आज वन्जुलिनी महाद्वादशी व्रत, चंपक द्वादशी है। आज ईद उल जुहा (बकरीद) मु. है।

श्रेष्ठ चौघाड़िया: शुभ 7:18 से 9:01 तक, चर 12:25 से 2:08 तक, लाभ अमृत 2:08 से 5:32 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। कमर दर्द के कारण परेशानी हो सकती है।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर्स सहित मेडिकल छात्र गिरफ्तार

नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामला

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। इनमें डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर भी शामिल है और अन्य आरोपित मेडिकल छात्र है। जिसने परीक्षा पास करने के लिए साठ लाख रुपए में सौदा किया था। पुलिस फिलहाल पकड़े गए तीनों आरोपी डॉक्टर्स से पूछताछ कर रही है।

> ■ डॉक्टर सुभाष के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामले में कार्रवाई करते हुए डॉक्टर सुभाष सैनी (33) निवासी जैतपुरा चोमू, सचिन गोरा (22) और अजीत गोरा (30) निवासी लक्ष्मी विहार, कचौलिया चौमूं को गिरफ्तार किया है।आरोपित सचिन गोरा वर्तमान में एमबीबीएस फाइनल ईयर एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज का छात्र है।

जांच में सामने आया कि नीट परीक्षा में सचिन गोरा के जगह अजीत गोरा की फोटो लगाकर आवेदन किया गया था। सचिन गोरा के स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा में 667 अंक हासिल किए थे। इसके आधार पर सचिन गोरा का एमबीबीएस के लिए जोधपुर एम्स में दाखिला हो गया था। सचिन गोरा ने कभी नीट परीक्षा दी ही नहीं।

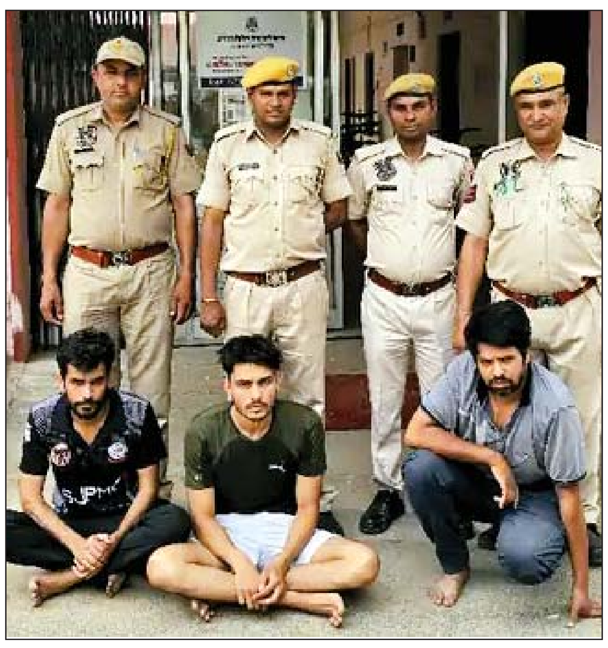

चौमूं पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एसीपी (चौमूं) अशोक चौहान ने बताया कि आरोपित सचिन गोरा ने साल-2020 में आयोजित नीट यूजी परीक्षा को पास करने के लिए डॉक्टर सुभाष सैनी से सम्पर्क किया। उस समय सुभाष सैनी आयु विज्ञान की डिग्री लेकर वर्तमान में कॉमन हेल्थ ऑफिसर के पद पर घाटवा में पदस्थापित है। डॉक्टर सुभाष सैनी के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया गया। सचिन की जगह परमिशन लेटर पर अजीत की फोटो लगाकर पास कराया गया। पूछताछ में सामने आया है कि साल-2013 में आरोपित सुभाष सैनी ने नीट पीजी में पास करवाने के एवज में 65 लाख रुपए लिए थे। करणी विहार थाना पुलिस ने साल-2013 में प्रकरण में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि चौमू निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया था। जहां जांच के दौरान पिछले 15 दिनों में कार्रवाई में एनटीए और संबंधित संस्थानों से रिकॉर्ड लिया गया था और परमिशन लेटर में भी सचिन की जगह अजीत के फोटो लगाकर एग्जाम देना सामने आया था। इसके अलावा जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज भरतपुर और एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज से भी आवश्यक रिकॉर्ड मांगा गया था। वहीं मामले के खुलासे में भरतपुर और जोधपुर पुलिस ने भी मदद की। जब जाकर इस मामले का खुलासा हो पाया।

थार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जयपुर। चाकसू थाना इलाके में नेशनल हाईवे-52 पर तेज रफ्तार थार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार उछलकर 200 मीटर दूर गिरा। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

बेकाबू होकर थार डिवाइडर पर चढ़ गई। थार का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि थार का आगे का हिस्सा क्षितग्रस्त हो गया। हादसा टिगरिया चौराहे पर हुआ था। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें थार की टक्कर से बाइक सवार उछलता नजर आ रहा है।

थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि बाइक सवार युवक चाकसू से मंडालिया रोड की तरफ जाने के लिए हाईवे क्रॉस कर रहा था। इस दौरान जयपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार दूर जाकर गिरा, जबकि थार बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई।

हादसे के बाद लोगों ने चाकसू पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक सवार को एंबुलेंस से उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हुई है। पुलिस ने थार को जब्त कर लिया है। चालक की तलाश कर रही है।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर सीएनजी गैस लीक से मची अफरा तफरी

बड़ा हादसा होने से टला

जयपुर। जयपुर-अजमेर हाईवे पर गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जहां भांकरोटा थाना इलाके में टोरेंट कंपनी के करियर ट्रक के मेन पाइप के टूटने से सीएनजी गैस लीक हो गई। सीएनजी गैस लीक होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ट्रक से सीएनजी गैस का रिसाव दस मिनट तक होता रहा। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को रुकवाया। वहीं समय रहते हाईवे से करियर ट्रक को बाईपास पर सुनसान जगह ले जाया गया। जहां सीएनजी गैस रिसाव रोकने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि हादसा गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि 1:15 बजे जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा में ओल्ड कार शोरूम के सामने हुआ था।

> ■ भांकरोटा थाना इलाके में टोरेंट कंपनी के करियर ट्रक के मेन पाइप के टूटने से सीएनजी गैस लीक हो गई। सीएनजी गैस लीक होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया

जहां सीएनजी गैस के सिलेंडरों से भरा एक ट्रक भांकरोटा की ओर जा रहा था। इसी दौरान कार शोरूम के सामने से जाते समय सिलेंडर का वॉल लीक हो गया। इससे सीएनजी गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव का पता चलने पर चालक ने तुरंत ट्रक को रोड किनारे रोक कर मामले की जानकारी पुलिस को दी। इधर पुलिस को सूचना देने के साथ ही हाईवे पर मौजूद अन्य ट्रक चालको की मदद से दोनों ओर का ट्रैफिक रोका गया। पुलिस सहित मौके पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर ट्रक में कई सारे सीएनजी गैस सिलेंडर भरे हुए मिले।

ट्रक ले जाते समय रास्ते में मेन पाइप टूटने से सीएनजी गैस लीकेज के चलते रिसाव हो रहा था। जहां चालक ने सूझबूझ के चलते कपड़े से गैस के लीकेज को कम करने का प्रयास किया। पुलिस व फायर बिग्रेड कर्मियों ने हाईवे से करियर ट्रक को बाईपास स्थित सुनसान जगह ले गए। वहां लीकेज पाइप लाइन को मशक्कत कर गैस रिसाव को रोका। इसके बाद पुलिस-प्रशासन सहित मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली गई। रिसाव से निकली सीएनजी गैस के हवा में आसनी से घुल जाने के कारण बड़ा हादसा होने से टल गया।

पीजी कोर्स के बाद डॉक्टर्स सेवाएं नहीं दे तो दस लाख रुपए करें अदा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज सहित अन्य अन्य मेडिकल कॉलेजों से पीजी कोर्स करने के बाद सीनियर रेजिडेंट शिप नहीं करने से जुडे मामले में राज्य सरकार को उनके मूल दस्तावेज लौटाने को कहा है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता राज्य सरकार को यह अंडरटेकिंग दें कि यदि वे एसआरशिप ज्वाइन नहीं करेंगे तो दस लाख रुपए की बॉन्ड राशि का भुगतान करेंगे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. सैयद शाबाज सहित करीब दो सौ से अधिक याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। वहीं अदालत ने राज्य सरकार की पुनर्विचार अर्जी को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मुद्दा खंडपीठ में लंबित चल रहा है। ऐसे में एकलपीठ इसमें आदेश पारित नहीं कर सकता।

याचिका में अधिवक्ता कुशाग्र शर्मा और पूर्व माथुर ने बताया कि पीजी कोर्स में प्रवेश के समय याचिकाकर्ताओं से दस लाख रुपए का बॉन्ड लिया जाता है कि यदि वे कोर्स के बाद दो साल तक राज्य सरकार को सेवा नहीं दें तो इस राशि का भुगतान राज्य सरकार के पक्ष में किया जाए। इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं से उनके मूल दस्तावेज भी जमा करा लिए जाते हैं। याचिका में कहा गया कि मूल दस्तावेज रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। वहीं नेशनल मेडिकल कमिशन ने भी इस दस्तावेज रोकने की कोई व्यवस्था नहीं दी है। इसके अलावा हाईकोर्ट की एकलपीठ पूर्व में भी दस्तावेज जारी करने के निर्देश दे चुका है।

सार-समाचार

राजस्थान हाई कोर्ट ने पोस्को की एफ.आई.आर. क्वेस (खत्म) करवाई

जयपुर। आमेर पुलिस थाने में परिवादिया ने एक एफ.आई.आर. सं. 552/2022 दिनांक 24/11/2022 को धारा 376 (2) (एन) 506 आई पी सी और 3,4,5 (प्रथम), 6, पोस्को और सैक्शन 66 डी, 67 आई. टी. एक्ट में दर्ज करवाई जिस पर अभियुक्त की जमानत राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर से एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल ने करवाई थी इसके बाद पुलिस ने जुर्म प्रमाणित मानते हुए स्पेशल पोस्को कोर्ट संख्या 2 जयपुर महानगर-द्वितीय जयपुर चलान पेश किया इसके बाद एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल फागी ने राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर में उक्त एफ.आई.आर. को खत्म करवाने के लिए 482 की कार्यवाही करी जिसमें राजस्थान हाई कोर्ट ने पोस्को कोर्ट की प्रोसेडिग को स्टे किया और उसके बाद एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल ने उक्त एफ.आई.आर. को राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर के न्यायाधिपति अनूप कुमार ढंड से विवाह के राजीनामे के आधार पर खत्म करवाई।

हाई मास्क लाइट का उद्घाटन

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड नंबर 31 के अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया रोड झोटवाड़ा थाना के पास हाई मार्क्स लाइट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं जोधपुर संभाग के प्रभारी विक्रम सिंह जी शेखावत के द्वारा साइन कल 7:00 बजे स्विच ऑन कर किया गया। उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद वार्ड नंबर 31 के पार्षद लादूराम जी दुलारिया के प्रयासों की उपस्थित सभी लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की इस अवसर पर पार्षद लियाकत अली ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन एवं उनकी कार्यकारिणी के सदस्य पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कैलाश शर्मा गुरुजी लक्ष्मण सिंह जी जोधा रामकुमार जी शर्मा मंजू शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस जनों ,वार्ड के निवासियों ने भाग लिया वार्ड नंबर 31 के पार्षद लादू राम दुलारिया जी ने उपस्थित सभी प्रबुद्ध जनों का मलयार्पण कर एवं सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

परिंदों के लिए परिण्डे बांधे

जयपुर। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन के बैंक कर्मचारी नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस व तारक दा जन्म शताब्दी अवसर पर राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाईज यूनियन के चेयरमैन आर जी शर्मा, सचिव महेश शर्मा, उप महासचिव सूरज भान सिंह आमेरा , एम एस भटेजा , रविदीप चतुर्वेदी , रवि कटारिया ,बनवारी लाल, दिलीप जादम पदाधिकारियों के साथ बैंक कर्मियों व महिला विंग संयोजक मेघा मलिक, शिखा बंसल के साथ विभिन्न बैंकों की महिला कर्मियों ने विजयाराजे सिन्धिया पार्क मानसरोवर में अशोक , पीपल व जामुन के पोधें लगाकर वृक्षारोपण किया, साथ ही पक्षियों के लिए दाना- पानी के परिण्डे बांधकर उनमें दाना डाला गया। लगाए गए पेड़ो की देख भाल सम्हाल के लिए पार्क के माली की सेवाएँ सुनिश्चित की गई। एआईबीईए के स्वर्गीय महासचिव तारकेश्वर चक्रवर्ती की जन्म शताब्दी वर्ष में पूरे वर्ष देश के सभी राज्यो में सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्यक्रम होंगे आमेरा ने बताया कि देश के बैंक कर्मियों का सबसे पुराना 20अप्रैल 1946 व सबसे बड़ा एकमात्र संगठन है जो बैंक व बैंकर्मियों की सुरक्षा , समृद्धि व संरक्षण के साथ साथ देश -दुनिया में प्राकृतिक आपदा सुनामी से बाढ़ भूकम्प में व कोविड से लेकर युद्ध काल तक में तन -मन-धन से सभी सामाजिक सरोकारों में अपनी राष्टवादी भूमिका पूरी शिद्दत से निभाता आया है।

'शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान नहीं करें मिटिंग,ना ही जारी करे कोई आदेश'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान से जुडे मामले में कहा है कि वह निर्वाचित प्रधान नहीं है और उन्हें राज्य सरकार ने इस पद का कार्यभार सौंपा है। ऐसे में वे कोई भी बैठक आहूत ना करें। वहीं अदालत ने किसी भी प्रकार का निर्णय भी नहीं लेने को कहा है। अदालत ने कहा है कि यदि नियम अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार प्रधान पद के लिए चुनाव आयोजित करा सकते हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन और अवकाशकालीन न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश मंजू देवी शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता शाहपुरा पंचायत समिति की वार्ड संख्या 15 से सदस्य निर्वाचित हुई थी। वहीं बाद में सभी वार्ड सदस्यों ने उसे प्रधान के रूप में चुना था। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने शाहपुरा नगर परिषद के क्षेत्र का विस्तार करते हुए इसमें याचिकाकर्ता के वार्ड को भी शामिल कर लिया। वहीं बाद में उसे यह कहते हुए वार्ड सदस्य पद से हटा दिया

> ■ अदालत ने कहा है कि यदि नियम अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार प्रधान पद के लिए चुनाव आयोजित करा सकते हैं

कि अब वार्ड का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। इसके बाद गत 15 मई को याचिकाकर्ता से प्रधान पद का कार्यभार लेकर उसे पंचायत समिति के वार्ड नंबर 9 की सदस्य पिस्ता देवी को सौंप दिया। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि उसका वार्ड सदस्य के रूप में अलग चुनाव हुआ था और बाद में प्रधान पद के लिए अलग से मतदान हुआ था। ऐसे में वार्ड का अस्तित्व समाप्त होने के आधार पर उसे प्रधान पद से नहीं हटाया जा सकता। इसलिए दूसरे वार्ड सदस्य को सौंपा गया कार्यभार का आदेश रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कार्यवाहक प्रधान को बैठक आहूत करने और किसी भी तरह का निर्णय लेने पर रोक लगा दी है।

सद्भावना के सिपाही संगठन की आम सभा आयोजित

जयपुर। सद्भावना के सिपाही संगठन की जयपुर जिला इकाई की आम सभा आयोजित कैलाश शर्मा (गुरूजी) अध्यक्ष और अजय सक्सेना कार्यकारी अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित सद्भावना और सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित सद्भावना के सिपाही संगठन की जयपुर जिला इकाई की आम सभा आज सादगी और उत्साह के साथ आयोजित की गई। संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा के नेतृत्व में संचालित इस संगठन की बैठक में विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। आम सभा में सर्वसम्मति से वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश शर्मा (गुरूजी) को जिला अध्यक्ष तथा एडवोकेट अजय सक्सेना को कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने संगठन के संस्थापक स्व. सुनील दत्त की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष कैलाश शर्मा (गुरूजी) एवं कार्यकारी अध्यक्ष अजय सक्सेना को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज में आपसी सद्भाव, सेवा और सकारात्मक बदलाव लाना है।

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन 25 से 27 जुलाई तक

जयपुर। विगत तीन वर्षों से जयपुर में डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता ने अपने म्यूजिकल मैचों की अनूठी संकल्पना के चलते अब तक बहुत सराहना बटोरी है।

डी एम पी एल के संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि सफलता के इसी क्रम को जारी रखते हुए इस वर्ष भी 25 से 27 जुलाई तक के चौथे संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में किया जाएगा। लीग चेयरमैन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग डॉक्टर्स द्वारा डॉक्टर्स के लिए आयोजित होने वाली अनोखी गायन प्रतियोगिता है, जहाँ दिन में चिकित्सकीय कौशल दिखाने वाले करीब 200 डॉक्टर्स शाम को अपने सुरों का कौशल दिखाएँगे।

लीग के चीफ कोऑर्डिनेटर डा. हरीश भारद्वाज ने बताया की प्रतियोगिता की रूपरेखा तय हो चुकी है, लीग में टीम इवेंट्स के अलावा व्यक्तिगत प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी जिसके अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों में एकल व युगल गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन 6 जुलाई को किया जाएगा।

प्रतियोगिता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ हर्षुल टाक व डॉ रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि, प्रतियोगिता में आठ फ्रेंचाइजी टीमें भाग ले रही हैं जो कि खुले ऑक्शन के माध्यम से डॉक्टर-गायकों का चयन कर अपनी-अपनी टीमें बनाएँगीं। टीमों का ऑक्शन 13 जुलाई को आयोजित किया जायेगा।

> ■ चौथे संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में किया जाएगा

आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ने जानकारी दी कि, पिछले साल की तरह इस बार भी का आयोजन जयपुर में झालाना स्थित, राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर में किया जायेगा। डॉ अनिल ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली आठ अस्पतालों की टीमें निम्न प्रकार होंगीं। टीम सीता देवी अस्पताल, कृष्णा, आँगन मेडिनोवा, निविक, पिंक स्टार, कार्डियो-बज़, सेवायतन व टीम ए एल सी एस - एस आर के अस्पताल। इस वर्ष नवाचार के तहत ओपन माइक इवेंट में स्टैंडअप कॉमेडी, शायरी व मिमिक्री आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे।

कृषक नवीन तकनीकी को अपनाकर वैज्ञानिक तरीके से करे खेती : राजन विशाल

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को जयपुर के बसेडी, बस्सी झाझडा, गुढा कुमावतान क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा संचालित हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा में कृषक अशोक निठारवाल के खेत पर स्थापित ग्रीन हाउस, फार्म पोण्ड , ड्रिप संयंत्र तथा अन्य उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।

> ■ शासन सचिव ने हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा क्षेत्र के चयनित कृषकों के साथ कृषक गोष्ठी का आयोजन कर किसानों से संवाद किया

शासन सचिव ने हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा क्षेत्र के चयनित कृषकों के साथ कृषक गोष्ठी का आयोजन कर किसानों से संवाद किया। कृषकों द्वारा उद्यानिकी विकास की गतिविधियों का लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा किसानों को ग्रीन हाउस में फसल विविधिकरण के तहत खीरा फसल के अलावा शिमला मिर्च, कटफ्लोवर (डचरोज), ब्लैकबेरी आदि फसले लेने हेतु प्रेरित किया गया ताकि किसानों को अधिक आर्थिक लाभ हो। गोष्ठी में किसानों से ग्रीन हाउस के आर्थिक मूल्यांकन पर भी चर्चा की गई।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने जयपुर के बसेडी, बस्सी झाझडा, गुढा कुमावतान क्षेत्रों का दौरा किया।

राजन विशाल ने कृषक भैरूराम थाकण द्वारा गर्मी में बोये गये खीरें के खेत एवं कटफ्लोवर (डचरोज) के खेत का भ्रमण किया तथा कटफ्लोवर (डचरोज) के विपणन के बारे में किसानों को स्थानीय होटल व्यवसायियों से सम्पर्क कर विपणन किये जाने की सलाह दी। कृषक भैरूराम थाकण, ग्राम बसेडी के खेत पर ही स्थापित पी.एम.कुसुम कम्पोनेन्ट 'बी' के तहत सौर उर्जा पम्प संयंत्र का निरीक्षण किया। शासन सचिव द्वारा सभी किसानों को संरक्षित खेती के तहत उत्तरोत्तर वृद्धि किये जाने हेतु उद्यानिकी की नवीनतम तकनीकी अपनाते हुये वैज्ञानिक तरीके से खेती किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। किसानों द्वारा डचरोज को लम्बे समय तक संरक्षित रखने हेतु कोल्ड स्टोरेज व रेफ्रीजरेटेड वैन पर अनुदान दिये जाने की मांग की गई। किसानों की मांग पर शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनान्तर्गत कोल्ड स्टोरेज व रेफ्रीजरेटेड वैन पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। अतः कृषक इस हेतु आवेदन कर अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते है ताकि कृषकों को डचरोज के विपणन में कोई असुविधा न हो। उक्त भ्रमण के दौरान संयुक्त निदेषक उद्यान प्रदीप कुमार अग्रवाल, संयुक्त निदेषक उद्यान (मु0) दानवीर वर्मा एवं उप निदेषक उद्यान दुर्गापुरा, जयपुर, हरलाल सिंह बिजारनियाँ उपस्थित रहे।

राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को धर-दबोचा

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को धर-दबोचा है। साथ ही पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित वारदात के दौरान रेंटल कारों का उपयोग करते है। पुलिस पूछताछ में अब तक आधा दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुके है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

> ■ पूछताछ में करधनी,मुरलीपुरा, करणी विहार सहित अन्य थाना इलाके में आधा दर्जन से अधिक लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना कबूला है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

उन्होंने पूछताछ में करधनी,मुरलीपुरा,करणी विहार सहित अन्य थाना इलाके में आधा दर्जन से अधिक लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना कबूला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित वारदात के लिए रेंटल पर गाड़ी लेते है और रात के समय गाडी में सवार होक सुनसान जगहों से गुजर रहे राहगीरों को पता पूछने के बहाने रूकवाकर उन्हें जबरन गाडी में बैठा कर उनके साथ मारपीट कर उनसे नकद राशि,आभूषण एवं मोबाइल सहित अन्य सामान लूट लेते है और साथ ही फोन पे के पासवर्ड प्राप्त कर खाते से जमा रुपये की अपने खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

एटीएम कार्ड बदलकर रकम उड़ाने वाली गैंग कर पर्दाफाश, दो जने गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 284 एटीएम कार्ड व कार जब्त की

- शातिर बदमाश वारदात अंजाम देने के लिए महंगी कार में घूम कर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में वारदात देते रहे
- गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयपुर के हस्तेड़ा थाना गोविंदगढ़ निवासी कपिल कुमावत उर्फ सोनू और चौमूं निवासी मनोज धानका हैं

अजमेर, (कासं)। एटीएम कार्ड बदलकर खातों से रकम उड़ाने वाली गैंग के दो शातिर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने गैंग पर्दाफाश करते हुए बताया कि शातिरों के पास से 284 एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। शातिर बदमाश वारदात अंजाम देने के लिए महंगी कार में घूम कर प्रदेश के अलग–अलग शहरों में वारदात देते रहे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है, अन्य वारदातें खुलने की उम्मीद पुलिस ने जताई है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्रिश्चियनगंज थाने के सीआई अरविंद चारण गैंग का पर्दाफाश करते हुए बताया कि शहर में एटीएम कार्ड बदलकर वारदात अंजाम देने वाली गैंग के जयपुर जिले के गोविंदगढ़ और चौमूं निवासी दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से अलग–अलग बैंकों के 284 एटीएम कार्ड और एक कार भी जब्त की है। पुलिस ने यह कार्रवाई गत दिनों थाना क्षेत्र में रहने वाले एक बुजुर्ग का कार्ड बदलकर राशि निकालने के मामले में इनकी तलाश की थी।

सीआई चारण ने बताया कि केरियों की ढाणी माकड़वाली निवासी भंवरलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 29 मई की शाम करीब सात बजे स्टीफन चौराहे के पास बीओबी के एटीएम बूथ पर रुपए निकालने गया था। वहां रुपए नहीं निकले, तब दो युवकों ने मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदल लिया और बाद में ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 75 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने शातिर बदमाशों की तलाश शुरू करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें संदिग्धों को पहचान कर मुखबिर की सूचना के आधार पर ऐसी घटनाएं करने वाले बदमाशों की सूची तैयार की गई। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर ही बदमाशों का सुराग लगा। पुलिस द्वारा लगातार बदमाशों पीछा किया गया और इनमें से एक को चौमूं से और दूसरे को श्रीमाधोपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयपुर के हस्तेड़ा थाना गोविंदगढ़ निवासी कपिल कुमावत उर्फ सोनू और चौमूं निवासी मनोज धानका हैं।

सीआई ने बताया कि बदमाश किराए पर टैक्सी कार बुक करके अलग–अलग शहरों में घूमाते रहते हैं। शहरों में एटीएम बूथों पर जाकर भोले–भाले लोगों को शिकार बनाते हैं। बूथ के अंदर जाकर यह ग्राहक का पासवर्ड देख लेते और रुपए नहीं निकलने पर मदद के बहाने कार्ड बदल लेते। मौके पर एक बार तो राशि निकाल कर दे देते हैं, लेकिन कार्ड बदलकर बाद में बड़ी रकम निकाल लेते हैं। इस रकम का उपयोग मौज मस्ती और महंगे शौक पूरे करने में खर्च कर देते हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अजमेर शहर सहित ब्यावर, भीनमाल, जालोर, उदयपुर, नीमराना अलवर, उदयपुरवाटी झुंझुनूं में एटीएम बदल कर धोखाधड़ी की वारदात अंजाम देना कबूल की है। आरोपियों से और घटनाओं का खुलासा होने की उम्मीद है।

बाइक में आग लगी, युवक जिंदा जला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में करंट लगने से बाइक समेत युवक जिंदा जल गया। युवक बाइक लेकर 31 बीबी गांव से निकल रहा था। इस दौरान अचानक उसकी बाइक फिसल गई और बिजली के पोल से टकरा गई। बिजली के पोल में कंरट आने से बाइक में आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद करवाई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। आग में युवक जिंदा जल गया। हादसे की सूचना पर गजसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका–मुआयना किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और युवक की पहचान करने के प्रयास में जुटी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक जैसे ही पोल के पास से गुजरा अचानक उसकी बाइक फिसल गई और पोल से टकरा गई। पोल में करंट होने के कारण युवक और बाइक करंट की चपेट में आ गया। बाइक में आग लगने से युवक जिंदा जल गया। युवक की पहचान नहीं हो पाई है, उसकी उम्र करीब 30 साल बताई जा रही है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि युवक सब्जी बेचने का काम करता था और रोजाना गांव में फेरी लगाने आता था। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में उसके बारे में जानकारी जुटा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के पोल में करंट आने की वजह शॉर्ट सर्किट या पोल की खराब वायरिंग है।

गबन का आरोपी गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह थाना पुलिस ने उचित मूल्य की दुकान से सरकारी गेंहू गबन के मामले में आरोपी राशन डीलर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम चौधरी ने बताया कि टोडारायसिंह थाने में दर्ज आवश्यक वस्तु अधिनियम में वांछित राशन की दुकान से 11083 किलोग्राम सरकारी गेंहू के गबन के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुये आरोपी राशन डीलर पुखराज पुत्र श्रवण लाल बैरवा निवासी सालग्यावास टोडारायसिंह को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर

क्रमांकः– विकास/उत्तर/द्वितीय/2025–26/927 दिनांकः– 30.05.2025

:: अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या ::
(UB NO. DLB2526WSOB06550)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम, जोधपुर उत्तर — आयुक्त, नगर निगम, जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/25/3786

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 571 Date: 30-05-2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 11/2025-26

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project PMKSY2.0 Block-Todabhim of estimated value INR 22.66 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 09-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526WSRC00352
UBN NO-WSC2526A0204

Superitending Engineer and Project Manger WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/7254/2025

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड

कैफे संचालक सहित दो नाबालिगों की जमानत खारिज

अजमेर, (कासं)। ब्यावर जिले के बिजयनगर में हुए रेप ब्लैकमेल कांड मामले में शुक्रवार को पॉक्सो कोर्ट ने कैफे संचालक सहित दो नाबालिग आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। जानकारी के अनुसार कैफे पर बच्चियों के साथ हैवानियत हुई थी। इससे पूर्व चार जून को मुख्य आरोपी पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी की भी जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। मामले में बिजयनगर थाना पुलिस ने 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 11 बालिग और 5 नाबालिग है।

सरकारी वकील प्रशांत यादव ने बताया कि बिजयनगर रेप ब्लैकमेल कांड मामले में शुक्रवार को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में 3 आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मामले में आरोपी कैफे संचालक श्रवण जाट सहित दो नाबालिगों ने जमानत याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीनों की अर्जी को खारिज कर दी है। यादव ने बताया कि पीड़िताओं से कैफे में रेप की वारदात हुई थी। कैफे संचालक श्रवण कुमार आरोपियों के संपर्क में था। ये जानते हुए कि आरोपी नाबालिग पीड़िताओं को गलत काम के लिए कैफे लेकर आए हैं, उन्हें रोका नहीं और पैसे लेकर कैफे में शरण दी। वारदात के दौरान आरोपी श्रवण कुमार भी कैफे पर ही मौजूद था। मामला सामने आने के बाद कैफे संचालक भाग गया, जिसे कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब आरोपी कैफे संचालक ने जमानत याचिका कोर्ट में पेश की थी। इस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। सरकारी वकील ने कहा कि कोर्ट के सामने हमने अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पारिवारिक विवाद में बहनोई की चाकू मारकर हत्या

- हमले में बहनोई का चचेरा भाई घायल, घटना के बाद आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र सेक्टर 14 में गुरूवार की रात में एक ज्यूस की दुकान के पास में दो सालों ने मिलकर अपने बहनोई और उसके चचेरे भाई पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बुरी तरह घायल बहनोई की रात एक बजे मौत हो गई। वहीं उसका चचेरा भाई अस्पताल में भर्ती है। इधर घटना के बाद आरोपी सालें मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस रातभर छापेमारी करती रही। हमले का कारण आरंभिक तौर पर पारिवारिक विवाद बताया जाता है। पुलिस ने मामले से जुड़े कुछ संदिग्ध को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं शुक्रवार सुबह शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। देर रात इस बारे में घायल के पर्चा बयान पर केस दर्ज कर लिया गया था।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानाधिकारी ईश्वरचंद पारिक ने बताया कि रात में सूचना मिली कि सेक्टर 14 के पास में चाकूबाजी हुई है। इस पर पुलिस तत्काल वहां पहुंची। जहां पर दो घायलों नुमान और रफीक को जनसहयोग से अस्पताल भिजवाया गया। थानाधिकारी पारिक के अनुसार नुमान और उसके दो सालों फिरोज एवं समीर के साथ एक अन्य व्यक्ति ने यह हमला किया था। इनकी तलाश की जा रही है। आरंभिक पड़ताल में इनके बीच में कोई पारिवारिक विवद सामने आ रहा है। फिलहाल इस बारे में पूर्ण पता लगाया जा रहा है। हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगाई गई है। नुमान को गंभीर घाव लगे थे, जिसकी बाद एक बजे मौत हो गई। थानाधिकारी पारिक के अनुसार कुछ संदिग्ध को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय, अधीक्षण अभियंता पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशैड सेल कम डाटा सेन्टर जिला-कोटपूतली-बहरोड

E-mail:-sewdsc.kot.behror@rajasthan.gov.in

क्रमांक-417-427 दिनांक-29-5-2025

ई-निवदा सूचना सं-03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 के अन्तर्गत जिला कोटपूतली बहरोड के 01 ब्लॉक में एनिकट, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शाफ्ट, जोहड/तालाब रिनोवशन, अद्धर्न चैक डैम, एमपीटी, परकोलेशन टेंक, सब सरफेस बैरियर, संकन पोण्ड तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 अन्तर्गत 02 ब्लॉक में अमृत सरोवर, ट्यूबवेल रिचार्ज, एनिकट आदि काय इत्यादि के अंतर्गत करवाए जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्य हेतु जिला कोटपूतली-बहरोड में स्वीकृत कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई क्षेत्र विकास एवं केन्द्रीय सरकार के अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण "https://eproc.rajasthan.gov.in", "https://sppp.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेबसाईट "www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।

NIB code:- WSC2526A0200

UBN	ऑनलाईन फार्म डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक
WSC2526WSOB00344 WSC2526WSOB00345 WSC2526WSOB00346 WSC2526WSOB00347	दिनांक 30.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से 08.06.2025 सायं 06 बजे तक	दिनांक 09.06.2025 प्रातः 11 बजे

(हरिमोहन बैरवा)
अधीक्षण अभियन्ता पदेन
परियोजना प्रबन्धक (डब्ल्यू. सी.डी.सी.) कोटपूतली-बहरोड

DIPR/C/7234/2025

उदयपुर : आबादी इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट दिखा

उदयपुर, (कासं)। शहर के आबादी इलाके में शुक्रवार सुबह एक लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया। इसके बाद से आसपास के लोग डरे हुए हैं। लोगों का कहना है कि लेपर्ड पटरी पार कर राणा प्रताप स्टेशन की तरफ भागा है।

शहर के ओस्तवाल नगर के एक निवासी के अनुसार सुबह करीब साढ़े छह बजे रसोई के पीछे कुछ आवाज आ रही थी। जब रसोई की खिड़की से बाहर की तरफ देखा तो झाड़ियों में लेपर्ड छिपा हुआ था। इस पर आसपास के लोगों को आवाज देकर बुलाया, लेकिन तब तक लेपर्ड वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि जहां लेपर्ड दिखा वहां से कुछ दूरी पर रेलवे ट्रैक है और पास में एक फैक्टरी है जो बंद पड़ी है। लोगों की आवाज सुनकर लेपर्ड पटरी पार कर स्टेशन की तरफ भाग गया। लोगों ने बताया कि सूचना पर वन विभाग की टीम भी यहां सुबह आठ बजे आई, लेकिन वे थोड़ी देर यहां रुके और मौका देखा। लोगों का कहना है कि टीम लेपर्ड यहां से रेलवे स्टेशन की तरफ चला गया कहकर चली गई जबकि लेपर्ड के मूवमेंट को देखकर पीछे फैक्टरी और रेलवे स्टेशन की तरफ पूरा चेक करना था। लोगों ने बताया कि कॉलोनी में बच्चे भी बाहर की तरफ खेलते हैं और लोग वॉक भी करते हैं, लेपर्ड के मूमवेंट से दशहत हो गई है।

डिजिटल करेंसी में इन्वेस्ट के नाम पर 57.55 लाख की ठगी

- महिला से दुकानदार की पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर बिजली घर के पीछे रहने वाले एक दुकानदार को महिला ने डिजिटल करेंसी में मोटे मुनाफे का लालच देकर 57. 55 लाख की ठगी कर डाली। महिला से उसकी पहचान इंस्टाग्राम पर हुई फिर व्हाट्सअप कॉल करने लगी। इसके बाद वह उसे झांसे में लेती गई और ठगी का शिकार बना डाला। पीड़ित ने अब प्रतापनगर सदर थाने में इस बाबत केस दर्ज करवाया है। पीड़ित बिजली कार्य की दुकान चलाता है।

थाने के सबइंस्पेक्टर देवाराम ने बताया कि इसमें प्रतापनगर बिजलीघर के पीछे रहने वाले हरिश कुमार पुत्र जेसाराम जीनगर ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह दुकानदारी करता है। उसके मोबाइल पर इंस्टाग्राम पर एक महिला सेजल अग्रवाल से पहचान हो गई थी। बाद में सेजल ने उसे डिजिटल करेंसी में इंवेस्ट करने पर बड़े मुनाफे की बात की थी। जिस पर हरिश कुमार ने 16 अप्रैल को पहली बार 14 हजार रूपए इन्वेस्ट किए थे, जिसके बदले में उसे तत्काल दो हजार का मुनाफा यानी 16 हजार रूपए दिए गए। इन रूपयों को उसने खाते से निकाल भी लिए। मगर बाद में सेजल ने उसे ज्यादा पैसे लगाने के लिए उत्प्रेरित किया और कहा कि ज्यादा लगाने पर ज्यादा मुनाफा होगा। इसके बाद वह 28 मई तक पैसे लगाता गया और कुल 57 लाख 55 हजार 491 रूपए लगा दिए। इतनी बड़ी रकम के बारे में पीड़ित हरिश कुमार ने बताया कि उसका मकान बिकने पर 25 लाख रूपए आए थे, बाकी वह उधार और इधर उधर से करके लाया था। आरोपी महिला सेजल अठावाल के साथ एक अन्य व्यक्ति भी इस फ्रॉड में शामिल है। सेजल खाता संख्या भेजती रहती थी। आखिर में जब रूपए लौटाने की बात आई तो आरोपियों ने कहा कि वे 17 लाख रूपए खाते में डालेगा तो उसे रकम मिल पाएगी। एसआई देवाराम ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है।

हज यात्रा कराने के नाम पर ठगी

जोधपुर, (कासं)। देवनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने परिवार के तीन सदस्यों को हज यात्रा करवाने के नाम पर रूपए ऐंठ लिए, मगर उसने हज यात्रा नहीं करवाई। रूपए वापिस मांगे जाने पर कुछ रूपए लौटाए, मगर बाकी रकम लौटाने से मना कर दिया। पीड़ित ने देवनगर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि शांतिप्रिय नगर पाल लिंक रोड निवासी कबीर अहमद पुत्र अब्दुल अजीज ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह दस दुकान के पीछे चौपासनी रोड पर अब्दुल मजीद नाम के शख्स से मिला था। अब्दुल मजीद ने कहा कि वह हज यात्रा करवा सकता है। इस पर परिवादी कबीर अहमद ने खुद की, पत्नी और बेटी की हज यात्रा के बारे में बात की थी। 31 जनवरी 2025 से 2 फरवरी 2025 तक हज यात्रा कराने के नाम पर उससे 1.58 लाख रूपए लिए गए।

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांकःन.प.दौ./2025/1217 दिनांक 04.06.2025

ई–निविदा सूचना

नगर परिषद दौसा द्वारा परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर परिषद एवं इस कार्यालय से सम्बन्धित विभाग (अभियान्त्रिकी, स्वायत्त शासन विभाग) में पंजीकृत संवेदकों के अलावा अन्य विभाग के उपयुक्त श्रेंणी में पंजीकृत संवेदकों से (पंजीकरण नियम Appendix XVI Rule 334 के सेक्शन II के अनुसार) निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in व http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यो की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
06	04.06.2025	14.06.2024 को 6:00 पीएम तक	16.06.2025 11:00 एएम तक	16.6.2025 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526WSOB06810, DLB2526WSOB06811, DLB2526WSOB06812, DLB2526WSOB06813, DLB2526WSOB06815, DLB2526WSOB06818

राज.संवाद/सी/25/3759 — आयुक्त, नगर परिषद, दौसा

RAJASTHAN MEDICAL SERVICES CORPORATION LTD.

(A Govt. of Rajasthan Undertaking), Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-302005, India, Phone No: 0141-2228066, 2228064, Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in, CIN : U24232RJ2011SGCO35067, E-mail : edpssrmsc@rajasthan.gov.in

Ref No. : F.02(192)/RMSCL/Proc./S&S (MD)/NIB-05/2025/317 Dated :- 28/05/2025

Notice Inviting E-Bids

E-bids for rate contract cum empanelment for supply of following items are invited from eligible bidders:-

S. No.	Item Name/Description	Ref. No.	UBN	Estimated Value in Rs.	Last Time & Last date for bid submission
1.	Surgical And Suture Items	F.02 (192)/RMSCL/Proc./S&S (MD)/NIB-05/2025/ Dated :- 28/05/2025	MSC2526GLRC00009	2.13 Cr.	26.06.2025 Up to 6.00 PM

Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://rmsc.health.rajasthan.gov.in and may be downloaded from there.

Executive Director (Procurement) RMSCL

Raj.Samwad/C/25/3752

बैंक मैनेजर से 28.77 लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। शातिर ठगों ने कार्गो मोटर्स राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी बनकर एचडीएफसी बैंक के ब्रांच मैनेजर के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दे डाला। ठगों ने तीन ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 28 लाख 77 हजार रुपए खाते से उड़ा लिए। पीड़ित ने सायबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सायबर थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूचना केंद्र एचडीएफसी बैंक केंद्रीय ब्रांच में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत अभिषेक माहेश्वरी ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर कॉल आया था। कॉलर ने कार्गो मोटर राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चेक बुक समाप्त होने और कंपनी के लेटर पैड पर राशि ट्रांजैक्शन का ई–मेल प्राप्त होने की जानकारी दी थी। पीड़ित ने बताया कि बैंक का मेल चेक करने पर कंपनी के लेटर पैड पर कंपनी के डायरेक्टर के सिग्नेचर मिलान होने या कंपनी के पूर्व रिकॉर्ड के आधार पर तीन ट्रांजैक्शन के जरिए 28.77 लाख का ट्रांजैक्शन कर दिया, लेकिन कंपनी का ओरिजिनल लेटर पैड प्राप्त नहीं हुआ और कंपनी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। उन्होंने किसी भी प्रकार के लेनदेन की जानकारी होने से मना कर दिया।

बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

- चोरी की तीन बाइक जब्त, बदमाश चोरी की बाइक को पांच हजार में कबाड़ी को बेच देते थे

पाली, (निसं)। पाली में पुलिस ने बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की तीन बाइक भी जब्त की है। ये बदमाश चोरी के बाद बाइक को पांच हजार रूपए में कबाड़ी को बेच देते थे। फिर कबाड़ी पूरी गाड़ी को खोलकर सभी पार्ट्स अलग अलग करके बेचता था।

एसपी चुनाराम जाट ने बताया कि पाली के ट्रांसपोर्ट नगर थाने में 2 जून को श्यामलाल ने रिपोर्ट दी थी, जिसमें बताया कि उसका भाई नया गांव क्षेत्र में एक सैलून पर बाल कटवाने गया था। कुछ देर बाद वापस लौटा तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की। जांच के दौरान फुटेज की मदद से चोरों को लेकर सुराग लगा। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए बाइक चोरी के आरोपी पाली जिले के दूदौड़ (मारवाड़ जंक्शन) निवासी 24 साल के भीमाराम पुत्र जीवाराम, मारवाड़ जंक्शन के मुक्तिधाम के पास माली मोहल्ला में रहने वाले 27 साल के पुखराज उर्फ पपिया पुत्र जसाराम को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ के आधार पर कबाड़ी का काम करने वाले मारवाड़ जंक्शन के ही महावीर नगर निवासी 31 साल के सुनील पुत्र कानाराम को गिरफ्तार किया।

50 बुलेट बाइकों के मोडीफाई साईलेंसर खोले

सादुलपुर, (निसं)। पुलिस थाना राजगढ़ के सीआई राजेश कुमार सिहाग, एएसपी किशोरीलाल एवं आईपीएस अधिकारी निश्चय प्रसाद एम के नेतृत्व में राजगढ़ थाना पुलिस ने 50 बुलेट मोटरसाईकिलों के साईलेंसर हटवाये। सीआई राजेश कुमार सिहाग ने कहा कि स्कूल, कॉलेज के आगे एवं बाजार में बुलेट मोटरसाईकिलों से पटाखे जैसे आवाजें निकालने की आए दिन शिकायतें मिल रही थी, जिनमें कुछ आवारा किस्म के लोग जो बुलेट मोटरसाइकिलों के साईलेंसर मोडीफाई करवाकर स्कूल से छुट्टियां होती है तब बच्चों के आगे दौड़ना या बाजार में बड़ी स्पीड से पटाखे बजाना जैसी शिकायतें मिल रही थी। अभियान के दौरान करीबन 50 बुलेट मोटरसाइकिलों के साईलेंसर खोल चुके हैं और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कार्यालय नगर विकास न्यास जैसलमेर

क्रमांक :- नविन्यास/लेखा/जैसल/2025-26/2632 दिनांक :- 05/06/2025

निविदा सूचना संख्या अभियांत्रिकी/02/2025-26

नगर विकास न्यास, जैसलमेर की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत व अन्य विभागों में "ए", "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से दो कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनके UBN No. UJS2526WSOB00003 & UJS2526WSOB00004 है। निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्ते इत्यादि वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

सचिव, नगर विकास न्यास, जैसलमेर

राज.संवाद/सी/25/3769

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांक : निविजा/2025–26/ई –10 दिनांक :– 04.06.2025

(ई–भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या – ई 10/2025–26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राषि रु0 110.60 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 05.06.2025 एवं अंतिम तिथि 16.06.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 17.06.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00038

राज.संवाद/सी/25/3777 — अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बर: (0141) 2227938, 2227710, 2227715, फैक्स: (0141)2227360, 2227761 Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 05/06/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
RSMM/SBU&PC-Lignite/ GGM(Lignite)/Cont-06/ 2025-26 dated 04.06.2025 UBN No. MML2526SLOB00030	एसबीयू एवं पीसी लिग्नाईट, जयपुर (राजस्थान) में पेशेवर विशेषज्ञों (सीए/सीएमए फर्म) के माध्यम से वित एवं लेखा सेवाओं का कार्य। अनुमानित मूल्य (रू.) 15.60 लाख धरोहर राशि (रू.) – 31,200/–, निविदा राशि– 1180/– जी.एस.टी. सहित।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी–कॉन्ट्रेक्ट) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/3722 — उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

गंगा अपार्टमेंट, सेक्टर-26, फेज-II प्रताप नगर, जयपुर RAJ/P/2025/3491
गुलमोहर अपार्टमेंट, विलेज-सुखालपुरा, सेक्टर-05, रजतपथ, मानसरोवर, जयपुर RAJ/P/2025/3696
लाखेरी, फेज-III, डिस्ट्रिक्ट -बूंदी RAJ/P/2023/2406
हाउसिंग स्कीम, फेज -II, सेक्टर -4, धौलपुर RAJ/P/2023/2354
हाउसिंग स्कीम, फेज -II, सेक्टर -5, धौलपुर RAJ/P/2023/2362

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

जो कल तक था सपना, आज बन सकता है अपना

अब केवल 5 दिन शेष !

राजस्थान आवासन मण्डल की 5 नई योजनाओं में आवेदन का अंतिम अवसर

« मूलभूत सुविधाएँ शामिल »

आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून 2025

पानी की सुविधा | बिजली की व्यवस्था | सुसंगठित सड़कें | सीवर प्रणाली | पार्किंग | हरित पार्क एवं ओपन स्पेस

आवेदन ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से

जयपुर — गंगा अपार्टमेंट फेज-2, सेक्टर-26, प्रताप नगर, स्ववित्त पोषित (SFS) आय वर्ग: HIG (S+10)
जयपुर — गुलमोहर अपार्टमेंट, सेक्टर-05, मानसरोवर, स्ववित्त पोषित (SFS) आय वर्ग: HIG (B+S+5) डबल पार्किंग
बारां — गजनपुरा आवासीय योजना (स्वंतत्र आवास) विशिष्ट पंजीकरण योजना (SRS) आय वर्ग: Gharonda, MIG-A, MIG-B, HIG
बूंदी — लाखेरी आवासीय योजना (स्वतंत्र आवास) विशिष्ट पंजीकरण योजना (SRS) आय वर्ग: HIG, MIG-A, MIG-B
धौलपुर — बाड़ी रोड आवासीय योजना (स्वतंत्र आवास) स्ववित्त पोषित (SFS) आय वर्ग: MIG-B, HIG

« बुकलेट के लिए स्कैन करें »
Ganga Apartment | Gulmohar Apartment | Gajanpura House Scheme | Lakheri House Seceme | Badi Road Sector-04/05 Scheme

विस्तृत विवरण एवं ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरांत: 9461054291 / 92 / 319 एवं 9460254319, 6376868696 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन: 9828363615 से संपर्क करें।

आवासन आयुक्त

राज.सवांद/सी/25/3797

निर्जला एकादशी पर वंदे गंगा जल सेवा की

वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत हुआ आयोजन

निर्जला एकादशी के अवसर पर जयपुर जिले में वंदे गंगा जल सेवा का आयोजन किया गया।

■ मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने माधोराजपुरा में लिया जल संरक्षण कार्यों का जायजा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में निर्जला एकादशी के अवसर पर जयपुर जिले में वंदे गंगा जल सेवा का आयोजन किया गया। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के दूसरे दिन आयोजित वंदे गंगा जल सेवा के तहत जयपुर शहर के विभिन्न स्थानों के अतिरिक्त समस्त उपखंडों में विभागों, भामाशाहों, स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के सहयोग से आमजन को जल सेवा से लाभांवित किया गया।

इस दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड, कृषि उपज मंडी सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आमजन को जल के साथ-साथ शीतल पेय भी मुहैया करवाया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न जल स्त्रोतों पर श्रमदान का आयोजन किया गया। इस दौरान जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई की गई।

मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने लिया विकास कार्यो का जायजा

वहीं, माधोराजपुरा उपखंड में मीडिया प्रतिनिधियों ने जल संरक्षण कार्यों का जायजा लिया। विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायत हरसुलिया के किशनपुरा गांव में फार्म पौंड योजना के तहत निर्मित फार्म पौंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उपखंड अधिकारी माधोराजपुरा राजेश मीणा ने मीडिया संस्थानों प्रतिनिधियों को प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना की जानकारी दी। इसके बाद जानकीनाथपुरा में संकन पोंड का अवलोकन किया गया इस दौरान मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत पौधारोपण किया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत गोहंदी में आयोजित कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी राजेश मीणा ने पत्रकारगणों को उपखंड में विकास कार्यों एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की जानकारी प्रदान की।

चोरी हुआ एनएस कंपनी का लोडिंग वाहन चित्रकूट इलाके में छुपाया

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने श्याम नगर थाना इलाके में वाहन चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी हुए एनएस कंपनी का लोडिंग वाहन बरामद किया है। वहीं लोडिंग वाहन चुराने वाले वांछित चोरों की तलाश की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त अपराध कुन्दन कंवारिया ने बताया कि सीएसटी ने श्याम नगर थाना इलाके में वाहन चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी हुए एक जून को चोरी हुआ एनएस कंपनी का लोडिंग वाहन चित्रकूट इलाके के टैगोर नगर में मिला। जिसे सीएसटी की टीम सीसीटीवी कैमरे को चेक करते हुए पहुंची। पुलिस ने लोडिंग वाहन को जब्त कर वाहन चोरों की तलाश कर रही है।

महेश जोशी की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 जून तक बढ़ी

■ पीठासीन अधिकारी ने वकीलों सहित सभी को बाहर निकालकर महेश जोशी से आधा घंटा बात की।

■ वकीलों के अनुसार, पीठासीन अधिकारी ने जेलर को फोन करके महेश जोशी के लिये अलग व्यवस्था करने को कहा।

जयपुर, 6 जून। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने जल जीवन मिशन में घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी की न्यायिक अभिरक्षा की अवधि को 13 जून तक बढ़ा दिया है। इसी दिन जोशी की जमानत अर्जी पर भी बहस होनी है।

सुनवाई के दौरान शुक्रवार को महेश जोशी को न्यायिक अभिरक्षा से पेश किया गया। इस दौरान पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने अदालत में सभी वकीलों सहित अदालत में मौजूद लोगों को बाहर निकाल दिया करीब आधा घंटे तक जोशी से अकेले में बातचीत की। कोर्ट में उपस्थित वकीलों ने दावा किया है कि इसके बाद पीठासीन अधिकारी ने डायस से ही जेलर को फोन कर महेश जोशी के लिए जेल में अलग से व्यवस्था करने को कहा।

गौरतलब है कि गत सुनवाई में अदालत ने मौखिक रूप से ईडी से सवाल जवाब किए थे। अदालत ने मामले के अनुसंधान अधिकारी से पूछा था कि गवाहों के बयानों के दौरान उनकी वीडियोग्राफी क्यों नहीं की गई। इस पर जांच अधिकारी ने रिकॉर्ड देखकर जवाब देने के लिए अदालत से समय मांगा था। इस पर अदालत ने जमानत अर्जी पर 13 जून तक सुनवाई टाल दी थी। ज्ञातव्य है कि जल जीवन मिशन घोटाले में मामला दर्ज होने के बाद ईडी ने महेश जोशी को गिरफ्तार किया था। इस दौरान जोशी की पत्नी के निधन होने के चलते कोर्ट ने उन्हें दो बार अंतरिम जमानत दी थी।

बाइक चुराने वाला वाहन चोर नफीस गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन (बाइक) चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर नफीस (27) निवासी गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी की एक बाइक भी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

ई-रिक्शा चुराने वाले दो आरोपित गिरफ्तार : वहीं गलता गेट थाना पुलिस ने दूसरी कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा चुराने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से एक चोरी का ई-रिक्शा भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी उदय सिंह ने बताया कि ई-रिक्शा चुराने वाले रफीक निवासी भट्टा बस्ती और मोहम्मद निराला उर्फ छोटिया निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चुराया गया ई-रिक्शा बरामद किया है।

दोनों आरोपितों के खिलाफ कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। वहीं पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले दो बालअपचारियोंको निरुद्ध किया गया है। जिनके पास से चोरी की दो एक्टिवा भी जब्त की है।

निरुद्ध बाल अपचारी आदतन आपराधिक प्रवृत्ति के है। जिनकों पूर्व में भी अन्य थानों में चोरी के मामलों में निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भिजवा दिया गया था।

जागृति, संवाद एवं डॉन विषयों पर कार्यशाला एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

जयपुर, 06 जून। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जयपुर महानगर-प्रथम के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के द्वारा चलाई जा रही जागृति, डॉन व आशा योजनाओं के संबंध में कार्यशाला एवं मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार जीनवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम, कुंतल विश्नोई एडीएम 03, बृजमोहन मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण, बबीता राजावत सहायक निदेशक शिक्षा विभाग, श्रीमान बी.पी चंदेल संयुक्त निदेशक समाज कल्याण विभाग, अनिता मुवाल सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग, इंदिरा शर्मा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी व अन्य सदस्यगण उपस्थित रहें। इस दौरान पवन जीनवाल द्वारा माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में चलाई जा रही जागृति (जस्टिस अवेयरनेस फॉर ग्रासरूट इनफार्मेशन एण्ड ट्रांसपेरेन्सी इन्सिएटिव), डॉन (ड्रग एवेयरनेस एण्ड वैलनेस नेविगेशन), आशा (जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्यवाही) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर, 2025 आदि के विषय में जानकारी दी।

ट्रक की टक्कर से बिजली का पोल गिरा

जयपुर। मालपुरा थाना इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बेकाबू होकर बिजली के पोल को टक्कर मार दी। इससे बिजली का पोल एक बाइक पर गिर गया। बिजली के पोल से उठी चिंगारी से बाइक ने आग पकड़ ली। आग से बाइक पूरी तरह से जल गई। हादसे में बाइक चालक बाल-बाल बच गया। बाइक चालक समय रहते गाडी को छोड़कर दूर चला गया। पुलिस के अनुसार खटीकों का मोहल्ला निवासी गोरधन खटीक ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाइक के साथ मोहल्ले में खड़ा था इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक आता दिखा। ट्रक ने बेकाबू होकर बिजली के पोल को टक्कर मार दी। यह देखकर वह बाइक को छोड़कर दूर भाग निकला। बिजली का पोल बाइक के पास आकर गिरा। पोल से उठी चिंगारी से बाइक ने आग पकड़ ली।

दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर को पकडा

जयपुर। भट्टा बस्ती और जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर(डीएसटी)ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन(स्कूटी) चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को पकडा है और उसके पास से चोरी की एक स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस जांच में जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने का आदि है और नशा पूर्ति के लिए दुपहिया वाहन चोरी करता है। जिसने कई थाना इलाके से आधा दर्जन से अधिक वाहन चोरी करने की वारदातों को अंजाम दिया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि भट्टा बस्ती और जयपुर उत्तर डीएसटीने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन(स्कूटी) चुराने वाले शातिर वाहन चोर बीस वर्षीय साहिल उर्फ घोचू निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया है।

चंडीगढ़ में उत्तर क्षेत्रीय राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन

■ पिट हैड के स्थान पर राज्य में ही थर्मल प्लांट को करें अनुमत : ऊर्जा मंत्री

जयपुर, 6 जून। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर शुक्रवार को चंडीगढ़ में उत्तर क्षेत्रीय राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में सम्मिलित हुए। केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में ऊर्जा मंत्री ने राज्य से संबंधित विषयों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने आग्रह किया कि कोयला स्त्रोतों से 1 हजार किलोमीटर से अधिक दूरी होने की स्थिति में पिट हैड पर ही थर्मल प्लांट लगाने की अनिवार्यता पर पुनर्विचार करते हुए संयुक्त उद्यम के तहत छबड़ा एवं कालीसिंध में 3200 मेगावाट के थर्मल प्लांट लगाने की अनुमति प्रदान की जाए।

नागर ने प्रस्तावित 1 हजार मेगावाट की बैटरी स्टोरेज परियोजना के अतिरिक्त 5 हजार मेगावाट की बैटरी स्टोरेज योजना के लिए केन्द्रीय सहायता प्रदान करने की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक लगभग 90 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की अधिकतम मांग 26.5 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। इस अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए 18.5 गीगावाट क्षमता के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित करने की आवश्यकता है। जिसे प्रतिवर्ष 5 हजार मेगावाट बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता जोड़कर प्राप्त किया जा सकता है। ऐसे में प्रतिवर्ष 5 हजार मेगावाट स्टोरेज क्षमता विकसित करने के लिए भारत सरकार राज्य को वीजीएफ समर्थन प्रदान करे ताकि प्रदेश के बैटरी एनर्जी स्टोरेज से संबंधित लक्ष्यों की पूर्ति की जा सके।

केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने ऊर्जा मंत्री द्वारा उठाए गए इन विषयों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक नजरिये से विचार का आश्वासन दिया। सम्मेलन में हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज, उत्तर प्रदेश के बिजली मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा, दिल्ली सरकार के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, पंजाब सरकार के ऊर्जा मंत्री हरभजन सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए। इंटर स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं, साइबर सुरक्षा पहलुओं, बिजली की ग्रीष्मकालीन मांग के बेहतर प्रबंधन, विद्युत वितरण निगमों की वित्तीय स्थिति में सुधार आदि विषयों पर चर्चा की गई।

फर्जी पीएम किसान ऐप से साइबर ठगी का नया जाल

एपीके फाइल डाउनलोड करते ही हैक हो रहा मोबाइल, बैंक खातों पर भी नजर

जयपुर। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया साइबर जाल फैलाया जा रहा है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर किसान सम्मान निधि योजना की मोबाइल एप्लीकेशन होने का दावा करने वाला एक फर्जी लिंक या एपीके फाइल शेयर कर लोगों को फांस रहे है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को इस संबंध में सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि एडवाइजरी के अनुसार पीएम किसान रजिस्ट्रेशन एवं पीएम किसान योजना की फर्जी एपीके फ़ाइल व्हाट्सएप ग्रुप्स व अन्य माध्यमों से शेयर की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि इस ऐप के जरिए किसान योजना में घर बैठे रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और तुरंत लाभ पा सकते हैं।

एसपी कुमार ने बताया कि लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि इस फर्जी एपीके फाइल के जरिए बैकडोर मैलवेयर मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। इससे मोबाइल का नियंत्रण साइबर अपराधियों के पास चला जाता है। अपराधी फिर मोबाइल स्क्रीन रिकॉर्डिंग, ओटीपी, बैंकिंग एप्स व अन्य संवेदनशील जानकारी हासिल कर बैंक खातों से अवैध रूप से धन निकाल रहे हैं। साइबर क्राइम शाखा ने स्पष्ट किया है कि पीएम किसान योजना में रजिस्ट्रेशन सिर्फ तहसील स्तर के कृषि कार्यालय, केंद्र सरकार के पोर्टल या सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से ही किया जाता है। इस योजना की आधिकारिक वेबसाइट है। यदि मोबाइल एप डाउनलोड करनी हो तो केवल गूगल प्ले स्टोर से आधिकारिक ऐप ही डाउनलोड करें।

साइबर क्राइम शाखा ने आमजन, विशेषकर किसानों और ई-मित्र संचालकों से अपील की है कि किसी भी फर्जी लिंक या ऐप से सावधान रहें। यदि ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन, पोर्टल या निकटतम पुलिस थाना, साइबर थाना पर सूचना दें। पुलिस ने कहा कि समय-समय पर साइबर अपराधी अपनी रणनीति बदल रहे हैं।

कलक्टर की पहल से आमजन के लिए राहत की राह हुई प्रशस्त

■ जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण में आ रही परेशानी होगी दूर

जयपुर, 06 जून। स्वायत शासन विभाग की अधिसूचना द्वारा झोटवाड़ा, सांगानेर, आमेर व बस्सी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत/राजस्व गांव के क्षेत्र को नगर निगम ग्रेटर व हैरिटेज की सीमा में वृद्धि करते हुए शामिल किया गया है ऐसी स्थिति में पिछले कुछ दिनों से पंचायती राज विभाग के आदेश के बाद सम्बंधित ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी (रजिस्ट्रार) ने जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीकरण का कार्य करना बंद कर दिया था इससे इस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमजन को जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित कार्यों के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

इस समस्या से आमजन को त्वरित प्रदान करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को निर्देश प्रदान कर नगर निगम क्षेत्र में सम्मिलित राजस्व गांव एवं ग्राम पंचायत को पहचान पोर्टल पर मैप करवा दिया गया है। इससे संबंधित राजस्व गांव व ग्राम पंचायत के लोगों को अपने क्षेत्र के नगर निगम जोन से जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन बनवाने की सुविधा मिल सकेगी।

डॉ. सुदीप कुमावत सहायक निदेशक, जिला कलेक्ट्रट जयपुर ने बताया की जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में राज्य स्तर पर जीवनांक शाखा द्वारा झोटवाड़ा पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले राजस्व गांव व ग्राम पंचायत के क्षेत्र को नगर निगम जोन झोटवाड़ा में, सांगानेर पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को नगर निगम जोन जगतपुरा में, आमेर पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को नगर निगम जोन आमेर में तथा बस्सी पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को नगर निगम जोन आदर्श नगर में शामिल किया गया है इससे आमजन को अब संबंधित नगर निगम जोन में जन्म मृत्यु वह विवाह पंजीयन के प्रमाण पत्र मिल सकेंगे।

मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल स्नेचिंग की वारदात करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है और उसके पास से छीना गया मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित के खिलाफ जयपुर के कई अलग-अलग थानों में बीस से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। जिनमें से कुछ मामले केस ऑफिसर स्कीम में चयनित भी है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व)तेजस्वनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल स्नेचिंग की वारदात करने वाले शातिर बदमाश सैफ अली खान निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके खिलाफ आदर्श नगर, रामगंज, मेट्रो थाना, विधाधर नगर, जवाहर नगर, रामगंज, सुभाष चौक, लाल कोठी, ब्रहमपुरी, माणक चौक, भट्टा बस्ती और ट्रांसपोर्ट नगर थाने में बीस से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस ने आरोपित के पास से छीना गया मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

सीवरेज जेटिग मशीन कार्य के लिए 32 लाख स्वीकृति

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने विधायक कोष द्वारा प्रदत्त राशि 32 लाख रूपये की लागत से नगर निगम जयपुर मालवीय नगर जोन को सीवरेज जेटिंग मशीन सीवर कार्य हेतू प्रदान की। नटवर कुमावत ने बताया की मालवीय नगर में सीवर लाइन की समस्या रहती आए दिन निगम की गाड़ी खराब रहती थी या दूसरे जोन में लगी हुई रहती थी। सराफ ने विधायक कोष से एक बड़ी सीवरेज जेटिंग मशीन केवल मालवीय नगर जोन के लिए दी है जिसको आज गैराज डी.सी करण सिंह को सुपुर्द की गई। इस अवसर पर जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी, पार्षद रमेश सैनी, दिनेश गौड़, नरेश शर्मा, उषा टाटीवाल, हिमांशु जैन, जयश्री गर्ग, राजेश कुमावत, महेश सैनी, लक्ष्मण नूनीवाल, राजुला सिंह, अभिषेक सैनी, ममता यादव, मंडल अध्यक्ष मोहित मूलचंदानी, दीनदयाल सैनी, संजीव शर्मा, प्रेम बड़ेतिया, रेखा तिवारी, सुधा सोडाणी, मनीष जैन एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हेरिटेज निगम : स्वास्थ्य शाखा की सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई

399 किलो पॉलीथिन की जब्त

निगम अधिकारी और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्लास्टिक के खिलाफ नारे लगा कर आमजन को जागरूक किया।

जयपुर। हेरिटेज निगम की स्वास्थ्य शाखा ने शुक्रवार को सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा के नेतृत्व में टीम ने 120 किलो पॉलीथिन जब्त की।

उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर स्वास्थ्य शाखा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं। जिसमें आमजन को जागरूक किया जा रहा है कि वे पॉलीथिन का उपयोग नहीं करें। साथ ही अभियान में पॉलीथिन बेचने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान पिछले एक महीने में 399 किलो पॉलीथिन की जब्त की है, साथ ही 66 हजार रुपए का चालान भी किया है।

शुक्रवार को भी दस्ते ने बाइक पर लेकर जा रहे दो पॉलीथिन के कट्टे पकड़े, जिसमें करीब 120 किलो पॉलीथिन थी। उन्होंने बताया कि हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर परकोटे के बाजारों में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद भी पॉलीथिन का उपयोग करने या बेचने पर निगम सख्त कार्रवाई कर रहा है।

वहीं आमजन में प्लास्टिक के दुष्प्रभाव की जानकारी मिलें, इसके लिए उपायुक्त स्वास्थ्य के नेतृत्व में रामगंज बाजार से बड़ी चौपड़ तक निकाली गई। जिसमें निगम अधिकारी और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्लास्टिक के खिलाफ नारे लगा कर आमजन को जागरूक किया।

ARBIT it happens here...

Food is Significant

World Food Safety Day, observed annually on June 7th, is a global initiative led by the Food and Agriculture Organization of the United Nations (FAO) and the World Health Organization (WHO) to raise awareness about the importance of food safety and reduce the burden of foodborne diseases. It highlights the critical role of safe food in ensuring public health, economic prosperity, and sustainable development. You can celebrate the day by engaging in activities like educational workshops, cooking demonstrations, food safety quizzes, farm visits, community cleanups, and social media campaigns.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
07 June 2025
A-B

The Birth Of India Around C P

PART:3

One of the most frequented dhabas in New Delhi in the '50s and '60s, Kake da Hotel, opened across the road from our restaurants and continues to be popular. It was then run by two brothers, each one doing either lunch or dinner with their own raw material and freshly cooked meals. Hence, the food served was always freshly cooked and not leftover from the previous meal.

● LALIT NIRULA

I distinctly remember August 1947. We were not allowed to go outside after sundown. Late evenings were pitch dark, the shops were closed and one could clearly hear the sound of sirens. Sleeping on the roof, I remember looking towards Old Delhi and seeing a reddish glow in the sky and being told that there were fires burning in that area.

What I remember most distinctly after that was probably the second half of '47 and '48 when the inner circle was more crowded than it had ever been. The verandahs were full of people and walking space was limited as the refugees had opened little stalls with gas lanterns on the covered corridor floor. These people were initially shifted to Irwin Road (Baba Kharak Singh Marg) and Panchkuian Road where they opened kiosks and then some were later shifted to what became Mohan Singh Market. Many other pavement vendors were also shifted to Queensway (Janpath), as well as across the outer circle near Shankar Market, and are still there. Though Oriental Fruit Mart in E-Block was supposed to be the best fruit shop in New Delhi, the new Irwin Road fruit shops, opposite Rivoli cinema, soon became popular as they sold the best in terms of quality and price.

One of the most frequented dhabas in New Delhi in the '50s and '60s, Kake da Hotel, opened across the road from our restaurants and continues to be popular. It was then run by two brothers, each one doing either lunch or dinner with their own raw material and freshly cooked meals. Hence, the food served was always freshly cooked and not leftover from the previous meal. We were also taken for dinner to Moti Mahal in Daryaganj by the parents for tandoori food, which was still a rare treat in the Delhi of that era. Kundan Lal, the owner of Moti Mahal, introduced Delhi to the delights of tandoori chicken as normally meats were cooked on horizontal skewers on a charcoal grill and the tandoor was used for cooking rotis and naans. I remember him as a large, smiling

man with a large moustache, wearing a pathan suit with a pathani topi, always greeted his regular customers at the entrance. I think he was also the inventor of 'butter chicken,' which, I was told, came about when his chicken curry finished and to provide a gravy chicken dish, he took a half-done tandoori chicken, added butter, tomatoes and spices and cooked it in a frying pan. It has now become so popular that it has replaced the traditional chicken curry in popularity and is synonymous with Delhi cuisine!

CP was a very quiet place at night in the '40s and early '50s and I remember going for a family picnic in the inner park as it was absolutely deserted by 8 pm. I learned to cycle in the Central Park in the solitude of the early mornings. We often went for picnics to Qutab Minar and Okhla, which really seemed to be in the countryside, a long way away from CP. And the long distance made a visit to them into day trips. The area around Qutab Minar, including Mehrauli, had mango orchards and had some bungalows, and I remember hearing that the 'Dilliwala Seth's,' who lived in the walled city, had country homes here to house their mistresses! India Gate lawns with King George V, at one end, and Rashtrapati Bhavan, at the other, was also a favourite place in the summer evenings and for lunch during winter months up to the early '60s as there were few people there. A favourite activity for us kids was rowing at the Boat Club.

> The area around Qutab Minar, including Mehrauli, had mango orchards and had some bungalows, and I remember hearing that the 'Dilliwala Seth's,' who lived in the walled city, had country homes here to house their mistresses! India Gate lawns with King George V, at one end, and Rashtrapati Bhavan, at the other, was also a favourite place in the summer evenings and for lunch during winter months up to the early '60s as there were few people there.

#GROWING UP IN CP

I think most people in Delhi do not realize how the city has grown and that too, relatively recently. One day in 1962, my father and chacha brought me to an area full of fields, just beyond Moti Bagh, and showed a hillock they had bought. From the top of the hillock, we could see people farming. This entire area now comprises R.K. Puram, Vasant Vihar, Anand Niketan, Shanti Niketan and West End!

Going for a picnic with college friends to Hauz Khas in '61 is vivid in my memory and the monuments were then surrounded by a forest! I also remember a small village there, with no other habitation.

Very few cars were seen in the late '40s and '50s. The public transport system was not able to cope with the population growth post-1947. With the spread of Delhi, most people resorted to travel by bicycle. At 9.30 am, we could see hordes of bicycles interspersed with a few cars in CP. The most unusual bicyclist, I saw from our first floor, wore a dressing gown and was armed with a toothbrush in one hand. I have still not been able to fathom what this person was up to!

As we lived in D-Block, the Republic Day Parade would pass by on the street in front of us every other year and next to us on alternate years. As a matter of routine, this event would see many people visiting us who discovered that they had not met us for a long time and would, coincidentally, lean over the verandah railings to watch the parade pass by!

My schooling started at the age of four in a tent at Delhi Public School (DPS), a new school started by Reverend J.D. Tytler, a big (to me as a little child), smiling and very red-faced bearded man. It was located in the grounds of Cathedral Church of the redemption in Church Lane near Rashtrapati Bhavan. DPS then moved to its present Mathura Road location and still operated from tents, till I left the school in January 1954, to join a boarding school. Tents were made for interesting classrooms and, as children, we did not find them unusual at all. In fact, whenever it rained, I had dreams of using my table as a raft and floating home on it!

> Another interesting and talented individual was Nishi Nakra, whom I got to know in 1960, when he did the music system for our new restaurant, La Boheme. He was a good engineer and passionate about sound. He developed speakers and amplifiers under the brand name, Enbee, in an era when such items could not be imported. Besides being an inventive engineer, he was also a very talented singer and I would often visit him at his shop in Shankar Market.

Rains were a delightful and exciting time as CP roads were sure to get flooded at least once, with sometimes even the shops getting flooded. The flooding at Minto Bridge was a yearly event. I would look forward to going with someone older after the rain stopped to walk around CP, as water on the roads would be thigh deep for a 11 year old child. Minto Bridge would always be a great place to visit as normally there would be a bus or two roof deep in water! Ah, the excitement of those days!

Connaught Place in the evenings was exotic. There were peacock feather sellers, and people selling caged parrots, which were also seen flying around CP in large numbers. Many times, the bhaluwallah, the sapera with his 'been' and the bandarwallah would be seen on the open pavements and in the park.

The one person I have never forgotten was a dignified elderly white-turbaned man, who probably moved to Delhi after partition and who would walk with his bicycle in the verandahs of CP selling chooran of two varieties, 'lakkad hazam' and 'patthar hazam.' He would ring his cycle bell to advertise his presence as he walked the corridors. As a child, I did not appreciate the digestive properties of the choorans, but they were delicious and I would buy a small 'purria' for two annas or if we had more money, a small glass vial of chooran.

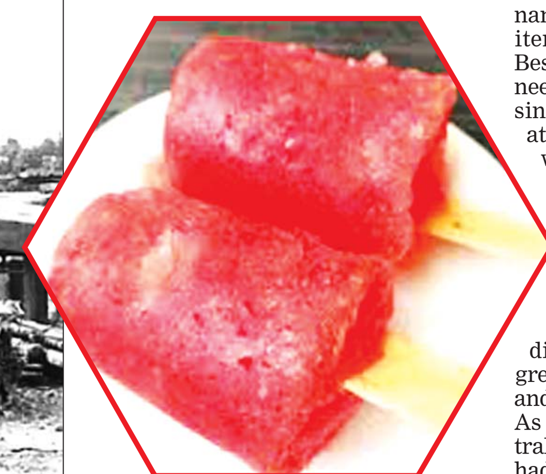

Edwin Chan lived in CP and was an interior designer who specialized in wood furniture and interiors, and as a very young man, had worked with his father on the woodwork of the Viceroy's House (Rashtrapati Bhavan). His passion was to invent and develop a perpetual motion machine and till he died sometime in the early '90s, when asked how the project was going, he would optimistically proclaim that it was just a step away from completion.

Another interesting and talented individual was Nishi Nakra, whom I got to know in 1960, when he did the music system for our new restaurant, La Boheme. He was a good engineer and passionate about sound. He developed speakers and amplifiers under the brand name, Enbee, in an era when such items could not be imported. Besides being an inventive engineer, he was also a very talented singer and I would often visit him at his shop in Shankar Market, which was just a few minutes from my home and office. There one would often meet or see many of the people who were to become well-known in public life and business.

Looking at it today, it may be difficult to believe that CP was a great place to grow up. For a child and a teenager, it had everything. As children, we were sent to the central park every evening, where we had a lot of space to run around and play games. There were vendors selling balloons, toys and sweets, ice-lolly chuskis which were made of shaved ice particles, fixed on a stick, with a choice of lovely coloured syrups poured onto them! Despite the scolding that we knew we would get (the water was not 'safe'), we loved them.

There was also the seller of buddi mai ke baal (candy floss), who would sell his goods from a glassed in trolley. Delicious aam papad (beaten and dried mango) and soft imli (tamarind) were available at a bania's shop in the middle circle behind M-Block and was another favourite. The aam papad was sour and leathery in feel but was utterly delicious, especially with a sprinkling of kala namak (black salt). The imli was soft, gooey and sour and much appreciated. When we had saved some money, we would go to J.B. Mangaram on the side of F-Block, facing E-Block, which had a great collection of sweets in glass jars on top of the counters, which were the same height as we were.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

Artillery Changed History In India

Dhanush Howitzer

It was on 21 Apr 1526 during the first battle of Panipat between Babur and the Lodhi Kingdom when Mughal forces under Babur not only used the gun power based fire arms but also the artillery as well. This changed the very outcome of the battle and heralded the beginning of Mughal Empire in India which flourished through centuries before it was ousted by East India Company beginning the British rule in India. Since the Battle of Panipat was won primarily due to use of artillery guns, it became part of inventory of most of the kingdoms in India thereafter

Maj Gen Ashok Kumar
VSM (Retd)

#FACTOFILE

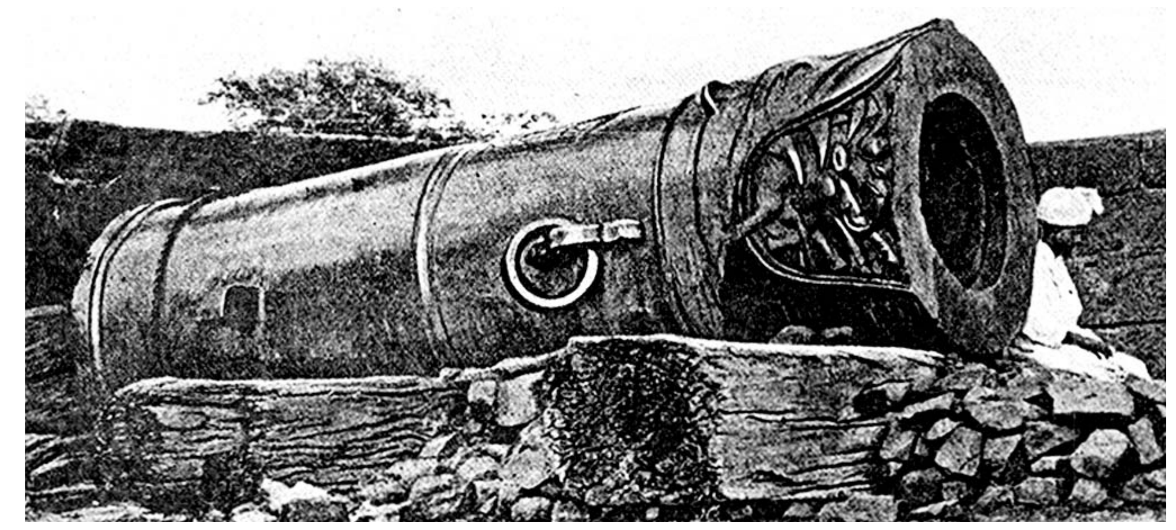

Bijapur, Malik-i-Maidan (H. Cousens, Bijapur, pl. IV).

The gunners in India celebrate their Corps Day on 28 Sep as it was this very date, way back in 1827, when the first Artillery unit was raised, though as part of the British India. Whether the gunners should continue with this date as their 'Corps Day' or shift to a suitable date in post independent era of India is something which gunners can keep deliberating. This article looks at the events in Indian history, both pre and post independence, where guns made their indelible mark on the battlefield.

Looking Back

It was on 21 Apr 1526 during the first battle of Panipat between Babur and the Lodhi Kingdom when Mughal forces under Babur not only used the gun power based fire arms but also the artillery. This changed the very outcome of the battle and heralded the beginning of Mughal Empire in India which flourished through centuries, before it was ousted by East India Company beginning the British rule in India. Since the Battle of Panipat was won primarily due to use of artillery guns, it became part of inventory of most of the kingdoms in India thereafter. It also had a major impact on method of warfighting wherein artillery was used to damage the assets/ resources of opposing adversaries before attack by the foot soldiers. This norm has continued till date not only in India but world over. It is so predominant in India that attack plans are also changed if the adequate fire support from the Artillery is not available. The Gunners have acquitted themselves very well in all the post independence conflicts which India has to fight so far. In fact, in the latest battle of India during Kargil War, the victory came to India primarily due to long range, accurate and innovative fire by our gunners. In fact, it will not be wrong to say if Kargil War is renamed as 'Gunners War.'

Present Realities

The Post Kargil war era is more 'important' now as during this period, the Chinese threat started getting somewhat realized in the thoughts of policy-makers wherein a deliberate thought was being given to enhance and utilize the potency of artillery in our warfighting matrix. It was then realized that mountainous terrain combined with poor border infrastructure is a huge challenge to even move existing guns to the forward areas, leave aside being able to fire them effectively to neutralize the enemy. In near simultaneous timeframe, Artillery was focusing on mediumisation and up gunning wherein 155mm calibre was becoming a universally acceptable calibre and progress commenced towards that. A combination of models were used to address this gap to include in house production, DRDO production as well as increasing contribution of the private sector. Despite this multiplicity of effort, ideal and intended profile of Indian Artillery could not be achieved. While the artillery got adequately revamped for handling the threat from Pakistan due to terrain being largely plain except in J&K Sector, but it still needed to address this challenge against China.

It was at this time that Indian Artillery started looking at Lighter guns, which can be moved either by road having relatively lesser road classification or could be air dropped in the pre-designated places close to the likely place of conflict, be for defensive or offensive operations. It appeared to address the challenge, though marginally. Besides this, Indian artillery had to navigate through fresh challenges arising due to better surveillance devices available with the adversary. This was a challenge in earlier era as well when the bulk of artillery was in towed configuration with no inherent 'shoot and scoot' capability. During this time, the guns were towed back to alternative positions to avoid the 'Counter Bombardment (CB),' a major threat for the gunners. To address this challenge, inherent 'shoot and scoot' capability was given to the guns through 'auxiliary power system' as is the case for Bofors guns. This intrinsic capability gave the guns more survivability but this ability was also short lived as 'shoot and scoot' capability is limited in distances to which these artillery pieces can move besides adversaries acquiring more potent surveillance devices as well as CB weapons. The need now is to have our gun system which can be quickly moved from one place to the other place in an operationally acceptable timeframe, wherein they not only avoid the CB but are also able to cover wider frontages even if the resources are limited.

Such a requirement can be met using self-propelled guns mounted on a platform having requisite mobility in all terrains. Indian Army experimented with such guns but these guns could never become the mainstay of artillery, a situation continuing till date.

Conclusion

But in the recent times, a major push is being given to border infrastructure to ensure all weather availability of the surface communications, axial up to the LAC with China and LOC with Pakistan and laterals at varying depths to connect these and previous axials. With advanced technology, it is now possible to assess as to with what pace is the infrastructure developing. Future induction of guns, both in numbers and transportability, have to be accordingly planned. It will be more prudent to go in for self propelled and light guns with longer ranges and precision munitions, to revamp the artillery of the future.

Since the threat spectrum has also enhanced substantially, the guns will need to be given requisite Air Defense capabilities as well as anti-drone measures as only then, they may survive in the milieu of the future battlefield. Threat from drones have brought out important lessons from the ongoing wars which need to be factored in our equipping policy. In addition, these have to factor various disruptive technologies which are fast changing not only the equipment profiling but also the war fighting methodology.

THE WALL

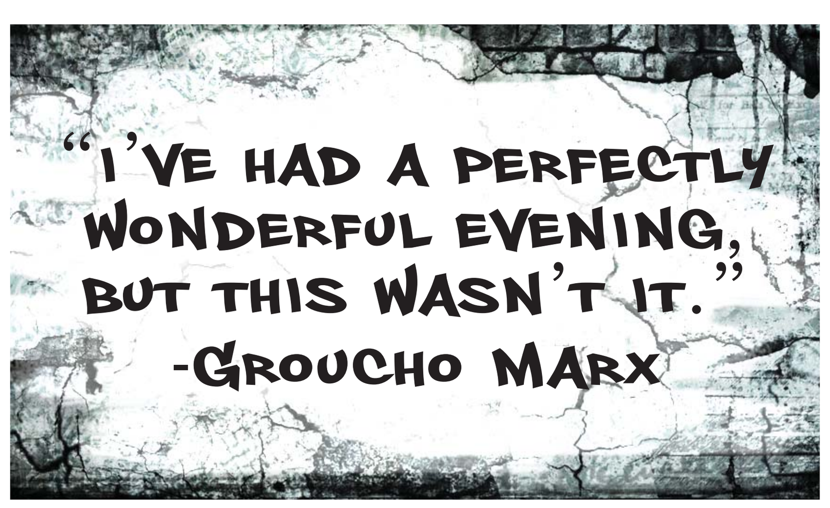

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

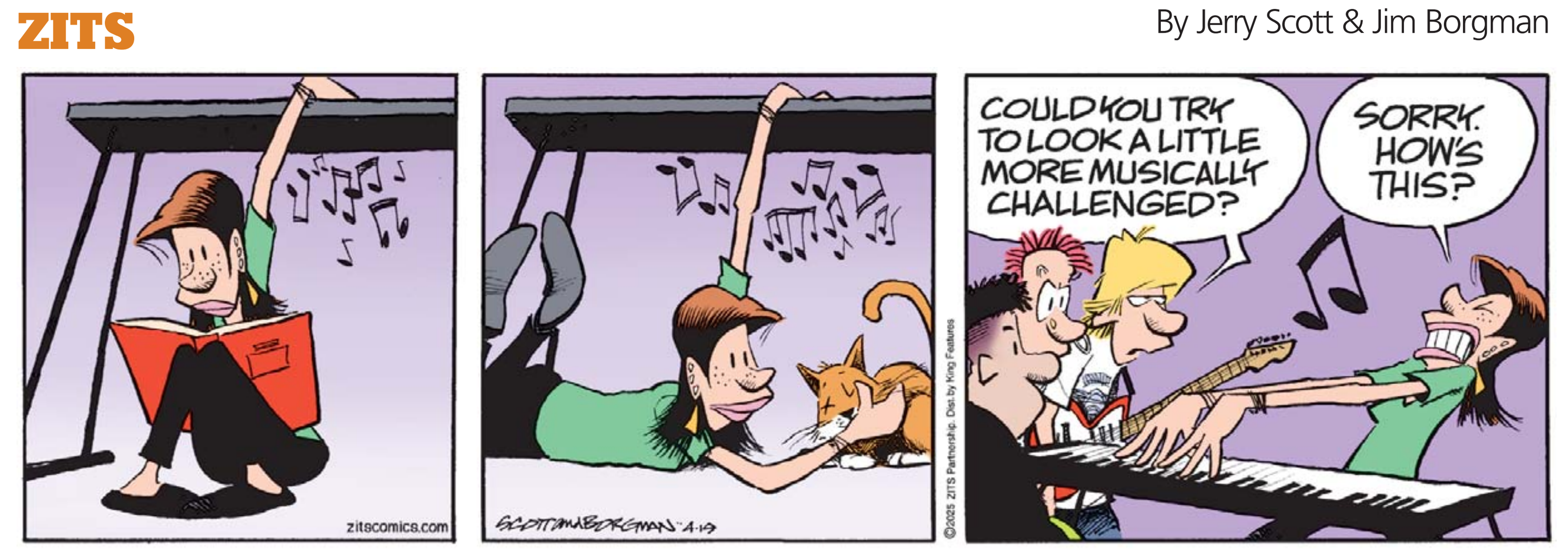

M109-52 Self-Propelled Howitzer.

जन्मदिन मना रहे लोगों पर प्राणघातक हमला, पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपी मामला दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहे थे, पुलिस पूछताछ में जुटी है

अजमेर, (कासं)। गंज थाना क्षेत्र में गत दिनों बर्थ-डे पार्टी मना रहे लोगों पर समुदाय विशेष के लोगों द्वारा एकराय होकर प्राणघातक हमला करने के मामले में गुरुवार को जिला स्पेशल टीम ने समुदाय विशेष के पांच हमलावर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मामला दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहे थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।

एसपी वंदिता राणा ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गंज थाना क्षेत्र के नई सड़क रोड निवासी प्रिंस चौहान पुत्र रामचन्द्र ने 3 जून को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 2 जून रात्रि 10:30 बजे उसके छोटे भाई की जन्मदिन पार्टी चल रही थी, तभी बदरुद्दीन कुरैशी, सदरूद्दीन कुरैशी, मोहम्मद इकबाल, गुलाम नबी, शेख तौहित सहित अन्य एकराय हथियारों से लैस होकर उन पर प्राणघातक हमला कर दिया। आरोपियों ने मारपीट कर घायल कर दिया। एसपी राणा ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तार के लिए जिला स्पेशल टीम व गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई और आरोपियों की तलाश शुरू की। टीम ने आरोपियों में गली नंबर 4 दरगाह संपर्क सड़क नागफणी निवासी बदरुद्दीन कुरैशी पुत्र फकरूदीन कुरैशी, उसका भाई सदरूद्दीन कुरैशी व संपर्क सड़क गली 9 मदरसे के पीछे लौंगिया मोहल्ला निवासी मोहम्मद इकबाल पुत्र मोहम्मद इशाक, ताराशाह नगर नई सड़क निवासी गुलाम नबी पुत्र मोहम्मद रमजान और शेख तौहित पुत्र शेख मुमताज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम हमले में शामिल उनके अन्य साथियों के विषय में पूछताछ कर रही है और छापेमारी कर अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस ने हमला करने के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- जिला स्पेशल टीम व साइबर सेल की मदद से एक-एक कर आरोपियों को दबोचा

गंज थाने के सीआई महावीर सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस टीम ने जब आरोपियों की तलाश की तो वह घर से फरार हो गए थे। ऐसे में जिला स्पेशल टीम व साइबर सेल की मदद से एक-एक कर 5 आरोपितों को दबोचा है। टीम में सीआई राठौड़, एएसआई राजेन्द्र प्रसाद, हैड कांस्टेबल लालसिंह, प्रभात कुमार, कांस्टेबल सुमेर कुमार, प्रदीप सिंह, सुभाष, राजेश, रामचन्द्र, पंकज व चेनाराम और जिला स्पेशल टीम के प्रभारी शंकर सिंह रावत, हैड कांस्टेबल सीताराम, कांस्टेबल रामनिवास, जितेन्द्र, गजेन्द्र, मुकेश टाण्डी व मनोज सिंह एवं साइबर सैल के हैड कांस्टेबल मुकेश व कांस्टेबल सुरेश शामिल रहे। पुलिस अन्य आोपियों की तलाश में जुटी है।

उचित मूल्य दुकानदार पर राशन गबन का आरोप

रसद विभाग की जांच में 23 क्विंटल से अधिक गेहूं के गबन की पुष्टि हुई

बीकानेर, (निसं)। जिले की नोखा तहसील के बीकासर गांव में एक उचित मूल्य दुकानदार द्वारा राशन गबन का गंभीर मामला सामने आने के बाद आरोपी दुकानदार पूनम चंद बिश्नोई के खिलाफ नोखा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। रसद विभाग की जांच में 23 क्विंटल से अधिक गेहूं के गबन की पुष्टि हुई है। खुलासे के बाद प्रशासन हरकत में आया और लाइसेंस निलंबन के बाद अब आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया है।

बीकासर गांव के ग्रामीणों ने जांच अधिकारियों को बताया कि उचित मूल्य दुकानदार पूनम चंद बिश्नोई ने ई-केवाईसी के नाम पर ग्रामीणों से अंगूठा तो लगवाया, लेकिन राशन नहीं दिया। रसद विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक राहुल गुलानी द्वारा दर्ज करवाई गई पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, दुकान पर गेहूं का 30,408 किलो स्टॉक होना चाहिए था, जबकि मौके पर केवल 6,800 किलो गेहूं पाया गया। इस प्रकार 23,608 किलो गेहूं गायब मिला, जिसे गबन माना गया है।

- ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि दुकानदार ने बिना राशन दिए ही ई-मशीन पर उनके अंगूठा लगवा लिये
- कई बार पूछने पर यह कहकर टाल दिया जाता था कि अगली बार मिलेगा, लेकिन राशन कभी नहीं दिया गया

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पूनम चंद ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे गिवअप अभियान में भी कोई सहयोग नहीं किया। ग्रामीणों ने साफ-साफ आरोप लगाया है कि दुकानदार ने बिना राशन दिए ही ई-मशीन पर उनका अंगूठा लगवा लिया, जिससे वह रिकॉर्ड में राशन वितरण दिखाता रहा। रसद विभाग ने आरोपी का लाइसेंस निलंबित कर दिया और अगले ही दिन एफआईआर भी दर्ज हो गई।

इस मामले को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने भी गंभीरता से लिया। उन्होंने अधिकारियों को तलब कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला रसद अधिकारी नरेंद्र शर्मा ने स्पष्ट किया कि किसी भी उपभोक्ता के हक के राशन का गबन करना गंभीर अपराध है। जिले में भविष्य में भी इस तरह की शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बीकासर गांव के ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दुकानदार महीने दर महीने बिना राशन दिए उनसे अंगूठा लगवाता रहा। कई बार पूछने पर यह कहकर टाल दिया जाता कि अगली बार मिलेगा, लेकिन राशन कभी नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन ईसरदा बांध, चम्बल एक्वाडक्ट कार्यों का निरीक्षण किया

बूंदी/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के अंतर्गत विभिन्न कॉम्पोनेंट्स का हवाई निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन ईसरदा बांध, नवनिर्मित नवनेरा बैराज और चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट के निर्माण कार्य स्थलों का जायजा लिया। शर्मा ने राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी परियोजना) के लिए महत्वपूर्ण एक्वाडक्ट के कार्य प्रगति की समीक्षा की।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के अंतर्गत विभिन्न कॉम्पोनेंट्स का हवाई निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह जल परियोजनाओं को आपस में जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। परियोजना जल संरक्षण और सिंचाई विस्तार को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने निरीक्षण के बाद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं, ताकि आमजन तक समयबद्ध पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने परियोजना के तहत नवनेरा बैराज के निकट प्रस्तावित पम्प हाउस का कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस एक्वाडक्ट के जरिए रामगढ़ (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी चम्बल नदी को पार कराकर मेज बैराज में डाला जाएगा। इसके बाद पानी बीसलपुर और ईसरदा बांध तक लिफ्ट प्रणाली द्वारा पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि 2280 मीटर लम्बे इस एक्वाडक्ट का एक छोर कोटा के पीपल्दा समेल गांव में और दूसरा छोर बूंदी के गोहाटा गांव से जोड़ा जाएगा। एक्वाडक्ट के निर्माण से जल प्रबंधन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही, कोटा की सुल्तानपुर तहसील के लोगों को बूंदी होते हुए कोटा-सवाईमाधोपुर हाईवे से एक नया पक्का सड़क मार्ग भी उपलब्ध होगा। हवाई निरीक्षण में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी साथ रहे।

नशीली टैबलेट्स तस्करी में खरीद-फरोख्त के दो आरोपी गिरफ्तार

राजलदेसर, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ नशीली टैबलेट्स तस्करी में खरीद-फरोख्त के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

राजलदेसर थाना प्रभारी कमलेश सैनी ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाया जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत रतनगढ़ पुलिस उप अधीक्षक अनिल कुमार के निकटतम सुपरविजन में 17 अप्रैल को रतनगढ़ सीआई दिलीप सिंह के निर्देशन में सुभाषचन्द पुलिस थाना मय डीएसटी टीम चूरू की सहायता से गश्त के दौरान मेगा हाइवे, रोडवेज बस स्टेण्ड पड़िहारा के पास आरोपी मुमताज अली पुत्र रोशन अली मणियार निवासी वार्ड नम्बर 12 पड़िहारा के कब्जे से कुल 11800 नशीली टैबलेट्स जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी मुमताज अली को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने उक्त नशीली टैबलेट ट्रामाडोल व एल्प्राजोल टैबलेट अपने जानकार विकास सहारण से सरदारशहर से लेकर आना बताया था तथा उपरोक्त नशीली टैबलेटों को आगे अपने जानकार अजय प्रकाश शर्मा को चूरू में देना बताया था। आरोपी मुमताज अली को बाद तफतीश पूर्व में दाखिल जैल करवाया जा चुका है। आज 5 जून को आरोपी विकास सहारण व अजय प्रकाश शर्मा को जिला जेल चूरू से प्रोडक्शन वारण्ट पर प्राप्त कर बाद जुर्म प्रमाणित पाया जाने पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी विकास सहारण पूर्व में नशीली टैबलेट सहित पुलिस थाना सरदारशहर में गिरफ्तार हो चुका है। इसी प्रकार आरोपी अजय प्रकाश शर्मा पूर्व में कॉमर्शियल मात्रा में नशीली टैबलेट सहित पुलिस थाना कोतवाली चूरू में गिरफ्तार हो चुका है। उपरोक्त तीनों व्यक्ति शातिर किस्म के बदमाश है जो मादक पदार्थ की तस्करी आपस में मिलकर करते हैं।

पुलिस ने विकास सहारण व अजयप्रकाश शर्मा को गिरफ्तार किया।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा पाली पहुंचे

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता की

पाली, (नि.सं.)। यूडीएच मंत्री और पाली जिले के प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा एक दिवसीय यात्रा के तहत गुरुवार को पाली पहुंचे। शहर के सर्किट हाऊस में प्रेस वार्ता की। सेना को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानबाजी के सवाल पर खर्रा ने कहा कि कुछ लोग अति बुद्धिजीवी हैं, जो अपने बयानों से दुश्मन देशों की हौसला अफजाई करने का काम करते हैं, और दुश्मन देश उन बयानों का आधार बनाकर विश्व में भारत की छवि को खराब करने का प्रयास करते हैं। इन अति बुद्धिजीवियों को अपने संविधान में दिए अधिकार तो पता हैं, लेकिन देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने कत्तर्व्य और जिम्मेदारी का ज्ञान न जाने क्यों नहीं है।

अशोक गहलोत द्वारा भाजपा सरकार द्वारा खनन पर रोक नहीं लगाने के सवाल पर यूडीएच मंत्री खर्रा ने कहा कि सरकार इसको लेकर काम कर रही है। लगातार कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही इस समस्या का पूरा समाधान होगा। एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार ने अपना पक्ष कोर्ट में रख दिया है। सरकार किसी भी स्तर पर यह नहीं चाहती कि जिन लोगों ने मेहनत कर परीक्षा दी उनके साथ अन्याय हो। पाली में नदी और नाडी क्षेत्रों में हो रहे अतिक्रमण को लेकर उन्होंने कहा जिला कलेक्टर एलएन मंत्री को लोडिया तालाब का सीमांकन करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि वहां किसी ने अतिक्रमण कर रखा है तो उसे हटाया जा सके।

- एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर खर्रा ने कहा कि सरकार ने अपना पक्ष कोर्ट में रख दिया है

देवयानी सरोवर में पानी के लिए काम शुरु

सांभरझील, (निसं)। सिवानिया मोड़ से तीर्थ स्थल देवयानी सरोवर तक बड़े-बड़े तकनीकी अधिकारी बारिश के बहते पानी को नालों के जरिए कुंड तक पहुंचाने के काम में अभी तक भी सफल नहीं हो सके हो, लेकिन नगर पालिका ने एक तरीका ढूंढ निकाला है।

भूतेश्वर की बगीची के पास सांभर नावा रोड पर आसपास के खेतों से बहकर आने वाले बारिश का पानी जो कि यहां पर इकट्ठा हो जाता है को यहां से करीब आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित देवयानी कुंड तक पहुंचने के लिए पालिका इस पर 50 लाख रुपए खर्च करने जा रही है। इस तकनीकी योजना पर काम भी शुरू हो गया है। बाकायदा सड़क के किनारे किनारे बड़े-बड़े पाइप बिछाए जा रहे हैं तथा बीच-बीच में चेंबर भी लगाए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पर इकट्ठे होने वाले पानी को एक स्पेशल तरीके से उसे चेंबर में डालकर नालों के जरिए कुंड तक पहुंचने का काम पालिका करवा रही है। भूतेश्वर बगीची के पास क्या इतना पानी इकट्ठा हो जाता है बारिश के दौरान उसे कुंड तक पहुंचने के लिए बिना किसी राय मशविरा के 50 लाख रुपए का टेंडर ही दे दिया गया। मौका निरीक्षण किया गया तो जानकार लोगों ने बताया कि पृथ्वीराज सर्कल से और भूतेश्वर बगीची तक सड़क का जबरदस्त ढलान इसी सांभर नावा रोड पर है और उधर से बहतर आने वाला आसपास की दुकानों का गंदा पानी, मोटर गैरेज का पानी और सीवर का पानी जब यहां पर मिक्स हो जाएगा तो यह कैसे संभव है कि साफ पानी सरोवर में मिल जाएगा। इसको लेकर श्रद्धालुओं में एक अंदरूनी चिंता भी व्याप्त है लेकिन प्रत्यक्ष रूप से इस संबंध में कोई बोलने को तैयार नहीं है।

जानकारी जुटाई गई तो बताया गया कि सिस्टम इस प्रकार से तैयार किया जाएगा की गंदा पानी सरोवर तक नहीं पहुंचे और केवल बारिश के पानी को ही वहां तक पहुंचाने का सफल हो। गंदे पानी को अलग तरीके से झीलों की तरफ ले जाया जाएगा लेकिन एक प्रकार से यह मामला कुछ अजीबोगरीब लोगों को नजर आ रहा है।

हथियार सहित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी हथियार पिस्टल मय दो जिंदा कारतूस सहित हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए संजय नगर उड़िया बस्ती निवासी हिस्ट्रीशीटर तालिब खान को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध देशी पिस्टल मय दो जिंदा कारतूस बरामद किये। पुलिस ने आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

तेज हवा और ओलावृष्टि ने किसानों को नुकसान पहुंचाया

अनूपगढ़, (निसं)। पिछले दो दिनों से हुई तेज हवा और ओलावृष्टि ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। पंचायत समिति की 9 ग्राम पंचायतों में बीटी कपास की फसल को व्यापक क्षति हुई है। 1845 हेक्टेयर भूमि में 15 दिन से एक महीने तक खड़ी हुई बीटी कपास की फसल लगभग 50 प्रतिशत नष्ट हो गई है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान और उत्पादन में कमी का सामना करना पड़ेगा।

किसान जसवंत सिंह चंदी ने बताया कि इससे पहले हुई तेज बरसात से नरमे की फसल दो बार करूंड हो चुकी थी। ओलावृष्टि ने स्थिति और बिगाड़ दी है। नरमे की बुवाई का समय मई तक होता है। अब 10 जून के बाद की बुवाई पीछेती खेती मानी जाएगी, जिससे उत्पादन प्रभावित होगा। पिछले दो सीजन से किसान गुलाबी सुंडी की समस्या से जूझ रहे थे। फसल बीमा अभी शुरू नहीं हुआ था, इसलिए नुकसान की भरपाई किसानों को खुद करनी होगी। खेतों में लगे सोलर सिस्टम को भी नुकसान हुआ है और कई सोलर प्लेट टूट गए हैं। अनूपगढ़ में मंगलवार देर रात और बुधवार सुबह कुल 16 एमएम बारिश दर्ज की गई।

- 1845 हेक्टेयर में कपास की लगभग 50 प्रतिशत फसल नष्ट हुई, बुवाई का समय निकला
- 9 ग्राम पंचायतों में बीटी कपास की फसल को व्यापक क्षति हुई

सहायक निदेशक कृषि विस्तार जसवंत सिंह बराड़ ने बताया कि ग्राम पंचायत 21 एसजेएम, 4 एसपीएस, 14 एपीडी, 74 जीबी, 30 एपीडी, 7 एसजेएम, 3 एनडी, 72 जीबी व 78 जीबी में कुल 4900 हेक्टेयर में से 1845 हेक्टेयर क्षेत्र में ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है। अभी फसलों का बीमा होना प्रारंभ नहीं हुआ था जिस कारण बीमे से इस नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकेगी।

आगजनी की घटना के दो अभियुक्त गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने गत 24 व 25 मई की मध्यरात्रि को खरखड़ी मोड़ स्थित एक शराब गोदाम पर रंगदारी वसूली की मांग को लेकर की गई आगजनी की घटना के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

एसएचओ राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि 24 मई की रात्रि को शराब गोदाम में कर्मचारी रंगलाल सो रहा था, तभी गोपालपुरा निवासी नाजिम पुत्र श्योनारायण, धन्ना समेत 3-4 लोग आये एवं आते ही गाली गलौच करते हुये 50 हजार रूपयों की फिरौती की मांग करने लगे। इसके लिये मना करने पर शराब गोदाम में आग लगा दी, जिसमें रंगलाल का चेहरा झुलस गया। पीड़ित ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। हमलावर पैसे तैयार रखने एवं दुबारा आने की बात कहकर चले गये। इससे पूर्व भी मोबाइल से व्हॉट्सअप कॉल कर फिरौती की मांग करते रहे। देर रात्रि को बोलेरो गाड़ी में आकर 2 से 3 राउण्ड फायरिंग की एवं कहा कि पुलिस को सूचना दी तो परिणाम बहुत बुरा होगा। मामले में पुलिस ने गोपालपुरा निवासी घनश्याम उर्फ धन्ना (23) पुत्र ओमप्रकाश वाल्मिकी एवं ग्राम जयसिंहपुरा निवासी नवीन (29) पुत्र फूलचंद जाट को गिरफ्तार करते हुये वारदात में प्रयुक्त दो बाईक जप्त की है। अभियुक्तों से पूछताछ जारी है।

जूते-चप्पलों के रॉ मटीरियल के गोदाम में आग लगी, लाखों रुपये का सामान जला

अजमेर, (कासं)। मूंदड़ी मोहल्ला स्थित अजमेर के सबसे व्यस्तम और होलसेल सदर बाजार में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक जूते-चप्पल बनने वाले रॉ-मटेरियल के एक गोदाम में भीषण आग गई। आग को देखते हुए आसपास की दुकानों को व्यापारियों ने तुरंत बंद करवा दिया। व्यापारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने के प्रयास किए गए। अग्निशमन विभाग को आग की सूचना देने पर दमकल की गाड़ियां एक घंटे बाद पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रथमदृष्ट्या शॉर्ट सर्किट से आग लगना मानी जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के मूंदड़ी मोहल्ला स्थित होलसेल के सदर बाजार स्थित प्रकाश ट्रेडर्स के एक गोदाम की दूसरी मंजिल पर जूते चप्पल बनाने के रॉ-मटेरियल में गुरुवार को 11:30 बजे आग लग गई। आग ने ही कुछ देर में विकराल रूप धारण कर लिया। ऊपर के मंजिल से दुआ निकलता देख नीचे काम कर रहे कर्मचारी तुरंत बाहर निकल आए। आग से बाजार में हडकंप मच गया। व्यापारियों ने आसपास की दुकानों को बंद कर दिया। व्यापारियों ने बाजार में रखे फायर सिलेंडर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया। सदर बाजार के व्यापारी संगठन के पदाधिकारी के साथ अन्य व्यापारियों ने अपनी-अपने दुकानों में रखे फायर सिलेंडर से आग पर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन चमड़ा ज्यादा होने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस के साथ सीओ रूद्रप्रकाश भी मौके पर पहुंचे। सूचना के करीब 1 घंटे बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर कड़ी मशक्कत कर काबू पाया गया।

अजमेर के सबसे व्यस्तम और होलसेल सदर बाजार में गोदाम में लगी भीषण आग को दमकल कर्मियों ने बुझाया।

सदर बाजार मूंदड़ी मोहल्ला व्यापारिक संगठन के पदाधिकारी अशोक दुलानी ने बताया कि सदर बाजार में प्रकाश ट्रेडर्स का एक गोदाम है, जिसमें चप्पल जूते के शॉल और अन्य सामान रखा था। मालिक की ओर से दुकान खोलने के करीब 15 मिनट बाद ही ऊपर की मंजिल पर आग लग गई। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ। व्यापारियों की दुकानों में पड़े 75 फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। लेकिन करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। अभी नुकसान का आंकलन नहीं हुआ है।

सकड़ी गली में नहीं जा सकी बड़ी गाड़ी :-बाजार में संकरी गलियां होने से अग्निशमन विभाग की बड़ी गाडियां मौके पर नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते अग्निशमन की गाड़ियों को आने में समय लग गया। अग्निशमन की छोटी गाड़ियां मौके पर पहुची। आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। चमड़े में लगी आग के कारण जहरीला धुंआ ज्यादा फैलने लगा, जिसके चलते विभाग के कर्मचारियों ने ऑक्सीजन सिलेंडर और मास्क पहनकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

- आग को देखते हुए आसपास की दुकानों को बंद करवाया, व्यापारियों ने आग बुझाने के प्रयास किए
- गोदाम में जूते-चप्पल बनाने के लिए चमड़ा रखा था, चमड़े में आग लगने के कारण पूरे बाजार में धुंआ ही धुंआ फैल गया

जहरे धुए से परेशान हुए व्यापारी :-गोदाम में जूते चप्पल बनाने के लिए चमड़ा रखा था, चमड़े में आग लगने के कारण पूरे बाजार में धुंआ ही धुंआ फैल गया। धुएं के कारण व्यापारियों और आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों आग बुझाते वक्त आंखों में धुंआ चला गया जिससे आंखें जलने लग गई।

तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी गोवर्धनराम को जैसलमेर से गिरफ्तार किया है। जोधपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि साइक्लोनर टीम ने तस्करी कारोबार के एक मुख्यतम सूत्रधार गोरधनराम को गुरुवार सुबह गिरफ्तार करने में सफलता पायी है।

गोरधनराम की गिरफ्तारी पर एक लाख रूपये का इनाम पुलिस मुख्यालय की ओर से घोषित है। अपने 12 वर्षों के आपराधिक करियर में गोरधनराम पर मादक द्रव्यों की तस्करी, हत्या का प्रयास, मारपीट, वाहन चोरी, आगजनी, आर्म्स एक्ट इत्यादि के कई सारे मुकदमे दर्ज हैं। शुरूआती प्रकरण में दो-तीन बार जेल जा चुकने के बाद गोरधनराम फिर कभी भी पुलिस की गिरफ्तारी में नहीं आया। जिसे गुरुवार को फलसुंड में गिरफ्तार किया गया। रेंज स्तरीय साईक्लोनर टीम के कन्हैयालाल देवाराम विश्नोई, नेमाराम प्रमीत ,गजराजसिंह, महेन्द्र, महिपालसिंह, अशोक कुमार, राकेश, मनीष परमार, अशोक परिहार, स्ट्रांग टीम के किशोरकुमार, देवाराम, झूमरराम,जोगाराम, राकेशकुमार, शेखरचन्द, मांगीलाल, भागीरथ, टॉरमेडो टीम के माधुदान, रोहितास तथा थानाधिकारी पुलिस थाना फलसुण्ड सुमेरदान मय टीम शामिल रहे।

01101/13/0012/2526

दो ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

निवाई। बरोनी थाना पुलिस ने पांचवें दिन भी लगातार अलग-अलग स्थानों से अवैध बजरी से भरे हुए दो ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त किए हैं। थाना अधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड ने बताया कि अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी एवं डीवाईएसपी अरविन्दकुमार के निर्देशन में अवैध बजरी परिवहन व खनन की रोकथाम के लिए संचालित अभियान के तहत थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया।

निर्जला एकादशी पर राहगीरों सहित आमजन को शरबत पिलाया

निवाई। निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर कई स्थानों पर राहगीरों व वाहन चालकों को बुला-बुलाकर शरबत पिलाई गई। इसी दौरान बस स्टेंड के पास केमिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में राहगीरों व आमजन को शरबत पिलाकर अनेकों पहल की है। जो समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा का श्रोत है। वहीं शहर में दिन भर सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर राहगीरों को ठंडाई, मैंगो शेक, शर्बत, शिकंजी, छाछ के स्टॉल लगाए गए। महिलाओं ने भी निर्जला एकादशी का व्रत रखकर सामूहिक कथा की। शहर के मन्दिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है।

> धार्मिक संगठनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर राहगीरों को ठंडाई, मैंगो शेक, शरबत आदि का वितरण किया

निवाई में बादरे वाले बालाजी के मंदिर में लोगों को शरबत पिलाया।

एकादशी का व्रत भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-आराधना के लिए समर्पित होता है। एकादशी पर पूरे दिन व्रत रखते हुए भगवान विष्णु का नाम और उनके मंत्रों का जाप करने का विशेष महत्व है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि सभी एकादशियों में सर्वश्रेष्ठ है। इस एकादशी को निर्जला और भीमसेनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इसी प्रकार बांदरे वाले बालाजी के मंदिर में बांदरे नवयुवक मडल के तत्वावधान में राहगीरों व आमजन को शरबत पिलाकर पुण्य कमाया। इस दौरान युवकों ने भारी उत्साह के साथ आने जाने वाले राहगीरों का आमजन को बुला-बुलाकर शरबत पिलाई। इस अवसर पर ब्रजमोहन अठावाल, ओम प्रकाश प्रजापत, गोपाल कृष्ण पारीक, मोहित सैनी, धर्मसिंह गुर्जर, अभिषेक पारीक, विकास कसाना कांटोली, गणेश चौधरी, अंकित प्रजापत व लक्ष्मीचन्द शर्मा, बांदरे बालाजी मण्डल के आदित्य शर्मा, जसवंत जायसवाल, रोहित शर्मा, राहुल शर्मा, योगेश टेलर व संतोष जायसवाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

'रैगर महासभा आपके द्वार' अभियान शुरु

निवाई। अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में बहुउद्देशीय मुद्दों को लेकर महासभा आपके द्वार अभियान का द्वितीय चरण तहसील दूनी के गांव ख्वासपुरा सें शुभारम्भ हुआ। महासभा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल ने बताया कि महासभा आपके द्वार अभियान का द्वितीय चरण को लेकर 9 जून तक तहसील दूनी, नगरफोर्ट एवं उनियारा तहसील के करीब 28 गाँवों में महासभा टीम द्वारा सामाजिक कुरुतियों को समाप्त करने एवं विभिन्न मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला महामंत्री रामभज वर्मा बगड़ी ने बताया कि शुक्रवार को महासभा आपके द्वार कार्यक्रम के तहत समाज को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज की जनगणना एवं ठाामवार सरकारी व निजी क्षेत्र के अधिकारी व कर्मचारियों की सुचिया तैयार करना, प्रत्येक गाँव में महासभा के अधिक सें अधिक नये सदस्य बनाना, पाखंड, अंधविश्वास एवं आडंबरों के विरुद्ध समाज में चेतना पैदा करना, दहेज के सामान का प्रदर्शन नहीं करना एवं सिंवाला पर दहेज की सूची सुनाना, बारात में डीजे बंद, बारतियों की संख्या 200 सें अधिक नहीं, गार्डन व गैलरी में प्रिवैडिंग फोटो लगाने पर प्रतिबंध, मायरा व जामना पर साथ जाने वाले भाई बंधुओं को कपड़ो की बजाय नकद राशि देने, जामणा को बंद करने, केवल नहावण पर पांच कपडे देने तथा महिला की मृत्यु होने पर पीहर एवं पुरुष के ससुराल का ही कफ़न लेने, दाह संस्कार में केवल नारियल ही लेकर आने आदि कुरुतियों को बंद करने के लिए समाज के लोगों को जाठात किया जाएगा। अभियान में जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ शकुंतला वर्मा, जिला महामंत्री रामभज वर्मा, जिला संगठन सचिव शंकरलाल बांसिवल, तहसील अध्यक्ष राजेश देवतवाल, तहसील अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ अमित थलेटिया, जिला प्रचार प्रसार सचिव केलाराम सेवलिया, उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ मनराज तुनगरिया, सच्चिदानंद व ब्रजेश अध्यापक सहित प्रदेश एवं जिला कार्यकारणी के सदस्य मौजूद थे।

पेट्रोल डाल कर आग लगाने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। स्थानीय थाना पुलिस ने विगत 24 मई की रात्री को ग्राम खरखड़ी मोड स्थित एक शराब के गोदाम पर हुई आगजनी की घटना में कार्यवाही करते हुए तीन और आरोपीयों को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। पुलिस उप महानिरीक्षक राजन दुष्यंत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र आरोपीयों की गिरफ्तारी करने के लिए निर्देशित किया था।

जिसकी पालना में एएसपी वैभव शर्मा व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक एवं थाना प्रभारी राजेश शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया। एएसआई धोलाराम, हैड कानी. शमशेर सिंह, धर्मपाल, कानी. दयाराम, विरेन्द्र, राकेश व प्रदीप को शामिल किया।

पौधों के रख रखाव का लिया संकल्प

निवाई। प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत चांडक एसोसिएट्स खनन पट्टा धारक संस्थान के तत्वावधान में अन्तर्राष्टीय पर्यावरण दिवस पर नदी क्षेत्र व हमीरपुर रोड सहित कई स्थानों पर पौधरोपण किया गया एवं भविष्य में इस अभियान को पर जारी रखने का संकल्प लिया। लीज प्रबंधक दलीप पारीक ने बताया कि वृक्षों की कमी से तापमान में बढोतरी हो रही है। वातावरण संतुलन के लिए पौधे लगाना चाहिए। उन्होंने बताया कि लगाएं गए सभी पौधों को पानी देने एवं उनके रख रखाव का भी संकल्प लिया गया। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षा ऋतु में संस्थान द्वारा सैंकड़ों पौधे लगाएं जाएंगे।

श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

निवाई/गुंसी। गांव लुहारा में सती माता की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शुक्रवार को गाजे बाजे से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रशासक बिंदु कंवर ने बताया कि लुहारा के भोमिया जी मंदिर के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी दो सती माता की मूर्ति थी। दोनों मूर्ति बिना मंदिर के कच्चे स्थान पर ही बिराजमान थी। इन्हीं मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर में बिराजमान को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। आचार्य टीकम चंद एवं भगवानसहाय शर्मा के सानिध्य में वैदिक मंत्रोचारण के साथ 151 कलशों में अमृत जल भरकर गांव के मध्य में स्थित ठाकुरजी के मंदिर से कलश यात्रा रवाना हुई।

यात्रा गांव के मुख्य मार्गो से होती हुई स्थापना स्थल पर पहुंची जहां कलशों को स्थापित किया गया। यात्रा में डीजे के भक्तिमय भजनों पर श्रद्धालुओं जमकर भक्ति नृत्य किया। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए चल रही थी। आचार्य शर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में शुक्रवार को देहदान, शनिवार को अभिषेक एवं रविवार को प्राण प्रतिष्ठा एवं मूर्ति स्थापना की जाएगी।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य प्रभू दयाल शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री चांदमल शर्मा, निवासी- मकान नम्बर-4, नवहाल भवन, सेनापति हाउस के सामने, पुलिया के नीचे, अजय सर्किल, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान, मो0 न0-9352229113 का निवासी है। उपरोक्त वर्णित परिसर हम चारो भाईयो की पैतृक सम्पत्ति है। इस सम्पूर्ण पैतृक सम्पत्ति मेरे अन्य भाई विक्रय, रहन, गिरवी एवं बैंक से लोन नही लेवे। मेरे अन्य भाईयों से इस सम्पूर्ण पैतृक सम्पत्ति को खरीदने का कोई व्यक्ति संव्यवहार करता है तो पहले मेरे अभिभाष्य से सम्पर्क करे। इस बावत यह आम सूचना में जनहित में प्रेषित है। सूचित रहे।
जयपुर (नूतन कुमावत) एडवोकेट
दिनांकः-06.06.2025 मो-9887303680

मदरामपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर
(कार्यालय- 330 वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड़, जयपुर)
Ref No. MPGNSS/2025/66 Date: 06/06/2025
वार्षिक आम सभा सूचना
मदरामपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आम सभा दिनांक 26/06/2025 को प्रातः 11 बजे समिति के वर्तमान कार्यालय 330, वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर पर आयोजित की जा रही है जिसमें आपकी उपस्थिती अनिवार्य है। आम सभा एजेण्डा इस प्रकार है:-1. कार्यकारिणी के कार्यो के संबंध में विचार 2. ऑडिट रिपोर्टों पर विचार 3. आक्षेपपूर्ति पर विचार 4. समिति के चुनाव करवाने पर विचार एवं अन्य विषयों पर अध्यक्ष महोदय की अनुमति से विचार-विमर्श किया जावेगा। कोरमपूर्ति के अभाव में आम सभा उसी दिन निर्धारित समय के आधे घंटे पश्चात् आयोजित की जायेगी। (मंत्री)

सिन्धु नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि., जयपुर
1434, भूराटीबा, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, चांदपोल बाजार, जयपुर
Ref No. SNCHS/2025/63 Date: 06/06/2025
वार्षिक आम सभा सूचना
समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 25/06/2025 को प्रातः 11 बजे समिति के कार्यालय 1434, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, चाँदपोल बाजार, जयपुर पर आयोजित की जा रही है ... (सचिव)

राजस्थान आवास मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर ... संपदा प्रबंधक-प्रथम, रा.आ. मण्डल, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर Jda.rajasthan.gov.in
विज्ञप्ति ... राजावत पुत्र श्री ब्रिजराज सिंह राजावत को उपहार कर दिया गया। वर्तमान में इनके द्वारा उक्त भूखण्ड/का नाम हस्तान्तरण किये जाने हेतु निवेदन किया गया हैं। इस संबध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था / हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा समय सीमा पश्चात आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी कर दिया जावेगा। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। सूचित रहें।
उपायुक्त जोन-8, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय- अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम सांगानेर
मीनावाला गृह निर्माण सहकारी समिति बनाम सुभाष चन्द व अन्य
वाद / बाजदायरी प्रार्थना-पत्र
प्रार्थना-पत्र संख्या-165/2024
नाम-(1). सुभाषचन्द पुत्र श्री कुन्दन मल जैन (2) अनिल कुमार पुत्र श्री कुन्दन मल जैन समस्त निवासी - मोहनपुरा, तहसील सांगानेर जिला जयपुर हाल निवासी- मकान न. 722, बोरडी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन बाबत वाद-पत्र को रेस्टोर किये जाने हेतु प्रस्तुत किया है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है, कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 17/07/2025 को 10.30 प्रातः पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 19 माह 5 सन 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई। (मोहर अदालत)
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायालय संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवास मण्डल वृत्त-तृतीय जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर 0141-4901853 ... **आम जाहिर सूचना** दिनांक 06.06.2025 ... संपदा प्रबंधक-तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

सार्वजनिक सूचना नगर निगम, जयपुर, हैरिटेज ... उपायुक्त (राजस्व), नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

आम सूचना ... दिनांक : 5.6.25 (मोईन खान), एडवोकेट मो. नं. 7568474550

कार्यालय नगर पालिका लवाण, (जिला-दौसा)
क्रमांक-न.पा.ल./2025-26/309 प्रारूप-10 नियम 6 (7) दिनांक-05/06/2025
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर पालिका, लवाण
लोक सूचना
पवन कुमार महावर पुत्र शंकरलाल महावर हिस्सा पूर्ण जाति-कोली ने इस कार्यालय में नीचें उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपनें अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र.सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
1	दौसा/लवाण	लवाण	4077	0.10 है0

इसलिए, इसकें द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के आवासीय उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करनें और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेंजों के साथ अपनें आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपयुक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी की आक्षेप नहीं है तदनुसार मामलें का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 05/06/25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत एवं अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका लवाण, दौसा

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2025-26/3666 सार्वजनिक सूचना दिनांक : 28.05.2025
सुभाष नगर सूमो योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 8 क्षेत्रफल 132.64 वर्गगज का आवासीय रूपान्तरण पट्टा विलेख क्रमांक 6236 दिनांक 13.02.2013 नगर सुधार न्यास, भरतपुर द्वारा श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी स्व० श्री सोहन लाल शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी - अशोक बिहार, सुभाष नगर, भरतपुर के नाम जारी किया गया। श्रीमती कृष्णा देवी की मृत्यु दिनांक 04.02.2024 को उनके पति श्री सोहन लाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 02.06.2010 एवं उनकी पुत्री सुनीता की मृत्यु दिनांक 01.05.2021 को हो चुकी है। तहसीलदार द्वारा जारी परिवार सूची अनुसार श्रीमती कृष्णा देवी के वारिसान् सुनीता (मृतक) पत्नी श्री राजेश कुमार, श्री आर० साहिल (नवाशा) पुत्र श्री राजेश कुमार हैं। आवेदक श्री आर० साहिल पुत्र श्री राजेश कुमार जाति ब्राह्मण निवासी - 204, बी ब्लॉक द्वितीय फ्लोर, गजेन्द्र बिहार, ए.डब्ल्यू.एच.ओ. कॉलोनी, धूलकोट माफी, देहरादून, सेलाकुई, उत्तराखण्ड उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं। भूखण्ड संख्या 8, सुभाष नगर, सूमो, भरतपुर का नाम परिवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है।
भूखण्ड संख्या 8, सुभाष नगर, सूमो, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 8, सुभाष नगर, सूमो, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

कृषि अनुसंधान केन्द्र
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ( )/कृअके/2025-26/123-128 दिनांक 31.05.2025
निविदा सूचना (2025-26)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 12.06.2025 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रातः 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह् 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर संचालित कपास, मक्का, PVT परियोजना में कृषि कार्य।	723575/-	14500/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

खोया पाया

मेरा मकान नम्बर- 163/119 का पजेशन लेटर 5269 मालवीय नगर से प्रताप नगर के बीच गुम हो गया है- 9902066968

मेरे प्लाट का मूल आवंटन पत्र जो कि लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, प्लाट न.201, कृष्णा नगर, जयसिंहपुरा उर्फ रूपवास, डिग्गी रोड, सांगानेर, जयपुर के नाम से है खो गया है कृपया मिलने पर सूचित करें मो.9664124376

मेरे प्लॉट संख्या 59, प्रेम कुंज, ग्राम जयसिंहपुरावास, भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जयपुर के मूल दस्तावेज़ जिसमे खातेदारी पट्टा, सोसाइटी साइट प्लान, रसीद, जेडीए एनओसी, पजेशनलेटर थे दिनांक 05.06.2025 को जयपुर मे कही गिर गए है। मिलने पर सूचित करें: 9352867071

मेरे मकान 1/142 घाट की गुनी, जयपुर का मूल आवंटन पत्र डिक्लेरेशन लेटर- जवाहर नगर में कहीं खो गए है मिलने पर सूचित करें- 7849923861 लालसिंह

कार्यालय नगर पालिका मण्डल चाकसू, जिला जयपुर ग्रामीण (राज.)
क्रमांक:-न.पा.चा./2025/1773 सार्वजनिक सूचना दिनांक 05.06.25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गिरधारीलालपुरा से शक्करखावदा रोड की ओर वर्तमान में कच्चा रास्ता मौजूद है जो राजस्व ग्राम नैनवा की ढाणी पटवारी हल्का शक्करखावदा, भू.अभि.नि. क्षेत्र छान्देलकलां, तहसील चाकसू, जिला- जयपुर के खसरा संख्या 164, 163, 155, 156, 148 आदि की भूमि से होकर गुजर रहा है। उक्त रास्ते का मार्गाधिकार निर्धारित नहीं किया हुआ है, जिससे इस रास्ते पर भूमि रूपान्तरण की कार्यवाही लम्बित है। अतः नविवि की अधिसूचना दिनांक 10.08.2020 की पालना में इस रास्ते की चौड़ाई 60 फीट निर्धारित की जानी है। अतः इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो या कोई सुझाव प्रस्तुत करना चाहे तो 10 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। 10 दिवस पश्चात प्रस्तुत गुणावगुण के आधार पर आपत्ति या सुझावों (प्राप्त होने की स्थिति में) का निस्तारण करके एवं आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं होने की स्थिति में सीधे ही इस कच्चे रास्ते का मार्गाधिकार 60 फीट निर्धारित कर दिया जावेगा एवं तदनुसार भविष्य में मास्टर प्लान में शामिल कर लिया जावेगा। साथ ही इस रास्ते पर वर्तमान में लंबित तथा भविष्य में प्राप्त हेतु वाले प्रकरणों का निपटारा इस मार्ग को 60 फीट मानते हुए ही किया जावेगा। सूचित हो।
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका चाकसू

कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भूविज्ञान विभाग, जयपुर ... **विज्ञप्ति** ... (श्याम कपाडी) खनि अभियन्ता, जयपुर।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त तृतीय राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त-तृतीय ... संपदा प्रबंधक वृत्त तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

आम-सूचना ... बी.पी. सांखला, एडवोकेट. मो. 9829063273

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/314 ... SARYU MARG, MADHYAM MARG, MANSAROVAR, JAIPUR-302020 ... MAHARISHI BHRIGU SADAN SUNDAR MARG, TILAK NAGAR, JAIPUR-302004 ...
कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 04/08/2025 (मोहर अदालत)
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय उपायुक्त, (झोटवाडा जोन) नगर निगम, जयपुर ग्रेटर
क्रमांक-एफ-3( )झो.जोन/ज.न.नि./2025/470 दिनांक-06/06/25
सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या 1,2,3 एवं 4 कॉस्मो कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर का जयपुर संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर द्वारा 1. श्री भंवर रायसल पुत्र श्री रिपुदमन सिंह भुखण्ड संख्या 1 जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के नाम से भूमि का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा दिनांक 08.08.2005 को 383.77 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया था। 2. श्री गिरधर प्रताप सिंह पुत्र श्री भंवर रायसल भुखण्ड संख्या 2 जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के नाम से भूमि का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा दिनांक 13.03.1995 को 384.44 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया था। 3. श्रीमति सुनीला रायसल पत्नि श्री भंवर रायसल भुखण्ड संख्या 3 जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के नाम से भूमि का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा दिनांक 13.03.1995 को 368.88 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया था। 4. श्री शत्रुजय सिंह पुत्र श्री भंवर रायसल भुखण्ड संख्या 4 जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के नाम से भूमि का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा दिनांक 13.03.1995 को 587.73 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया था। श्री भंवर रायसल पुत्र श्री रिपुदमन सिंह, श्री गिरधर प्रताप सिंह पुत्र श्री भंवर रायसल, श्रीमति सुनीला रायसल पत्नि श्री भंवर रायसल एवं श्री शत्रुजय सिंह पुत्र श्री भंवर रायसल द्वारा दिनांक 28.10.2021 को भुखण्ड संख्या 1,2,3 एवं 4 संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा पुर्नगठन कुल क्षेत्रफल 1724.82 है। दिनांक 24.01.2022 को श्री गिरधर प्रताप सिंह, श्री शत्रुजय सिंह पुत्र श्री भंवर रायसल के हक मे रजिस्टर्ड वसीयतनामा किया गया। दिनांक 07.02.2022 को श्रीमति सुनीला रायसल की मृत्यु हो गई, दिनांक 05.09.2024 को श्री भंवर रायसल पुत्र श्री रिपुदमन सिंह की मृत्यु हो गई आवेदक द्वारा प्रस्तुत इकरारनामा, नाम हस्तान्तरण पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री गिरधर प्रताप सिंह, श्री शत्रुजय सिंह पुत्र श्री भंवर रायसल के पक्ष मे क्षेत्रफल 1724.82 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण को जारी किये जाने बावत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस मे अद्योहस्ताक्षकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, झोटवाडा जोन) मे प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त, झोटवाडा जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मण्ढा, पंचायत समिति पावटा (जयपुर)
क्रमांक :- ग्रा.पं.म/निविदा/2025-26/31 दिनाकः - 3/6/25
ई-निविदा सूचना 2024-25
सर्वसाधारण एवं पंजीकृत सवेदकों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति पावटा के अधिनस्थ ग्राम पंचायत मण्ढा में नियम 181 के तहत पचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम, एव राज्य सरकार के अधिकृत संगठना में पजीकृत राक्षम श्रेणी ए.बी एवं सी तथा डी व ई श्रेणी के सवेदको से खुली निविदा के माध्यम से (डिफेक्ट लाइविलिटि पिरीयड वर्ष) कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं जी-शिड्यूल एवं अन्य सूचनाआ विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN: ZJP2526WSOB00775
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत मण्ढा — प्रशासक, ग्राम पंचायत मण्ढा

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर।
क्रमांक :- जसअ/2025/88 दिनांक: 05.06.2025
ई- निविदा सूचना संख्या 86-98/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB00689 to UBN No. JMC2526WSOB00690, UBN No. JMC2526WSOB00694 to UBN No. JMC2526WSOB00705
अधिशाषी अभियन्ता, मुरलीपुरा जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर।
राज.संवाद/सी/25/3789

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT THOI PS-SRIMADHOPUR(SIKAR)
No.Eproc/2025-26/58-59 Date:- 6-6-2025
E-Tender Notice No. 02/2025-26
Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat THOI Panchayat Samiti Srimadhopur (Sikar) are invited from Firms/ Suppliers Registered Under the GST act 2017, up to 6.00 PM of 16-06-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat THOI Office in all working days.
UBN:- SMD2526GLRC00071
SARPANCH, GRAM PANCHAYAT THOI, PANCHAYAT SAMITI SRIMADHOPUR — VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER, GRAM PANCHAYAT THOI, PANCHAYAT SAMITI SRIMADHOPUR

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ( )/कृअके/2024-25/129-134 दिनांक 03.06.2025
निविदा सूचना (2025-26)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 12.06.2025 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रातः 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह् 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म बांसवाड़ा पर संचालित बी.टी. कपास परियोजनाओं में कृषि कार्य।	7,00,000/-	14,000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

कार्यालय नगर पालिका लवाण, (जिला-दौसा)
क्रमांक-न.पा.ल./2025-26/305 दिनांक-05/06/2025
प्रारूप-10 नियम 6 (7)
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर पालिका, लवाण
लोक सूचना
शंकरलाल पुत्र गोपीराम हिस्सा पूर्ण जाति-कोली ने इस कार्यालय में नीचें उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक आवासीय प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपनें अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र.सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
1	दौसा / लवाण	लवाण	1263	0.14 है0
2	दौसा / लवाण	लवाण	1265	0.33 है0
3	दौसा / लवाण	लवाण	1271	0.15 है0
4	दौसा / लवाण	लवाण	1272	0.15 है0
5	दौसा / लवाण	लवाण	1275	0.27 है0
6	दौसा / लवाण	लवाण	1278	0.29 है0
7	दौसा / लवाण	लवाण	1335	0.19 है0

इसलिए, इसकें द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृमि अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के आवासीय उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करनें और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेंजों के साथ अपनें आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपयुक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी की आक्षेप नहीं है तदनुसार मामलें का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 05/06/25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका लवाण, दौसा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
शाखा कार्यालयः पुराना स्टेशन रोड़, अलवर जिला अलवर, राजस्थान 301001 ई-मेल: vjalwa@bankofbaroda.com
अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस ...
1. श्रीमती संगीता चौधरी पत्नी श्री राजेश कुमार चौधरी एवं सह-ऋणी श्री राजेश कुमार चौधरी पुत्र श्री इंद्राज सिंह चौधरी, फ्लैट नं. 11, ब्लॉक बी-1, द्वितीय तल, अपना घर शालीमार, तिजारा रोड़, अलवर, राजस्थान 301001 एवं गाँव रायपुर जाटां, पोस्ट हरसौली, तहसील कोटकासिम, जिला अलवर, राजस्थान 301403; जमानतदार- श्री गंगा सिंह चौधरी पुत्र श्री इंद्राज सिंह चौधरी, गाँव रायपुर जाटां, पोस्ट हरसौली, तहसील कोटकासिम, जिला अलवर, राजस्थान 301403 एवं निज़ाम नगर, वार्ड नं. 1, पोस्ट बड़ौदा मेव, तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला अलवर, राजस्थान 301001 ...
विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए ... https://baanknet.com देखें। ...
दिनांक:03.06.2025 स्थान: अलवर — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

संक्षिप्त

ट्रांसफार्मर की साफ-सफाई

पावटा। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भाभरू गाँव में ट्रांसफार्मर के आसपास के क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान ट्रांसफार्मर में जमा कचरे, झाड़ियों एवं घास-फूस की सफाई की गई। इस स्वच्छता कार्य में स्थानीय लाइन स्टाफ, फीडर इंचार्ज एवं संबंधित विभागीय कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य बिजली आपूर्ति क्षेत्र को सुरक्षित व स्वच्छ बनाना तथा संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम करना है। जन सहयोग से ही ऐसे अभियानों को सफल बनाया जा सकता है। सहायक अभियंता जवाहर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विराटनगर कपिल शर्मा ने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि ट्रांसफार्मर व अन्य विद्युत संरचनाओं के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग करें।

ठंडे शरबत का वितरण

पावटा। उपखंड पावटा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत दूसरे दिन कार्यालय सहायक अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पावटा द्वारा निर्जला एकादशी पर जल सेवा के दौरान लोगों को गर्मी से राहत देने के लिए ठंडे शरबत का वितरण किया । उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में पावटा कस्बे के मुख्य बस स्टैंड पर ठंडा शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने लोगों से वंदे गंगा जन अभियान से जुड़ने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सहायक अभियंता दयाराम चौधरी, पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अधिकारी, कर्मचारी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

ईद की नमाज आज

मालपुरा (निस) ईद ऊल अजहा के पर्व पर आज शनिवार को प्रात: 8 बजे केकडी रोड ईदगाह मे होगी ईद की सामुहिक नमाज। शहरकाजी वकार अहमद अदा करवायेंगे ईद की नमाज। नमाज के पश्चात मुस्लिम धर्मावलम्बी अपने घरो पर कुर्बानी की रस्म करेगें । शुक्रवार को गांधी पार्क जामा मस्जिद मे योंमे अरफा के मौके पर जुम्मे की नमाज अदा कर मुस्लिम धर्मावलम्बियो ने मांगी अमन-चैन की दुआ। नमाज के पश्चात मस्जिद के पास लगी बकरा मंडी मे लोगों ने जमकर की बकरो की खरीद।

निर्जला एकादशी पर विशेष पूजा

मालपुरा (निस)। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष के निर्जला एकादशी पर शुक्रवार को महिलाओं ने मंदिरो मे पवित्र जल से भरे पात्र की विशेष पूजा अर्चना कर भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की सुनी कहानी। तीर्थस्थल डिग्गी में कल्याणजी महाराज के मंदिर में महिलाओं ने घरूड चौक मे सामुहिक पूजा अर्चना कर कथा सुन कल्याणधणी को चढाये फल व जल से भरे पात्र। हिन्दु संस्कृति मे निर्जला एकादशी को वर्षभर की एकादशी को महत्वपूर्ण माना गया है इस दिन बिना पानी पीये व्रत वास रखने का विधान है।

'किसानों को वर्षभर पानी मिलने से आमदनी बढ़ी'

भरतपुर (निस)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत जल संरक्षण, सिंचाई प्रबंधन के लिए हुए कार्यों से ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण की परम्परा पल्वित हो रही है। साथ ही किसानों को बिना लागत के सिंचाई सुविधा का लाभ मिलने से सरकार की किसानों को दुगुनी आमदनी करने का सपना भी साकार हो रहा है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई - 2.0 योजना में जिलेभर में फॉर्म पॉण्ड निर्माण, पोखरों में रिचॉर्ज सॉफ्ट निर्माण एवं तलाई गहरी करने के कार्य से ये परम्परागत जल स्त्रोत वर्षा जल संरक्षण के बडे स्थल बनकर ग्रामीण क्षेत्र में मानव जीवन, पशु-पक्षी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए भी मददगार साबित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान में प्रत्येक गांवों में जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार एवं संरक्षण का कार्य हाथ में लिया गया है जिनमें परम्परागत कुंओं का रखरखाव, तलाई एवं पिट निर्माण, एनीकट, तालाबों के पिचिंग कार्य से जल संरक्षण की क्षमता बडी है। वर्षभर वर्षा का पानी जमा रहने से आसपास वनस्पति की हरितमा पट्टी भी इन क्षेत्रों में विकसित हो रही है।

जन कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का लक्ष्य : स्वामी सुमेधानंद

संकल्प से सिद्धि तक अभियान को लेकर चौमूं में जिला कार्यसमिति की बैठक हुई।

- पूर्व विधायक रामलाल शर्मा और जिलाध्यक्ष ने की शिरकत

चौमूं / कालाडेरा । भाजपा के संकल्प से सिद्धि अभियान को जिले में सफलतापूर्वक संचालित करने हेतु शुक्रवार को मोरीजा स्थित करणी वाटिका में आयोजित जयपुर जिला देहात (उत्तर) जिला कार्यसमिति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने अथितियों के साथ भारत माता और पंडित दीनदयाल जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की।

मुख्य वक्ता स्वामी सुमेधानंद ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत का अमृतकाल, सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल कार्यक्रम संकल्प से सिद्धि तक के अंतर्गत आयोजित अभियान भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने पर केंद्रित रहेगा। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि युवाओं को सरकार की योजनाओं से जोडने और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

जयपुर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी ने पार्टी द्वारा प्रस्तावित आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। जिला संयोजक सतवीर यादव, महिला मोर्चा जिला संयोजक ज्योति कंवर, जिला महामंत्री हेमंत निर्मल ने बताया कि 9 जून से 9 जुलाई तक चलने वाले अभियान के दौरान बूथ स्तर पर कार्यशालाए, चौपाले, डिजिटल प्रतियोगिताये और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष के भ्रमक प्रचार से जनता को जागरूक किया जाएगा। पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अथितियों का पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौक़े पर जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, बांसा मण्डल अध्यक्ष शंकर गगोरिया, कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, गोविन्दगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह सहित अनेक पार्टी के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

ऑक्सीजन प्लांट की खामियां दुरुस्त

पावटा। एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने धीरे-धीरे अपने पैर पसारने शुरू कर दिये हैं। विभिन्न राज्यों से नये मामलों की पुष्टि हो रही है, जिससे स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसी कड़ी में संभावित चौथी लहर की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त किया जा रहा है । कुछ समय पहले उपजिला अस्पताल पावटा में ऑक्सीजन प्लांट को लेकर मॉक ड्रिल की गयी थी । इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य यह जांचना था कि अस्पताल में ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली आपात स्थिति में कितनी सक्षम है। मॉक ड्रिल के दौरान सभी मशीनों, पाइपलाइनों और सपोर्टिंग सिस्टम की जांच की गई थी, और खामियों को देखते हुए शुक्रवार को संभावित तकनीकी खामियों को चिह्नित कर सुधार की दिशा में काम शुरू किया गया। ऑक्सीजन प्लांट को चालू कर उसका प्रेशर देखा गया व ऐसे में लीकेज समस्या पाई गई।

जिस पर उपजिला अस्पताल पावटा अधीक्षक डॉ रवि बंसल, डॉ. देवेंद्र शर्मा बताया कि मॉक ड्रिल के समय ऑक्सीजन प्लांट में आई लीकेज समस्या को दुरुस्त करवाया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि कोरोना के मामले अचानक तेजी से बढ़ते हैं, तो अस्पताल ऑक्सीजन की मांग को बिना किसी बाधा के पूरा कर सके। मॉक ड्रिल के दौरान सभी मशीनों, पाइपलाइनों और सपोर्टिंग सिस्टम की जांच की गई और संभावित तकनीकी खामियों को चिह्नित कर सुधार की दिशा में काम शुरू किया गया। ऑक्सीजन प्लांट के शुरू हो जाने से अब अस्पताल के हर बेड तक ऑक्सीजन पाइपलाइन से सीधे पहुंच सकेगी। इससे गंभीर मरीजों को तत्काल ऑक्सीजन देने में सुविधा होगी और उपचार में देरी नहीं होगी। उपजिला अस्पताल पावटा अधीक्षक डॉ रवि बंसल ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन की भारी कमी से क्षेत्र के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। इस प्लांट के दुरुस्त होने से भविष्य में किसी भी आपदा की स्थिति में लोगों को ऑक्सीजन की समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अस्पताल की अन्य सुविधाओं को भी और बेहतर किया जाएगा।

जल संरक्षण अभियान में नहरों की सफाई

- जल सेवा कर यात्रियों को पिलाया ठंडा पानी, स्वच्छता का संदेश दिया

टोंक। वंदे-गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़े के दूसरे दिन शुक्रवार को जल संसाधन, जलदाय विभाग, विद्युत, पुलिस एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर कार्य किए। इसमें आमजन को शामिल करते हुए लोगों को भी जागरूक किया गया। जल संसाधन विभाग ने जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के जन सहयोग से माशी बांध से निकलने वाली मुख्य नहर की साफ-सफाई का कार्य कराया तथा श्रमदान के माध्यम से गणेता सागर बांध की मीडिल कैनाल, बीसलपुर बांध की बनेठा माइनर आरडी, मोती सागर बांध की महुवा माइनर आरडी की साफ-सफाई की गई। जलदाय विभाग ने विभिन्न उपखंडों में रोड़वेज बस स्टैंड, कृषि उपज मंडी समेत अन्य स्थानों पर वंदे गंगा जल सेवा के तहत एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से ठंडा पेयजल यात्रियों और लोगों को पिलाया। साथ ही, जल परीक्षण कर जिले के विभिन्न इलाकों में पानी की शुद्धता को भी जांचा। विद्युत विभाग ने ट्रांसफार्मरों के आसपास उगे झाड़-झंकार को हटाया। इसके साथ ही, पुलिस विभाग ने भी श्रमदान कर पर्यावरण की स्वच्छता को बनाए रखने का संदेश दिया। स्वयं सेवी संस्थाओं ने पक्षियों के परिंडे बांध और पशुओं के पीने के लिए साफ पानी की व्यवस्था की।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

- मृतक रामदेव 7 बहिनों व अभिषेक दो बहिनों में इकलौते भाई थे,
- मृत्तकों के शवों को राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी

निवाई। पराणा रोड पर स्थित गांव अभयपुरा मोड पर शुक्रवार को एक ट्रैक्टर की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। सूचना पर बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड मय जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और मृत्तकों के शवों को राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी।

बरोनी थानाधिकारी राठौड ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर करीब एक बजे रामदेव गुर्जर (19)पुत्र लादू गुर्जर व अभिषेक चौधरी(16) पुत्र श्योजी चौधरी दोनों निवासी जौंला मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव पराणा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अभयपुरा मोड पर एक ट्रैक्टर असंतुलित होकर उनकी मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवकों की मौक पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक मौके से ट्रैक्टर भगा ले गया। पुलिस ने दोनों युवकों के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। अस्पताल में परिजनों के आने के बाद पुलिस ने दानों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। उन्होंनें बताया कि दोनों युवक पढाई करते थे एवं परिजनों की मदद के लिए खेती का कार्य भी करते थे। उन्होंने बताया कि मृतक रामदेव गुर्जर 7 बहिनों में इकलौता भाई था व अभिषेक चौधरी दो बहिनों में इकलौता भाई था। दोनों युवकों के शव गांव में पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया एवं शोक की लहर दौड गई। थानाधिकारी ने बताया पुलिस अज्ञात ट्रैक्टर व चालक की तलाश कर रही है।

महिलाओं ने जलाशयों का पूजन किया

ग्रामीण महिलाओं व नरेगाकर्मियों ने जलाशय पर कलश पूजन किया।

सांभरझील, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत बरडौती में राजस्थान सरकार के आदेशानुसार महानरेगा में आज वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत सार्वजनिक तलाई (चारागाह में पीली खान) पर सैकडों ग्रामीण महिलाओं व नरेगाकर्मीयों द्वारा जलाशय पर कलश पूजन किया। धूमधाम से नाचते हुए गीत गाकर जलाशय की परिक्रमा की।

इस मौके पर समाजसेवी पोखर मल यादव की ओर से व्यवस्था को अंजाम दिया गया, जिसका ग्रामीणों ने आभार जताया। डीजे पर धार्मिक गीतों के साथ महिलाऐं झूम उठी और नाचने का जमकर आनन्द लिया। इस मौके पर पोखर मल यादव, निशा कुमावत, मांगीलाल कुमावत, कालुराम यादव, रामेश्वर वर्मा, रामनारायण यादव, गीता देवी, प्रेम देवी, कमला देवी व बिमला देवी सहित सैकडों ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

भूजल स्तर को फिर से संवारने का काम करेगा गंगा जल अभियान : रामहेत

किशनगढ़ बास। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जिला कलेक्टर किशोर कुमार एवं भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत यादव ने शुक्रवार को किशनगढ़ बास के गांव बंबोरा में 102 साल पहले जल के संरक्षण के लिए गांव में सेठ सुंढाराम की ओर से निर्मित बावडी पर पूजन कर ग्रामीणों को सरकार के जल संरक्षण, पर्यावरण व प्लास्टिक मुक्त अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए सहभागिता के लिए शपथ दिलाई। इस मौके पर तुलसी के पौधे व कपडे के बैग भी वितरण किए तथा गांव में जन जागरूकता के लिए निकाली गई कलश यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच एवं ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर किशोर कुमार, भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित पहुंचे अधिकारी जनप्रतिनिधियों का साफा व माला से सम्मान किया। इस मौके पर कलैक्टर और पूर्व विधायक यादव ने बावडी का 102 साल पहले निर्माण कराने वाले परिवार के मूल चंद गुप्ता का साफा पहनाकर स्वागत किया। व्यापार महा संघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी, मदन लाल, जनेश भूटानी प्रभु दयाल चंदनानी आदि व्यापारियों ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस दौरान मूलचंद गुप्ता ने बताया की बावडी का निर्माण उनके पूर्वज दादा सुढाराम ने अपनी पत्नी के स्वस्थ होने की मन्नत पूरी होने पर कराया था। उस दौरान एक रुपए में करीब 12 ट्रैक्टर पत्थर खरीद कर इस बावडी का निर्माण कराया गया था। कुछ साल पहले ही ग्राम पंचायत के सहयोग से बावडी का विकास किया गया है।

इस अवसर पर कलेक्टर ने संबोधित किया और कहा पानी की कमी को देखते हुए सरकार ने जल संरक्षण को लेकर वंदे गंगा जल अभियान चलाया है। इस अभियान में कुआं, बावडी, जोहड, तालाब व बाघों में जल संचय का कार्य आमजन की सहभागिता से किया जाएगा। इससे भूजल के स्तर मैं वृद्धि के साथ आमजान को पाने की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

इसके साथ सरकार ने पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण व गांव शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया हुआ है जो स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन के लिए बड़ा ही उपयोगी होने के साथ पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए सिद्ध होने वाला है।

राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव ने इस मौके पर संबोधित करते हुए कहा 2008 में जब वह पहली बार किशनगढ बास से विधायक बने तो बंबोरा और गंज में बारिश का इतना पानी आता था कि किशनगढबास के बाजार डूब जाते थे आज हालात ऐसी है कि पीने के लिए पर्याप्त हमारे पास पानी नहीं है भूजल स्तर दिन-प्रतिदिन नीचे जा रहा है। अतिक्रमण और पानी के दुरुपयोग से प्रकृति हमसे रूठ चुकी है। पहले जैसी बारिश भी नहीं हो रही है।सरोवर सूखे पडे हैं। हम वापस गंगा मैया, वरुण भगवान, और भागीरथ को मनाने के लिए आऐ है जिससे पहले जैसी बारिश हो और फिर से हमारे सरोवर तालाब पानी से लबालब भरने लगेंगे ।

उन्होंने कहा हम सब धार्मिक आस्था के लोग हैं। इसलिए हमारी सब की जिम्मेदारी है कि हम सहभगागिता से जल बचाओ, पेड लगाव व प्लास्टिक मुक्त सरकार के अभियान में अपना पूर्ण योगदान देकर अभियान को सफल कर आम जन के जीवन को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए । उन्होंने कहा गांव में पीने के पानी की समस्या को दूर करने के लिए 78 करोड की योजना मुख्यमंत्री ने मंजूर की है। मेवात के रूघ गिदवाडा से किशनगढ़ बास बबोरा सहित अनेक गांवों में पानी आएगा इस पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने गांव की पहाडी पर स्थित अर्चट माता मंदिर कि सड़क उनके कार्यकाल में बनी थी जो अब टूट गई उसे फिर से बनवाने का भरोसा दिया। नंगली ओझा गांव में चारागाह विकास कार्य के अंतर्गत लगभग 22 बीघा भूमि पर 2500 पौधे लगाए गए।

आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह क्षेत्र अब पर्यावरणीय संवर्धन के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर रहा है।ड्रिप सिंचाई प्रणाली और सोलर ऊर्जा से संचालित चार बोरिंग की मदद से पौधों को नियमित जल आपूर्ति की जा रही है, जिससे अधिकांश पौधे पूरी तरह जीवित हैं और अच्छे से विकसित हो रहे हैं। पिछले वर्ष इस कार्य से 80,000 की आय हुई। जिसे ग्रामीणों ने सरकार के खाते में जमा कराया। भविष्य की योजना के तहत, इस परियोजना से प्रति वर्ष लगभग 10 लाख की आय होने की संभावना है, जो ग्रामीणों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि होगी। यह परियोजनाएं सिर्फ हरियाली बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं।

सार-समाचार

बावड़ी का जीर्णोद्धार

राजगढ़ । नगर पालिका के समीप 7 लाख रुपए की लागत से गंगा बाग की बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य किया गया है, इस पानी के संरक्षण में मदद मिलेगी। बावड़ी में साफ-सफाई, सीढी व दीवारों की मरम्मत, रेलिंग लगाने, रंग- रोगन इत्यादि कार्य करवाए गए है। ग्राम राजपुर बड़ा में नरेगा योजना के तहत करीब साढ़े 7 लाख रूपये की लागत से जीर्णोद्धार कराई गई मालानी महादेव की बावड़ी के कार्य के बारे में स्थानीय निवासी राजेश बैरवा ने कहा कि इस प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार से इसका सुंदर स्वरूप निखर कर आया है और यह अब स्थानीय पर्यटन स्थल बन गया है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए गंगा दशहरा पर शुरू किए गए कार्यों की प्रशंसा की।राजगढ़ वंदे गंगा जल संरक्षण जल अभियान के तहत भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन के उद्देश्य से जल संचय संरचनाओं का निर्माण, सहित अन्य साफ सफाई के कार्य राजगढ़ क्षेत्र में किया जा रहे हैं। इस तरह की गतिविधियां 20 जून तक चलेगी। जल संरक्षण एवं पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में चल रही गतिविधियों के प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी आकलन हेतु वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान लोगों को रास आने लगा हैं। इसके तहत राजगढ के ग्राम फिरोजपुर जागीर में 9.2 लाख की राशि से निर्मित अमृत सरोवर का निर्माण क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान बना है। गांव के मिश्रीलाल मीणा एवं शीला देवी ने बनाया बताया कि अमृत सरोवर निर्माण से आसपास के गांव में पानी का जल स्तर बढा है साथ ही वन्य जीवों, पशु -पक्षियों इत्यादि के लिए पीने का पानी उपलब्ध हो सकेगा। 25-25 हजार रुपए की लागत से जल संरक्षण के लिए ग्राम पंचायत में निर्मित 6 सोख्ता गडढों का निर्माण किया गया है जिसे पानी संरक्षित हो सकेगा।

महापंचायत को लेकर बैठक

भरतपुर (निस)। राजेश पायलट गुर्जर छात्रावास भरतपुर पर गुर्जर समाज भरतपुर की बैठक गुर्जर महासभा जिलाध्यक्ष राजवीर सिंह घसौला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शहीद स्थल पीलूपुरा बयाना में 08 जून को गुर्जर महापंचायत के लिए जाने की सभी भरतपुर, उच्चौन, कुम्हेर, डीग, रूपवास के गुर्जरों के गांवों से अपने-अपने निजी वाहनों से जाने के खर्च का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। भरतपुर के आसपास के गांवों में पीले चावल बांटकर शहीद स्थल पीलूपुरा बयाना जाने का न्यौता गुर्जर समाज की टीम ने दिया। महापंचायत में एम.बी.सी. आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डलवाने बावत, गुर्जर आरक्षण आन्दोलन में लगे मुकदमों के निस्तारण बावत एवं देवनारायण योजना में विसंगतियों के निवारण सहित सभी 11 बिन्दुओं पर चर्चा करके आगे की रणनीति तय की जायेगी। इस बैठक में मुख्य रूप से भरत सिंह खटाना, अशोक सिंह, बालकिशन सिंह थानेदार, उदय सिंह पार्षद, दिनेश सिंह सिराधना, अर्जुन सिंह, जसवंत दारापुरिया, बबली धाऊ, भीम सरपंच, राजेन्द्र सरपंच, मुकेश बिलौठी, सिया चौकीपुरा, बल्लो पहलवान, शिवराम पहलवान, जनक विधूड़ी, जगवीर मलाह, बनय सिंह, अतर सिंह, अमर सिंह आदि पंच पटेल उपस्थित रहे।

पक्षी घर का निर्माण पूरा

भरतपुर (निस)। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा भरतपुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करते हुए एक पक्षी घर का निर्माण विश्व प्रिय शास्त्री पार्क में कराया गया है, जोकि पूर्ण हो चुका है। संयोजक भागचंद बंसल एवं राम अवतार कोठारी ने बताया कि पक्षी घर ग्यारह मंजिल का है प्रत्येक मंजिल पर सोलह घर बने हुए हैं कुल 176 पक्षियों के आवास की व्यवस्था है। सह संयोजक भारत शर्मा ने बताया कि इस पक्षी घर का निर्माण ग्यारह फीट ऊंचे पिलर पर किया गया है जिससे पक्षियों को बंदर कुत्तों तथा बिल्ली से बचाव रहेगा। पक्षी घर बनने से पक्षियों को बरसात में तथा प्रजनन अवधि में सुरक्षा मिलेगी, यह पक्षी घर छब्बीस फुट ऊंचा है। इस पक्षी घर के निर्माण लगभग 1.25 लाख रूपये की लागत आयी। पक्षी घर के निर्माण के बाद पार्क में आने वाले वॉकर्स ने इस कार्य की सराहना की एवं इस तरह के सामाजिक कार्यों में आगे आने की पहल की।

चारधाम यात्रा के दर्शन किए

टोंक। नामदेव टांक चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर कुमार टेलर (रामाज ग्रुप्स) और उपाध्यक्ष गिरधारी लाल टेलर व महासभा की प्रांतीय अध्यक्ष शकुंतला टेलर के नेतृत्व में नामदेव दर्जी समाज का 25 सदस्यों का दल 25 मई को जयपुर मोती डूंगरी गणेश के दर्शन कर यात्रा के लिए रवाना हुआ था। सामाजिक कार्यकर्ता गिरधारी लाल टेलर ने बताया की यात्रा दल हरिद्वार होते हुए यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ के दर्शन करने के बद्रीनाथ धाम के दर्शन कर भारत का प्रथम गांव माणा गांव घूम कर कतार्थ हुआ। अखिल भारतीय नामदेव टांक क्षत्रिय महासभा के पूर्व अध्यक्ष अनुराग रूनवाल ने बताया की यात्रा दल का जयपुर लौटने पर रामाज पैलेस में जिला जज सत्यनारायण टेलर ,लेफ्टिनेंट कर्नल मुकेश टांक, सुरेश लुहारिया सीकर अध्यक्ष, मुख्य आतिथ्य द्वारा यात्री दल के सभी सदस्यों का माला से सम्मान और स्वागत किया गया।

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत वृत्ताधिकारी टोंक राजेश कुमार विद्यार्थी व पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमीचन्द गोयल के नेतृत्व में गठित टीमो ने अवैध देशी शराब परिवहन करने वाले के खिलाफ कार्यवाही करते हुए अस्तल रोड माधोदाजी की बगीची के सामने से आरोपी नरेश उर्फ नरसी पुत्र छीतर लाल जाति गुर्जर उम्र 34 साल निवासी अस्तल रोड महावर नगर के कब्जे से 48 पव्वे अवैध देशी शराब के जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार टीम ने नगर परिषद कॉलोनी कृषि मण्डी एफसीआई गोदाम के पीछे वाली रोड़ पानी की टंकी के पास से आरोपी राहुल नायक पुत्र रमेश नायक उम्र 30 साल निवासी नायको का मोहल्ला वार्ड नं॰ 33 छावनी थाना पुरानी टोंक के कब्जे से 52 पव्वे अवैध देशी शराब के जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। दोनो आरोपियो के विरूद्द प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

मोदी फेन्स क्लब ने शर्बत बांटा

टोंक। मोदी फेन्स क्लब टोंक द्वारा अनूठी मिसाल बनाते हुए निर्जला एकादशी पर नर सेवा नारायण सेवा का संदेश देते हुए मुख्यालय स्थित घण्टाघर चोक पर ऑपरेशन सिंदूर के विजय अभियान कार्यक्रम के तहत भक्तिसंगीत के साथ शर्बत सेवा करते हुए केसर इलायची युक्त शर्बत का वितरण किया गया। इस दौरान अजीत सिंह मेहता, सरोज बंसल, नरेश बंसल लक्ष्मी जैन, बेनी जैन, गणेश माहुर, भगवान भंडारी, पंडित पवन सागर, शैलेन्द्र गर्ग, मनीष बंसल, आनंद बंम, रमेश काला ने कार्यकम में सेवा देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

चरण पादुकाओं की प्रतिष्ठा

श्रीमाधोपुर । गायत्री शक्तिपीठ अजीतगढ़ में गायत्री जयंती के शुभ अवसर पर अजीतगढ़ नागरिक परिषद जयपुर के तत्वावधान में दुर्गाप्रसाद नरेड़ी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के सहयोग से मकराना मार्बल से निर्मित प्रखर प्रज्ञा एवं सजल श्रद्धा की चरण पादुकाओं की विधि विधान से पूजा - अर्चना के साथ प्रतिष्ठा करवाई गई। इस मौके पर काफी संख्या में भक्तगण मौजूद थे । परिषद के संयोजक कैलाश सिपुरिया ने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ के अध्यक्ष वयोवृद्ध शिक्षाविद् घनश्याम पारीक ने त्रिकुण्डीय गायत्री महायज्ञ करवाया जिसमें सैकड़ों गायत्री भक्तों ने जनकल्याण के लिए आहुतियां दी। इस अवसर पर परिषद के डॉ विजय पारीक डेप्युटी रजिस्ट्रार सहकारिता, सीताराम सिपुरिया, कमलेश गुप्ता, रामू सैनी, गोविन्दनारायण शर्मा, गोपाल नरेडी, महेश दीवान, श्याम नागोलिया सहित काफी तादाद में कस्बेवासी उपस्थित हुए। समापन पर प्रसादी वितरण किया गया।

मैं कोई खास शैली नहीं अपनाना चाहता। मुझे खिलाड़ियों के साथ बात करना पसंद है उन्हें सुरक्षित महसूस कराना। एक कप्तान के तौर पर खिलाड़ियों के सात रिश्ता बनाना मेरे लिए अहम है। जब खिलाड़ी सुरक्षित होंगे तभी वे अपना 100 प्रतिशत देंगे। – शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, टेस्ट कप्तान बनने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ऋषभ पंत

रोहित और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना भारतीय टेस्ट टीम शुक्रवार सुबह इंग्लैंड के लिए रवाना हुई, जहां उसे पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में न सिर्फ टीम की बल्लेबाजी और रणनीति की परीक्षा होगी, बल्कि ये भी देखना दिलचस्प होगा कि रोहित की कप्तानी और उनकी मौजूदगी की कमी को युवा खिलाड़ी कैसे भर पाते हैं। टीम के रवाना होने से पहले मुंबई एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी के चेहरों पर मुस्कान ला दी। नए टेस्ट उप कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत जो अपनी चुलबुली और बिंदास अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

बेंगलुरु भगदड़ का आरोपी निखिल सोसाले? कोहली-अनुष्का के साथ आ चुका है नजर

बेंगलुरु, 6 जून। आरसीबी ने पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचा। लेकिन इस ऐतिहासिक जीत की खुशी उस समय मातम में बदल गई जब 4 जून को बेंगलुरु में आयोजित विजय परेड से पहले भगदड़ मचने से 11 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। इस दुखत हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। वहीं अब पुलिस ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी करते हुए आरसीबी की मार्केटिंग टीम के हेड निखिल सोसाले को हिरासत में लिया। उनके साथ इवेंट मैनेजमेंट कंपनीके तीन कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया।

बता दें कि, 3 जून 2025 को आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर आईपीएल 2025 का खिताब अपने नाम किया। बेंगलुरु में फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर था। इस जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को एक भव्य विजय परेड का आयोजन होना था। शुरुआत में इसे ओपन बस परेड के रूप में प्लान किया

गया था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। परेड से पहले ही भारी भीड़ बेकाबू हो गई और देखते ही देखते भगदड़ मच गई। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।वहीं इस हादसे के बाद आरसीबी मैनेजमेंट, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और बीसीसीआई ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब कर्नाटक हाईकोर्ट ने दखल दिया और 10 जून तक इस हादसे की पूरी रिपोर्ट मांगी। जांच में सामने आया कि विजय परेड की प्लानिंग में भारी लापरवाही बरती गई थी। पुलिस ने इस मामले में सबसे पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसाले को गिरफ्तार कर लिया है।6 जून को निखिल को बेंगलुरु एयरपोर्ट से उस समय हिरासत में लिया गया जब वह कथित तौर पर मुंबई भागने की फिराक में थे। पुलिस के मुताबिक निखिल ने विजय परेड की प्लानिंग में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा इंतजामों में कमी के कारण हालात बेकाबू हो गए। उनके सात इवेंट कंपनी के तीन कर्मचारी किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू को भी हिरासत में लिया गया है।

इंडोनेशिया ओपन : सात्विक-चिराग की जोड़ी का सफर हुआ समाप्त, मलेशियाई जोड़ी से मिली हार

जकार्ता, 6 जून। सात्विकसाई राज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी का सफर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी को मलेशियाई की मान वेई चोंग और ति काई वुन की जोड़ी के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड की पूर्व नंबर वन भारतीय जोड़ी 2023 में इस टूर्नामेंट की विजेता बनी थी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। ये चोंग वुन की जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पिछले पांच मैचों में ये पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मान वुन ने पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था।

पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मैन और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ियों ने दो बार नेट पर शॉट मारा, जिसके बाद भारतीयों ने वापसी करते हुए 17-17 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। सात्विक ने नेट पर फिर से चूक की और मलेशियाई टीम को गेम प्वाइंट दे दिया।

दूसरे गेम में भी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह एक समय 3-7 से पीछे चल रही थी। मलेशियाई टीम ने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा दोनों टीम के बीच अंतर को 15-9 कर दिया। भारतीय जोड़ी हालांकि आसानी से हार मानने के लिए तैयार नहीं थी और उन्होंने जल्द ही स्कोर 16-18 कर दिया। मलेशिया की टीम ने हालांकि इसके बाद चार मैच प्वाइंट हासिल किए और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बेंगलुरू भगदड़ मामले में आरसीबी के तीन अधिकारी गिरफ्तार

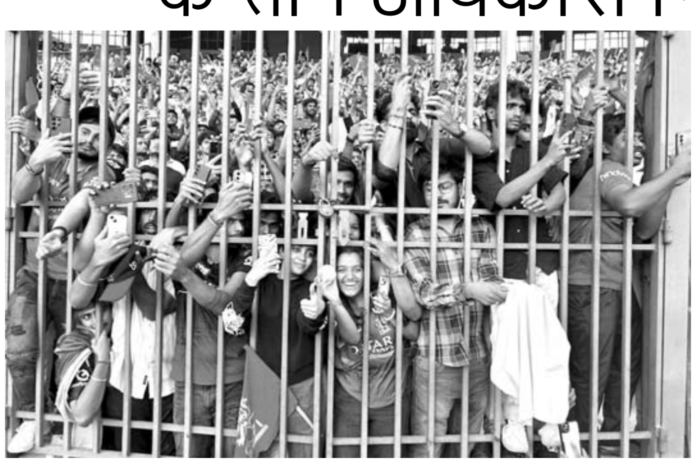

बेंगलुरु, 6 जून। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरा हुई भगदड़ ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना ने ने केवल खेल प्रेमियों, बल्कि पूरे कर्नाटक को गहरे सदमे में डाल दिया।

वहीं हादसे के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सख्त कदम उठाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। शुक्रवार को बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क की सीनियर इवेंट मैनेजर किरण कुमार और वाइस प्रेसिडेंट सुनील मैथ्य को गिरफ्तार कर लिया।ये हादसे तब हुआ जब आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के लिए स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हुए थे। जश्न का आयोज आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से किया गया था। लेकिन भीड़ प्रबंधन में भारी चूक और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये उत्सव एक त्रासदी में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था और आयोजकों ने भीड़ की संख्या का सही आकलन नहीं किया था।

सीएम सिद्धारमैय ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। उन्होंने इस हादसे की जांच के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक एकल-न्यायिक आयोग गठित करने का ऐलान किया। आयोग को 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, सीएम ने बेंगलुरु पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इनमें बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास, डीसीपी शेखर एच टेक्कनवर, कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर और अन्य निचले स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

बेंगलुरू भगदड़ जैसे हादसे को रोकने के लिए बीसीसीआई जारी कर सकती है एडवाइजरी

नई दिल्ली, 6 जून। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बेंगलुरु में जिस तरह की भगदड़ हुई, भविष्य में वैसा कोई हादसा न हो, इसके लिए बोर्ड एडवाइजरी जारी करेगा। बुधवार को आईपीएल विजेता आरसीबी के जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की झलक देखने के लिए बड़ी तादाद में फैन जुटे थे और उसी दौरान भगदड मच गई।सैकिया का मानना है कि जल्दबाजी में विजय जुलूस की वजह से ट्रैजिटी हुई। उन्होंने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद मुंबई में भारतीय क्रिकेट टीम की खुली बस में विजय जुलूस का उदाहरण भी किया। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने विक्ट्री परेड की सावधानी से प्लानिंग की थी इसलिए वह बहुत ही सुचारु ढंग से हो गया। सैकिया ने सीएनएन-न्यूज 18 के साथ बातचीत में कहा कि कोई टीम टूर्नामेंट के बाद किस तरह जश्न मनात है, उस पर बीसीसीआई को कोई नियंत्रण नहीं है। लेकिन भविष्य में इस तरह की घटनाओं को होने से रोकने के लिए बोर्ड एडवाइजरी जारी कर सकता है।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन, 6 जून। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को रॉब वाल्टर को राष्ट्रीय पुरुष टीम के तीनों प्रारूपों के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। जून के मध्य से कार्यभार ग्रहण करने वाले वाल्टर को गैरी स्टीड के जाने के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। जुलाई में उनके साथ टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जायेगी। उनका अनुबंध 2028 के आखिर में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप तक चलेगा।

वाल्टर इस वर्ष अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की सफेद टीमों की देखरेख कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में दक्षिण अफ्रीका ने 2024 में अपने पहले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया, जहां वे बारबाडोस में भारत से हार के बाद उपविजेता रहे। उन्होंने लगातार आठ मैचों की जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड टीम का कोच नियुक्त किये जाने पर वाल्टर ने कहा, ब्लैक कैप्स पिछले कुछ समय से विश्व पटल पर एक सफल और उच्च-सम्मानित टीम रही है और इसमें योगदान देने का मौका मिलना वास्तव में सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करना एक अद्भुत अवसर है, जिसमें कई वैश्विक आयोजनों के साथ-साथ बड़ी द्विपक्षीय श्रृंखलाएँ भी होंगी।

केपीएल खेलो प्रीमियम 7 के सभी लीग मैच पूरे
आज से होंगे नॉकआउट मुकाबले

जयपुर, 6 जून। राजधानी के एसएमएस स्टेडियम में चल रही वैश्य समाज की खेलो प्रीमियर लीग (केपीएल-7) में शुक्रवार को दूसरे दिन लीग के सभी मैच पूरे हो गए। शुक्रवार के मुकाबले बहुत ही रोमांचक रहे। गुरुवार और शुक्रवार को सम्पन्न हुए 12 लीग मैच के रिजल्ट्स के आधार पर सेमीफाइनलिस्ट तय हो गए हैं। शुक्रवार को मुख्य अतिथि खेल और युवा मामलात के शासन सचिव तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन रहे और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। केपीएल चीफ़ सेकेट्री रितेश खंडेलवाल ने बताया कि प्रदर्शन के आधार पर ग्रुप ए में अल्टीमो डेयरडेविल्स एवं लकी सुपर इंडियन्स और ग्रुप बी में राजघराना टाइगर्स एवं वर्ल्डवाइड स्पार्टन्स सेमीफाइनल में पँहुची। जयपुर रॉयल्स, पिंकसिटी टाइटन्स, रजवाड़ा ब्लास्टर्स एवं राजपुताना वारियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टूर्नामेंट में शनिवार को 4 मैच होंगे, जिसमे सुबह 2 नॉक आउट मैच किड्स के होंगे। उसके बाद 10 बजे पहला सेमीफाइनल और 3 बजे दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। रविवार 8 जून, 2025 को 4 मैच होंगे। जिसका मुख्य आकर्षण डे नाइट फाइनल मैच होगा। जिसमें एल्डर्स मैच, फीमेल मैच और किड्स फाइनल भी होगा। टूर्नामेंट के फिनाले में मुख्य आकर्षण फ़िल्म एक्टर्स सलोनी राउत रहेगी। केपीएल से जुड़े सभी खिलाड़ी, टीम ओनर्स, पार्टनर्स सहित हज़ारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैच देखने एसएमएस स्टेडियम में एकत्रित हुए। कार्यक्रम में बोर्ड डायरेक्टर मनोज सौंखिया, नवीन खण्डेलवाल, रतन ताम्बी, श्रीराम खण्डेलवाल, सोमेश गुप्ता, वीनू गुप्ता, कैलाश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, कमल कट्टा, दीपक गुप्ता, अमित डंगायच, कमल खूंटेटा, सुकुमार पाटोदिया, अभिषेक गुप्ता, मोहित नाटाणी, उमेश खूंटेटा समेत अनेक समाजसेवी और उद्यमी गण उपस्थित रहे।

यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स के बीच होगी सेमीफाइनल की जंग

अहमदाबाद, 6 जून। ड्रीम यूटीटी जूनियर्स के पहले सत्र के नॉकआउट चरण सेमीफाइनल में यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। अहमदाबाद के ईकेए एरिना में रविवार को दोनों सेमीफाइनल मैच खेलें जायेंगे। लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स ने ड्री यूटीटी जूनियर्स के सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है।

दक्षिण अफ्रीका में पांच नये खिलाड़ी

केप टाउन, 6 जून। दक्षिण अफ्रीका ने 28 जून से 10 जुलाई तक जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो के क्वीन स्पोर्ट्स क्लब में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। टीम की कप्तान टेम्बा बावुमा को दी गई है जबकि कैगिसो रबाडा, एडेन मार्कराम, मार्को जेनसन, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे कई नियमित टेस्ट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, नहीं होगी कोई कार्रवाई

बेंगलुरु, 6 जून। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए भगदड़ मामले में राज्य क्रिकेट संघ को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अपने आदेश में अधिकारियों से कहा है कि वे क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे।राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने भगदड़ मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का रुख किया था। पहली बार आईपीएल जीतने के बाद आरसीबी की टीम ने 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाया था। उसी दौरान स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी और 56 अन्य घायल हुए थे।पुलिस ने इस मामले में आरसीबी इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कन्नड़ में दर्ज की गई एफआईआर में लिखा है कि बिना पर्याप्त इंतजाम किए प्रोग्राम किया गया। स्टेडियम में फैंस के शांति से प्रवेश के लिए जरूरी पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। एफआईआर में आरसीबी फ्रेंचाइजी, डीएनए और केएससीए के पदाधिकारियों का नाम लिखा गया है।

चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 6 जून। करीब दो दशक लंबे करियर के बाद लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। चावला ने आज सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने संन्यास लेने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, दो दशक से अधिक समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं। वह 2007 में टी-20 विश्वकप और 2011 एकदिवसीय विश्वकप की विजेता टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का आशीर्वाद है इसकी यादें हमेशा उनके दिल में बनी रहेंगी।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी से पहले पटौदी ट्रॉफी व एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था

नई दिल्ली, 6 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज होने वाली है। ये टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी और 4 अगस्त तक चलने वाली है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हो गई है। इस दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गी है वहीं अब इस ट्रॉफी को सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर किया जा रहा है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को तेंदुलकर एंडरसन सीरीज नाम दिया जाने वाला है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई ने साथ मिलकर ये फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का अनावरण वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में किया जाएगा, जो कि 11 जून से होने वाली है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। भारत- इंग्लैंड के बीच ये टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

वेई यी को हराकर गुकेश नॉर्वे शतरंज के अंतिम दौर में

स्टवान्गर (नॉर्वे), 6 जून। नॉर्वे शतरंज 2025 के नौवें दौर के मुकाबले में विश्व चैंपियन गुकेश डी ने चीन के वेई यी को हराकर टूर्नामेंट के खिताबी दौर में जगह बना ली है। नॉर्वे शतरंज 2025 के नौवें दौर में भारत के गुकेश डी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चीन के नंबर वन वेई यी को हराकर टूर्नामेंट के अंतिम दौर में प्रवेश कर लिया है। गुकेश ने वेई यी की एक महत्वपूर्ण शुरुआती गलती का फायदा उठाकर बढ़त हासिल की। तेज आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए गुकेश डी ने मुकाबले को जीतकर गेम में पूरे अंक हासिल किये। गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि कार्लसन उनसे आधा अंक आगे है।

वहीं एक अन्य मैच में दुनिया के नंबर वन मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के फैबियानो कारुआना का मुकाबला हुआ। मुकाबले में एक समय ऐसा लगा रहा था कि कार्लसन हार जायेंगे, लेकिन उन्होंने हराने की स्थिति से वापसी करते हुए कारुआना को हराकर पूरे अंक हासिल किये। हिकारू नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी के बीच का खेल बराबरी पर समाप्त हुआ। हिकारू नाकामुरा ने आर्मगेडन गेम में जीत हासिल की और महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक प्राप्त किये। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा।

नीरज पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे

नई दिल्ली, 6 जून। मौजूदा भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा 20 जून को स्टेड सेबेस्टियन-चार्लीटी में होने वाली पेरिस डायमंड लीग 2025 में भाग लेंगे। नीरज आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में वापसी करेंगे। वर्ष 2017 में वह इस स्पर्धा में 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। जर्मनी के जोहान्स वेटर ने 88.74 मीटर का थ्रो कर इस स्पर्धा को जीता था। नीरज के 2024 संस्करण में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन पेरिस ओलंपिक की तैयारी के मद्देनजर वह इस स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। मई में दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा ने 90.23 मीटर दूर भाला फेंक कर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोडा था। नीरज का सबसे हालिया प्रदर्शन 23 मई को पोलैंड के चोरजो में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में हुआ था। नीरज ने टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन में दूसरे स्थान पर रहने के लिए अपने अंतिम प्रयास में 84.14 मीटर भाला फेंक कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज ने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण स्पर्धा जीतकर अपने 2025 एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत की थी। उन्होंने 84.52 मीटर थ्रो किया था। वह 24 जून को चेकिया में होने वाली गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स स्पर्धा की प्रवेश सूची में भी शामिल हैं और पांच जुलाई को बेंगलुरु में उद्घाटन में नीरज क्लासिक में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

भारतीय जीवन बीमा निगम के अखिल भारतीय खेल प्रमोशन बोर्ड का गठन
दीपांक दास पुन : बने प्रमोशन बोर्ड के सदस्य

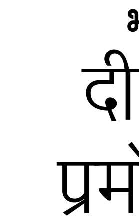

जयपुर, 6 जून। भारतीय जीवन बीमा निगम के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अखिल भारतीय खेल प्रमोशन बोर्ड का सत्र 2025-2027 के लिए गठन किया गया जिसमें जयपुर के दीपांक दास का चयन, लगातार दूसरी बार, बोर्ड के सदस्य के रूप में किया गया है । दीपांक दास टेबल टेनिस के पूर्व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी है तथा अंतरराष्ट्रीय एंपायर भी है। जयपुर संभाग से दीपांक दास प्रथम व्यक्ति है जिनका लगातार दूसरी बार इस बोर्ड में चयन हुआ है। दीपांक दास ने 2008 में जयपुर में आयोजित साउथ एशिया पेसिफिक खेलों में, 2010 में दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों में, 2015 में जयपुर में आयोजित जीएसी ग्रुप एशिया कप खेलों में तथा 2018 में जयपुर में आयोजित वेटरन नेशनल खेलों मे व नवंबर 2024 में आयोजित भारतीय जीवन बीमा निगम के अखिल भारतीय खेलों सहित कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिताओ के आयोजन में अंतरराष्ट्रीय अंपायर व प्रतियोगिताओं के सफल संचालक के रूप मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान मे दीपांक दास भारतीय जीवन बीमा निगम में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत है। दीपांक दास 17 बार भारतीय जीवन बीमा निगम की उत्तर क्षेत्रीय प्रबंधक ट्रॉफी के विजेता रह चुके हैं व 26 बार इन्होंने अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम प्रतियोगिताओं मे उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। दीपांक दास भविष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की व उसके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के संचालन में सहयोग प्रदान करेंगे व निगम में खेलो के प्रोत्साहन व उत्थान के लिए कार्य करेंगे।

आरसीए राज्य के खिलाड़ियों को बढ़िया प्रदर्शन के लिए करेगा उत्साहित : बिहाणी
राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मैचों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने के लिए देगा पुरस्कार

जयपुर, 6 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी राज्यके युवा खिलाड़ियों के हित में न केवल सभी निर्णय लेगी साथ ही राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 के दौरान आयोजित की जाने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मैचों में अपने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पुरुस्कृत करेगी। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आगामी 7 जून से श्रीगंगानगर में व 9 जून से राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड का आयोजन किया जायेगा।श्रीगंगानगर में 7 जून से आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के प्लेट ग्रुप सी के मैच खेल जाएंगे जिसमे धौलपुर, बीकानेर, डूंगरपुर, पाली, जैसलमेर जिला क्रिकेट संघो की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के दिनांक 7 जून को पहले दिन श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जाने वाले मैचो में पहला मैच बिहाणी क्रिकेट ग्राउंड, डूंगरपुर बनाम पाली जिला टीमों के मध्य एवं दूसरा मैच स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स टांटियायूनिवर्सिटी में धौलपुर बनाम बीकानेर जिला टीमों के

मध्य खेला जाएगा।बिहाणी ने बताया की राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के मैचों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडी को मैन ऑफ़ थ मैच सहित प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के पुरुस्कार भी इस वर्ष से शुरू किये जा रहे हैं जिससे न केवल खिलाडियों का होंसला बढ़ेगा साथ ही खिलाडियों को प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी व अपने उच्च प्रदर्शन के दम पर राज्य के युवा खिलाडी राष्ट्रिय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर पाएं। बिहाणी के अनुसार आरसीए द्वारा राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली राज्यस्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है व प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए कार्यालय कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं की प्रतियोगिता व खेल गतिविधियों में भाग ले रही टीमों व खिलाडियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो व खिलाडी प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे पाएं इसका विशेष ध्यान रखा जाये।

फीफा विश्वकप क्वालीफायर में अर्जेंटीना ने चिली को हराया

सैंटियागो, 6 जून। जूलियन अल्वारेज के पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने फीफा विश्वकप क्वालीफायर में चिली पर 1-0 से जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नैशनल में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में अल्वारेज ने 23वें मिनट में थियागो अल्माडा की थ्रू बॉल पर गोलकीपर ब्रायन कॉर्टेस के ऊपर से शॉट मारकर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने अधिकतर समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखा। दूसरे हाफ में चिली ने वापसी प्रयास किया।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों की एसी ट्रेन को रामेश्वरम, मदुरई रवाना किया

उन्होंने दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 25-26 का शुभांरभ किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत इस साल 50 हजार वरिष्ठ जनों को एसी ट्रेनों से 13 तीर्थस्थलों की यात्रा करायेगी।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की प्रथम वातानुकूलित ''राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन'' को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनको सुगम एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

जयपुर, 6 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025-26 का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही, योजना के तहत प्रथम वातानुकूलित 'राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस एसी ट्रेन से वरिष्ठ नागरिकगण रामेश्वरम एवं मदुरई के तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनकी सुगम एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे लिए एक अमूल्य धरोहर और समाज का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इनके अनुभव और आदर्श हमें जीवन में सही राह पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना जीवन भर समाज एवं राष्ट्र की सेवा करने वाले वरिष्ठ जनों की सेवा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भाव है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के मन में यह इच्छा रहती है कि वह अपने जीवनकाल में महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों की यात्रा करे, वरिष्ठजनों की पावन धामों के दर्शन करने की इच्छा से प्रेरित होकर यह तीर्थयात्रा योजना चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान सभी तीर्थ यात्रियों को राज्य सरकार द्वारा भोजन, ठहरने की सुविधा सहित, सभी आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत, इस साल 50 हजार वरिष्ठजनों को पहली बार एसी ट्रेनों से 13 विभिन्न तीर्थस्थलों की यात्रा करवाई जा रही है। इसके पहले लगभग छह हजार श्रद्धालुओं को हवाई जहाज से नेपाल में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करवाए गए हैं। इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में तीर्थयात्री और उनके परिजन उपस्थित थे।

जी-7 की मीटिंग के लिए मोदी को न्यौता

नयी दिल्ली, 06 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 देशों की शिखर बैठक में शामिल होने इस महीने कनाडा जायेंगे। यह बैठक 15 से 17 जून तक अलबर्टा प्रांत के कनानास्किस में होनी है।

मोदी ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी ने उन्हें फोन कर जी -7 की बैठक का न्यौता दिया। उनकी इस पोस्ट से पिछले कुछ दिनों से भारत के इस बैठक में शामिल होने को लेकर लगायी जा रही अटकलों पर विराम लग गया है।

- **प्र.मंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि कैनडा के प्रधानमंत्री ने फोन करके जी-7 मीटिंग में आने का निमंत्रण दिया है।**

मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री मार्क जे कानी का फोन आने पर प्रसन्नता हुई। मैंने उन्हें हाल के चुनावों में मिली विजय के लिए बधाई दी और कनानास्किस में इस महीने होने वाली जी-7 की बैठक में भाग लेने का आमंत्रण देने के लिए धन्यवाद दिया।

जी-7 देशों में कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन तथा इटली शामिल हैं। मोदी इस शिखर बैठक में विशेष आमंत्रित के तौर पर भाग लेंगे।

सचिन पायलट ने टोंक के 10 गाँवों में जनसुनवाई की

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल धुआं फेंक रही है

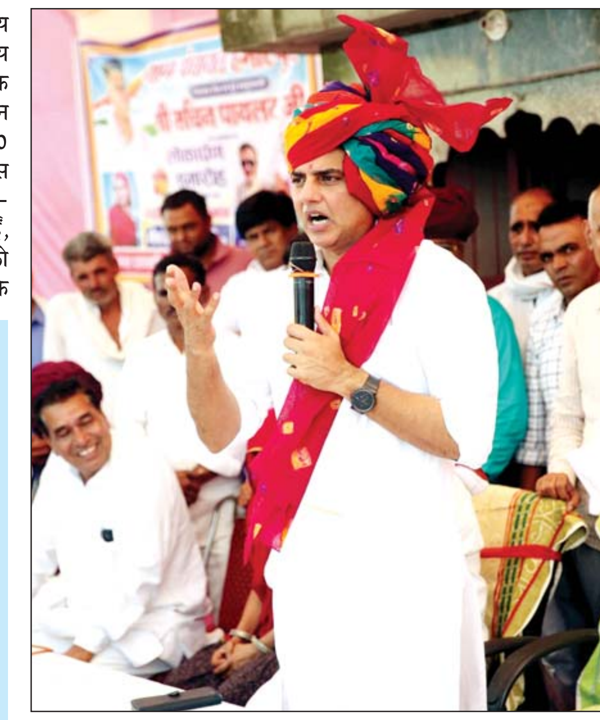

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक दौरे के दूसरे दिन करीब 10 गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की।

टोंक, 6 जून (निस)। दो दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने दूसरे दिन टोंक विधानसभा क्षेत्र के करीब 10 गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की। इस दौरान लोगों ने पायलट को बिजली-पानी सहित कई परेशानियां बताईं, जिसके लिए पायलट ने अधिकारियों को निर्देश देकर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने 11 बार कहा कि व्यापार का लालच देकर सीज़फायर कराया। यह दुख की बात है, अभी तक सर्वोच्च पद पर बैठे लोगों ने इसका खंडन नहीं किया।**

पायलट ने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार सिर्फ धुआं फेंक रही है। भाजपा के पिछले डेढ़ साल के कार्यकाल से लग रहा है कि पिछली कांग्रेस सरकार में किये गये कार्यों की देखरेख भी वर्तमान भाजपा सरकार ठीक तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा हुआ है।

पायलट ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार नहीं, 11 बार यह कहा कि व्यापार का लालच देकर सीज़ फायर करवाया है। यह बड़े दुख की बात है कि अभी तक भी सर्वोच्च पद पर बैठे जिम्मेदार लोगों ने इसका खंडन नहीं किया है, वैसे भी अमेरिका के राष्ट्रपति कौन होते हैं सीज़ फायर करवाने वाले। पायलट ने कहा कि जवाबी कार्यवाही तो उसे कहते हैं, जब इंदिरा गांधी के समय पाकिस्तान के 95 हजार सैनिकों ने हथियार डाल दिये थे। पाकिस्तान में टूटी- फूटी सरकार है।

पीलूपुरा में गुर्जर समाज की महापंचायत और गुर्जर आरक्षण को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि संविधान में जो राहत लोगों को दी गई है, उस पर अमल नहीं होगा तो जनता को उसका जवाब मांगने का अधिकार है। जो एग्रीमेंट हैं, गजट नोटिफिकेशन हैं, उनकी पालना नहीं होती हैं, यह तो भारत सरकार को भी देखना चाहिए।

पायलट के दौरे के दौरान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, भंवर लाल बंशीवाल सहित, सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

मोदी सरकार की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चिंता बढ़ा दी है।

शीर्षस्थ कूटनीतिक और सुरक्षा विशेषज्ञ भारत की रणनीतिक स्थिति को कमज़ोर होते देख कर चिन्तित एवं आशंकित दिखाई दे रहे हैं। एक पूर्व भारतीय राजदूत ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, " गहन प्रयासों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं में पाकिस्तान की भूमिका को रोकने में भारत की असफलता यह दर्शा रही है कि विदेश नीति में इरादे और अमल के बीच गहरी खाई है।

पूर्व विदेश मंत्री और मोदी सरकार की विदेश नीति व आर्थिक नीति के प्रखर आलोचक डॉ. के.सी. मेनन ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "भारत की वैश्विक साख पर गंभीर अविश्वास खड़ा हो रहा है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो मुझे नहीं लगता कि मोदी सरकार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नतीजों का सामना किए बिना, अपना तीसरा कार्यकाल पूरा कर पाएगी।"

लेकिन सरकार ने इन आरोपों पर घोर चुप्पी साध ली है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बस इतना कहा कि एक दीर्घकालिक कूटनीतिक रणनीति चल रही है और अल्पकालीन महत्व की घटनाएं भारत की वास्तविक वैश्विक स्थिति को प्रदर्शित नहीं करतीं।"

इस बीच, विपक्षी गठबंधन "इंडिया" आंतरिक सुरक्षा और विदेश नीति के रंग-ढंग को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुये एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की तैयारी में है। वरिष्ठ नेताओं ने सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए, अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में पारदर्शिता और जम्मू-कश्मीर में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति से निपटने की योजना को स्पष्ट करने की मांग की है।

जैसे-जैसे संसद का मानसून सत्र नज़दीक आ रहा है, तीखे राजनीतिक टकराव का मंच तैयार हो रहा है। अब देखना यह है कि क्या मोदी सरकार अपनी (विजय) गाथा पर अड़ी रहेगी तथा उसे ही दोहराती रहेगी या फिर उसे देश और दुनिया में अपनी विदेश नीति की दिशा पर बढ़ती चिंता का सामना करना पड़ेगा।

'जम्मू-कश्मीर में बना विकास का माहौल, पहलगाम हमले से नहीं रुकेगा'

प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे ऊँचे चिनाब रेल ब्रिज के उद्घाटन के दौरान जनता को संबोधित करते हुए कहा

श्रीनगर, 06 जून। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार जम्मू-कश्मीर दौरे पर पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने चिनाब ब्रिज का जायजा भी लिया और इसको बनाने वाले कामगारों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। ये देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है, जो केबल स्टेड तकनीक पर बना है। यह ऐतिहासिक पुल न सिर्फ कश्मीर घाटी को पूरे भारत से जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन के जरिये जम्मू से श्रीनगर का रास्ता केवल 3 घंटे का रह जाएगा।

पीएम मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर में 46 हजार करोड़ की परियोजना का उद्घाटन किया।

मोदी ने कटरा में 42 मिनट का भाषण दिया। इसमें आतंकवाद, पाकिस्तान और कश्मीर के टूरिज्म का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला था। यह पाकिस्तान की बड़ी साजिश थी, जो कश्मीर में तेजी से बढ़ रहे पर्यटन और आर्थिक विकास को रोकना चाहता था। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर के विकास के वेग को रुकने नहीं दिया जाएगा।

- **प्रधानमंत्री ने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। यह देश का पहला ऐसा ब्रिज है जो केबल स्टैंड तकनीक पर बना है।**
- **मोदी ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत व कश्मीरियत पर हमला किया, वे भारत में दंगे कराना चाहते थे, पर, कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को ध्वस्त कर दिया।**

प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले में नौजवान आदिल की हत्या का भी उल्लेख किया और कहा कि आदिल वहां मेहनत-मजदूरी करने गया था। आतंकियों ने उस आदिल को भी मार दिया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की इस साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं, जम्मू-कश्मीर की आवाम ने इस बार जो ताकत दिखाई है, ये सिर्फ पाकिस्तान नहीं, दुनियाभर की आतंकवादी मानसिकता को, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कड़ा संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि विकास का जो वातावरण जम्मू-कश्मीर में बना था, वो पहलगाम के हमले से डिगने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गत 06 मई की वो रात, पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा, तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। सभा में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, जितेन्द्र सिंह और वी सोमन्ना जी, जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार, विधानसभा में नेता विपक्ष सुनील और अन्य गणमान्य व्यक्त उपस्थित थे।

क्या ''इमरजैंसी'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया है। इसके विपरीत, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और तृणमूल कांग्रेस सहित 16 दलों के विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि ऑपरेशन 'सिंदूर' और उससे जुड़े सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए। सरकार ने न तो इमरजेंसी सत्र को लेकर कांग्रेस के दावे पर कोई प्रतिक्रिया दी है, न ही इंडिया ब्लॉक के विशेष सत्र के अनुरोध पर कोई जवाब दिया है। ऐसे में स्थिति अभी भी गतिशील बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषक सरकार की ओर से किसी आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं, ताकि विशेष संसद सत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सके।

'अपराध गंभीर हो तो एंटीसिपेटरी बेल ना दें'

नई दिल्ली, 6 जून। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों के मामलों में गिरफ्तारी पूर्व जमानत बिना सोचे-समझे नहीं दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी बिहार के एक हत्या के मामले में चार आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत रद्द करते हुए की।

पीठ ने 1 मई को दिए गए आदेश में कहा, पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया है, जिसमें आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या की कोशिश) जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, यह आदेश संक्षिप्त और न्यायिक विश्लेषण से रहित है। ऐसे गंभीर मामलों में इस तरह से स्वचालित रूप से जमानत नहीं दी जा सकती। यह आदेश रद्द किया जाना चाहिए।मामले में कोर्ट ने कहा कि एफआईआर और अन्य दस्तावेजों के अनुसार, शिकायतकर्ता के पिता की उसके सामने ही लोहे की रॉड और डंडों से पिटाई की गई थी, जिससे उसकी उसी दिन मौत हो गई। यह विवाद रास्ते में रुकावट को लेकर हुआ था। एफआईआर में आरोपियों की भूमिका साफ तौर पर बताई गई है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह लैंड मॉर्क टिप्पणी पटना हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। पटना हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को पीट-पीट कर मार डालने के आरोपियों को जमानत दे दी थी।**

करोना के एक्टिव केस हुए 5 हजार के पार

नयी दिल्ली, 06 जून। देशभर में करोना संक्रमण के 464 सक्रिय मामले बढ़ ने के साथ कुल सक्रिय मामलों की संख्या शुक्रवार सुबह 5364 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 55 तक पहुंच गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह आठ बजे तक देश में करोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर 5364 पहुंच गयी। अभी तक 4724 मरीजों को स्वास्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 55 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण के कुल 1266 मामले सामने आये हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश के नौ राज्यों में करोना के सक्रिय मामले सबसे अधिक हैं, जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसी अवधि में करोना संक्रमण के 498 नये सक्रिय मामले सामने आये हैं और 764 मरीजों के स्वास्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है लेकिन इस अवधि के दौरान चार और मरीजों की जान चली गयी।

भगवान सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

देवनानी ने कहा कि उनका निधन हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

वसुंधरा राजे ने कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने जीवनपर्यंत संगठन और समाज की सेवा को अपना धर्म माना।

इसी तरह उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं प्रेम चंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित, कई नेताओं ने रोलसाबसर के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है।

कांग्रेस ने ट्रंप-मस्क की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेल खाती रही हैं – जिनमें बंदरगाह, हवाई अड्डे, ऊर्जा, कोयला और रक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

वर्ष 2015 से ही भारतीय मीडिया ने इस प्रवृत्ति की ओर इशारा किया था: जहाँ भी मोदी विदेश दौरे पर जाते, उसके तुरंत बाद ही अडानी भी वहाँ एक्टिव हो जाते।

2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उसके तुरंत बाद अडानी समूह के कारोबार में तीव्र विस्तार हुआ। इस अवधि में समूह ने बंदरगाहों, हवाई अड्डों, नवीकरणीय ऊर्जा, डेटा सेंटर और ऊर्जा उत्पादन में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की

2014 में अडानी की अनुमानित संपत्ति लगभग 3.5 अरब डॉलर थी और 2022 तक, वे थोड़े समय के लिए दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति तक बन गए थे।

उस समय मोदी का दूसरा कार्यकाल चल रहा था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2014 के आम चुनाव अभियान के दौरान, मोदी ने चुनाव प्रचार के लिए कथित रूप से अडानी के प्राइवेट जैट का इस्तेमाल किया था।

इसके अलावा, अडानी समूह ने रणनीतिक सार्वजनिक परिसंपत्तियों, जैसे छह प्रमुख हवाई अड्डों (जिसमें मुंबई भी शामिल है) और प्रमुख बंदरगाहों, मुंद्रा और विजिंजम, की निविदाएं जीतीं और उन पर नियंत्रण किया।

पिछले एक दशक में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि अडानी समूह का अंतरराष्ट्रीय विस्तार अक्सर मोदी की उच्च स्तरीय कूटनीतिक यात्राओं के साथ मेल खाता है।

कई मामलों में, मोदी की यात्राओं के बाद महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौते होते देखे गए हैं।

कांग्रेस ने इस बार एक अंतरराष्ट्रीय विवाद को बहुत चतुराई से भारतीय संदर्भ में ढाल कर मोदी-अडानी संबंधों को फिर से चुनावी विमर्श के केन्द्र में ला दिया है।

3 अगस्त को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी कहा था कि जरूरत पड़ने पर एनबीई परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की अनुमति के लिए गुहार लगा सकती है।

शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद एनबीई ने परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाने समेत सुरक्षा संबंधी अन्य उपाय करने का हवाला देते हुए तीन जून को एक आवेदन के जरिए परीक्षा को तीन अगस्त को आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

अब आर.टी.जी.एस. से पैसा ट्रांसफर लगभग सभी ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फॉर इंटरनेशनल सैटलमैंट्स) आम जनता के बीच भले ही कम जाना-पहचाना नाम हो, लेकिन यह वैश्विक स्तर पर वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर देश के पास केंद्रीय बैंक होता है जो प्राइस स्टेबिलिटी और मॉनिटरी सिस्टम की निगरानी करता है, और बी.आई.एस. एक तरह से इन केंद्रीय बैंकों का "बैंकर" है।

बी.आई.एस. ने 17 मई को स्विट्ज़रलैंड के बाज़ल शहर में अपनी 95वीं वर्षगांठ मनाई, जहाँ इस संस्था द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिकाओं को प्रदर्शित किया गया। बी.आई.एस. की स्थापना प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के तुरंत बाद जर्मनी से युद्ध हर्जाने के भुगतान के प्रबंधन के लिए की गई थी।

प्रथम विश्व युद्ध के अंत में जर्मनी को मित्र राष्ट्रों को युद्ध हर्जाने के रूप में भारी भुगतान करने के लिए बाध्य किया गया था। ये भुगतान पहले बी.आई.एस. को दिए जाते थे, जो फिर फ्रांस या ब्रिटेन जैसे विभिन्न देशों के दावे निपटाता था।

लेकिन 1932 तक, वर्साय शांति समझौता और उसके हर्जाना भुगतान के प्रावधान अप्रभावी हो गए, क्योंकि जर्मनी इतनी बड़ी रकम चुकाने की स्थिति में नहीं था। जर्मनी में अत्यधिक महंगाई के कारण अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी और प्रयासों के बावजूद कोई भी राशि नहीं वसूली जा सकी।

इसलिए बी.आई.एस. की मूल भूमिका अप्रासंगिक हो गई और यह धीरे-धीरे विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच लेनदेन और दावों को निपटाने का मंच बन गया।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बी.आई.एस. को एक नई भूमिका मिली। यह अमेरिका की मार्शल योजना के तहत यूरोपीय देशों के पुनर्निर्माण के लिए बड़ी रकम के हस्तांतरण का प्लेटफॉर्म बन गया। जब पुनर्निर्माण कार्य धीमा पड़ने लगा, तो बी.आई.एस. एक ऐसा मंच बन गया जहाँ केंद्रीय बैंक अधिकारी मिलकर मौद्रिक स्थिरता और नीतियों पर चर्चा करने लगे।

- **पर, दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देशों के पुनर्निर्माण के लिए भारी राशि आई, अमेरिका के मार्शल प्लान के तहत, तब बी.आई.एस. की दुकान फिर चल पड़ी।**
- **पर, कालांतर में, बी.आई.एस. को समय की आवश्यकता के अनुसार, अपना स्वरूप व कामकाज बदलना पड़ा और अब आर.टी.जी.एस. के रूप में वह पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय संकटों से गुजरने के अनुभव की उसकी स्मृतियां तथा डेटा बेस उसका सबसे बड़ा ''एसैट'' (धरोहर) हैं तथा फायनैंशियल सिस्टम को संकटों से निपटने के लिए उठाये गये नीतिगत निर्णय व प्रक्रिया, अब भावी संकटों से निपटने में भारी भूमिका निभायेंगे।**

केन्द्रीय बैंकों के बीच पॉलिसी पर विचार विमर्श के लिए बी.आई.एस. प्लेटफॉर्म का मुख्य आधार इसकी मजबूत शोध क्षमताएं और डेटाबेस है। बी.आई.एस. इन केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीतियों पर समन्वय स्थापित करने का प्रमुख मंच प्रदान करता है। यद्यपि प्रत्येक देश की अपनी आर्थिक परिस्थितियाँ और जरूरतें होती हैं, जिनका समन्वय करना होता है।

बी.आई.एस. की एक अन्य भूमिका यह भी रही कि यह वैश्विक स्तर पर धन प्रवाह (फ्लो ऑफ फण्ड्स) की निगरानी करे। द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद विभिन्न आर्थिक और वित्तीय घटनाओं के कारण विभिन्न देशों के बीच फंड का प्रवाह बढ़ने लगा।

इसका एक प्रमुख कारण था, फिक्स्ड एक्सचेंज रेट से हटकर बाजार आधारित एक्सचेंज रेट की ओर जाना। इससे देशों की मौद्रिक नीतियों को नई दिशा में ढालना आवश्यक हो गया?

ये बदलाव उस नए वैश्विक आर्थिक माहौल का सीधा नतीजा थे, जो उस समय उभर रहा था। पहले यह माना जाता था कि किसी भी देश के करंट अकाउंट (चालू खाते) में शून्य बैलेंस होना चाहिए और किसी भी स्थिति में चालू खाता घाटा (स्ट्रक्चरल करंट एकाउंट डैफिसिट) स्वीकार नहीं किया जाता था। लेकिन बाद में यह सोच बदलने लगी। इस नए सिस्टम का मुख्य आदर्श उदाहरण यह था कि कुछ देशों (जैसे चीन) के पास भारी मात्रा में सरप्लस पूँजी जमा होने लगी और कुछ देशों (जैसे अमेरिका) पर भारी घाटा हो गया।

इसका नतीजा यह हुआ कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के बीच बड़े पैमाने पर पूंजी का प्रवाह होने लगा। इससे बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता पैदा होने लगी।

व्यापार के जरिए आने वाले पैसों के साथ-साथ, बाजार में नई ताक़त के रूप में संस्थागत निवेशक (इन्स्टिट्यूशनल इन्वैस्टर) सामने आए। ये निवेशक सिर्फ एक बटन दबाकर बड़ी रकम को एक देश से दूसरे देश में भेज सकते थे। ऐसे अचानक आने-जाने वाले अनुमानित निवेश (स्पैक्युलेटिव फण्ड्स) से एक्सचेंज रेट्स में भारी बदलाव आ सकते थे, जो आगे चलकर देशों की असली अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करते थे।

इतने बड़े पैमाने पर हो रहे पैसों के आवागमन के सामने बी.आई.एस. की भुगतान और निपटारे की पारम्परिक भूमिका अब कमजोर व अप्रासंगिक हो गई।

लेकिन बी.आई.एस. के लिए एक नई भूमिका साफ दिखाई दे रही थी, इसका डेटाबेस और रिसर्च संसाधन आर्थिक संकट के समय नीति बनाने में मददगार बन सकते थे।

इस तरह, बी.आई.एस. अब अपनी मूल भूमिका से बहुत आगे निकल गया है और अब यह एक ऐसा स्थायी मंच बन गया है जहाँ दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के नीति निर्माता मिलते हैं, मॉनिटरी पॉलिसी और बैंकिंग रेगुलेशन पर चर्चा करते हैं, ताकि वित्तीय स्थिरता बनी रह सके।

बी.आई.एस. (बैंक फॉर इन्टरनैशनल सैटलमैंट) की स्थापना आज की आई.एम.एफ. और वर्ल्ड बैंक जैसी ब्रैट संस्थाओं से भी पहले हुई थी। यह अब ग्लोबल फायनैंस में 100 साल पूरे करने की ओर बढ़ रहा है।

बी.आई.एस. के पास वित्तीय संकटों का संस्थागत अनुभव, आर्काइव्ज़ और डेटा मौजूद हैं – जो आने वाले समय में वित्तीय पूंजीवाद (फायनैंशियल कैपिटलिज़्म8) को बनाए रखने के लिए एक अमूल्य संसाधन साबित हो सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908